रांची, रविवार
05.07.2026
वर्ष : 11, अंक : 213, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रुपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त तक

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से आरंभ होगा जो 13 अगस्त तक चलेगा। संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने शनिवार को एक्स पर इसकी जानकारी दी। संसदीय कार्यमंत्री ने बताया कि भारत सरकार की अनुशंसा पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संसद के दोनों सदनों को मानसून सत्र 2026 के लिए बुलाने की स्वीकृति दे दी है। यह सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा, जिसमें राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक बहस, चर्चा और निर्णय लिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि पिछले बजट सत्र के बाद से संसद के दोनों सदनों में संख्या बल से जुड़े समीकरण काफी बदल गए हैं, सत्ता पक्ष मजबूत हुआ है और विपक्ष की संख्या घटी है। इसके अलावा राज्यों में हुए चुनावों का भी असर दिखाई दे सकता है। ऐसे में सरकार महत्वपूर्ण विशेयकर संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने का प्रयास करेगी।

बैंक धोखाधड़ी मामले में रिलायंस कैपिटल के पूर्व सीएफओ अमित बापना गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रिलायंस कैपिटल लिमिटेड के पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) अमित बापना को रिलायंस एडीए ग्रुप से जुड़े बैंक धोखाधड़ी मामलों की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने बताया कि एजेंसी की जांच में सामने आया कि अगस्त 2014 से दिसंबर 2019 तक कंपनी के सीएफओ रहे बापना ने कंपनी की वित्तीय गतिविधियों में अहम भूमिका निभाई और ऐसे ऋणों को मंजूरी दी जो भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से लिए गए उधार की शर्तों के विपरीत थे। जांच में पाया गया कि रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) द्वारा लिए गए ऋणों को विभिन्न मध्यस्थ कंपनियों के जरिए रिलायंस एडीए ग्रुप की अन्य कंपनी रिलायंस कैपिटल, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस पावर में स्थानांतरित किया गया, जिससे बैंकों को नुकसान और संबंधित कंपनियों को अनुचित लाभ हुआ।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन राष्ट्रीय मंच पर रखेंगे राज्य का डिजिटल रोडमैप

बिभा संवाददाता

रांची। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल गवर्नेंस और आईटी निवेश के क्षेत्र में झारखण्ड राष्ट्रीय स्तर पर अपनी नई पहचान बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रहा है। आठ और नौ जुलाई, 2026 को नई दिल्ली में आयोजित नेशनल स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन-2026 में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन राज्य का डिजिटल रोडमैप प्रस्तुत करेंगे। इस दौरान झारखण्ड की आईटी, आईटीईएस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल गवर्नेंस से जुड़ी भावी विकास रणनीति देश-विदेश के उद्योग जगत और नीति-निर्माताओं के समक्ष रखी जाएगी। राष्ट्रीय स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन का उद्देश्य झारखण्ड को भारत के एआई परिदृश्य में एक ऐसे राज्य के रूप में स्थापित करना है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को केवल तकनीकी नवाचार के रूप में नहीं, बल्कि सुशासन, पारदर्शिता एवं नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण के प्रभावी माध्यम के रूप में अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम के पहले दिन देश-विदेश की लगभग 100 अग्रणी टेक एवं आईटी कंपनियों के प्रतिनिधि तथा राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी दो अलग-अलग सत्रों में भाग लेंगे। नेशनल स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन-2026 के जरिए झारखंड सरकार का उद्देश्य राज्य को डिजिटल नवाचार, आईटी निवेश, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सुशासन तथा भविष्य की प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में एक अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करना है।

रांची आईटी पार्क बनेगा निवेश आकर्षण का केंद्र

राष्ट्रीय स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन के दौरान पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर रांची आईटी पार्क को निवेश प्रस्ताव के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। लगभग 100.97 एकड़ भूमि पर विकसित होने वाला यह आईटी पार्क राजधानी रांची के कोर कैपिटल एरिया में स्थित है। यह परिसर आईआईएम रांची के समीप तथा बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से भी निकट पर स्थित है, जिससे उत्कृष्ट कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी। राज्य में प्रतिवर्ष 20,000 से अधिक आईटी स्नातकों की उपलब्धता तथा झारखंड आईटी नीति-2023 के अंतर्गत पूर्व भारत में सर्वाधिक आकर्षक प्रोत्साहनों- 50 प्रतिशत पूंजीगत निवेश प्रतिपूर्ति, 100 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क छूट एवं 100 प्रतिशत विद्युत शुल्क छूट जैसे प्रावधानों को उद्योग जगत के समक्ष रखा जाएगा।

ड्राफ्ट एआई पॉलिसी-2026 पर होगा मंथन

कंसल्टेशन के दौरान विभाग द्वारा ड्राफ्ट एआई पॉलिसी-2026 भी प्रमुख हितधारकों के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी जो वर्ष 2026-2031 की अवधि के लिए होगी। प्रस्तावित नीति के तहत मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में स्टेट एआई मिशन के गठन, जैप आईटी को नोडल एजेंसी बनाने तथा इंडिया एआई के साथ इंटर ऑपरेबल झारखण्ड एआई क्लाउड विकसित करने का प्रस्ताव है। साथ ही, विभिन्न विभागों में एआई आधारित उपयोगों के माध्यम से प्रशासनिक दक्षता एवं सेवा वितरण को सुदृढ़ करने की रूपरेखा भी इसमें सम्मिलित है।

सुशासन का सशक्त माध्यम बनेगा एआई

राज्य सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को सुशासन का प्रभावी उपकरण बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। राज्य की एआई रणनीति चार प्रमुख क्षेत्रों यथा सुशासन, कृषि एवं ग्रामीण आजीविका, स्वास्थ्य तथा खनिज संसाधन प्रशासन पर केंद्रित है, जो भारत सरकार की एआई फॉर ऑल अवधारणा के अनुरूप है। नेशनल स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन में मुख्यमंत्री डेटा इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म (सीएम- डीआईपी) की अवधारणा भी प्रस्तुत की जाएगी। यह प्रस्तावित एआई-सक्षम प्लेटफॉर्म विभिन्न विभागों के आंकड़ों को एकीकृत कर योजनाओं की प्रभावी निगरानी, निर्णय प्रक्रिया को सशक्त बनाने तथा व्हाट्सएप एवं पंचायत भवनों में स्थापित डिजिटल कियोस्क के माध्यम से स्थानीय भाषाओं में नागरिकों तक सेवाएं एवं फीडबैक तंत्र उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल होगा। इसके साथ एक प्रस्तावित इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर की अवधारणा भी साझा की जाएगी।

इच्छाशक्ति, कूटनीति और रिफाइनिंग क्षमता से भारत ऊर्जा संकट से उबरा : नरेन्द्र मोदी

एजेंसी

बालोतरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण 21वीं सदी का सबसे बड़ा ऊर्जा संकट पैदा हुआ लेकिन नए भारत की इच्छाशक्ति, समय पर लिए गए फैसलों, प्रभावी रणनीति, संसाधनों के संतुलित उपयोग और कूटनीतिक ताकत के दम पर देश इस संकट से सफलतापूर्वक बाहर निकल आया। उन्होंने कहा कि जब दुनिया के कई देश ईंधन संकट और बढ़ती कीमतों से जूझ रहे थे, तब भारत ने पेट्रोल, डीजल और घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता तथा कीमतों को नियंत्रित रखा। राजस्थान के बालोतरा में लगभग 1.06 लाख करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जब सार्वजनिक तौर पर कुछ लोग अफवाहें और आशंकाएं फैला रहे थे, तब सरकार दिन-रात हालात संभाले, नीतिगत और कूटनीतिक स्तर पर फैसले लेने तथा संकट से देश को बाहर निकालने में जुटी थी। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों का इतिहास कभी न कभी जरूर लिखा जाएगा। मोदी ने कहा कि युद्ध के कारण घरेलू एलपीजी, पेट्रोल और डीजल पर बड़ा संकट खड़ा हो गया था। उन्होंने बताया कि भारत की लगभग 60 प्रतिशत एलपीजी आवश्यकता आयात से पूरी होती थी और उसमें से 90 प्रतिशत आपूर्ति खाड़ी देशों से होर्मुज मार्ग के जरिए आती थी, जो युद्ध जैसे हालात के कारण लगभग रुक गई। इसके बाद सरकार ने रिफाइनरियों की क्षमता का बेहतर उपयोग करने का फैसला किया। जिन रिफाइनरियों में पहले अन्य उत्पाद बनाए जाते थे, उन्हें एलपीजी उत्पादन के निर्देश दिए गए और सात दिनों के भीतर घरेलू एलपीजी उत्पादन 35 हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन से बढ़कर 54 हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन हो गया। जिन रिफाइनरियों ने पहले कभी एलपीजी का उत्पादन नहीं किया था, उन्हें भी इसके लिए तैयार किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया कि रसोई गैस की पूरी मांग का बोझ केवल एलपीजी पर न पड़े। इसके लिए पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन बढ़ाने का अभियान चलाया गया और बहुत कम समय में 11 लाख से अधिक घरों को पीएनजी से जोड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार संकट के दौरान घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत दो हजार रुपये तक पहुंच सकती थी लेकिन सरकार ने इसे 950 रुपये से कम कीमत पर उपलब्ध कराया। उन्होंने कहा कि युद्ध के दौरान कच्चे तेल की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई और आयात के रास्ते भी बाधित हो गए। दुनिया के अनेक देशों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 40 से 50 प्रतिशत तक वृद्धि हुई तथा कई देशों में ईंधन की राशनिंग करनी पड़ी लेकिन भारत में एक दिन के लिए भी ऐसी स्थिति नहीं आई।

धनबाद में प्रिंस खान पर बड़ा एक्शन, भगोड़े गैंगस्टर के घर पर चला बुलडोजर

बिभा संवाददाता

धनबाद। धनबाद पुलिस ने भगोड़े गैंगस्टर प्रिंस खान के खिलाफ शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए वासेपुर स्थित उसके घर पर बुलडोजर चलाया। कोर्ट के कुर्की-जब्ती आदेश के तहत की गई इस कार्रवाई के दौरान पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। तीन डीएसपी, छह थानों की पुलिस और भारी सुरक्षा बल की मौजूदगी में मकान को ध्वस्त किया गया। पुलिस का कहना है कि लगातार जब्ती की कार्रवाई के कारण मकान जर्जर हो चुका था, जिसे सुरक्षा के मद्देनजर गिराया गया। पूरे अभियान की वीडियोग्राफी भी कराई गई। शनिवार सुबह धनबाद पुलिस की टीम भारी सुरक्षा व्यवस्था के साथ वासेपुर पहुंची। एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देश पर कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए भगोड़े गैंगस्टर प्रिंस खान के घर की कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की गई। इस दौरान बुलडोजर से जर्जर मकान को ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के दौरान इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए और मीडिया को भी सुरक्षा कारणों से निर्धारित दूरी पर रखा गया। सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया कि न्यायालय के आदेश के तहत प्रिंस खान के घर की कुर्की-जब्ती की प्रक्रिया पूरी की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि लगातार जब्ती की कार्रवाई के कारण मकान जर्जर हो चुका था, इसलिए उसे बुलडोजर से गिराया गया। पुलिस के अनुसार यह पूरी कार्रवाई कानून के दायरे में की गई है और इसकी वीडियोग्राफी भी कराई गई। माना जा रहा है कि हाल ही में निरसा विधायक अरूप चटर्जी को कथित धमकी मिलने के बाद पुलिस ने प्रिंस खान के खिलाफ कार्रवाई और तेज कर दी है।

मूसलाधार बारिश से मुंबई में जनजीवन अस्त व्यस्त

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई, ठाणे, कल्याण, रायगढ़ और पालघर में शनिवार को सुबह से हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। सुबह से दोपहर तक लगातार हुई तूफानी तेज बारिश ने सैकड़ों पेड़ों को उखाड़ फेंका। कई निचले इलाकों में पानी भर गया है और सड़कें लबालब हो गई हैं। यहां तक मुंबई की लाईफलाइन कहीं जाने वाली लोकल ट्रेनें भी प्रभावित हुई हैं। मुंबई सहित महाराष्ट्र में पिछले चार दिनों से बारिश हो रही है, लेकिन बारिश ने आज सुबह से अपना रौद्र रुप दिखाना शुरू किया। इससे मुंबई, ठाणे, कल्याण, पालघर आदि शहरों के निचले इलाकों में जलभराव हो गया। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से सड़कों, सोसाइटियों और घरों में पानी घुसने से लोगों को बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। ग्राउंड फ्लोर पर बने घरों में पानी घुसने से फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान और घर का दूसरा सामान बुरी तरह खराब हो गया है। कई परिवारों को रातों-रात अपना सामान सुरक्षित जगहों पर ले जाना पड़ा। सड़कों पर पानी भरने की वजह से गाड़ियों का आना-जाना भी काफी हद तक प्रभावित हुआ है। कई इलाकों में लोगों को भी घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया। झाइवरों को पानी से होकर निकलना पड़ रहा है। कुछ जगहों पर गाड़ियां फंसने की घटनाएं भी हुई हैं। इस वजह से, सुबह काम पर जाने वाले नाग इलाके के लोगों ने प्रशासन से तुरंत पानी निकालने की मांग की है। लोगों का कहना है कि चूंकि इस तरह से बार-बार पानी जमा हो रहा है, इसलिए पक्का ड्रेनेज सिस्टम बनाने की जरूरत है। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी रखी है। इसलिए, लोकल प्रशासन अलर्ट हो गया है, और इमरजेंसी सिस्टम तैयार रखे गए हैं। लोगों से अपील की गई है कि वे बिना वजह घरों से बाहर न निकलें, पानी वाले इलाकों से न गुजरें, और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। मौजूदा हालात को देखते हुए, अगर बारिश का जोर इसी तरह जारी रहा, तो मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन के निचले इलाकों में पानी का जमाव और बढ़ने की संभावना है। इसलिए, लोगों को अलर्ट रहने और जरूरी सावधानी बरतने की जरूरत है।

रांची के निजी अस्पताल में युवक की मौत पर बवाल, परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप, मुख्यमंत्री ने दिए जांच के आदेश

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के निजी राज अस्पताल में इलाज के दौरान 18 वर्षीय युवक की मौत के बाद अस्पताल प्रबंधन पर चिकित्सकीय लापरवाही के गंभीर आरोप लगे हैं। मृतक के परिजनों का आरोप है कि पैर के फ्रैक्चर के इलाज के लिए भर्ती कराए गए युवक की उपचार में लापरवाही के कारण मौत हुई। साथ ही, मौत के बाद अस्पताल प्रबंधन द्वारा 22 लाख रुपये का बिल थमाए जाने के आरोप ने मामले को और तूल दे दिया है। घटना पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। दरअसल, लातेहार जिले के निवासी 18 वर्षीय राजू कुमार रंजन 24 मई को सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे। दुर्घटना में उनके पैर में फ्रैक्चर हुआ था, जिसके इलाज के लिए उन्हें रांची स्थित राज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि इलाज के दौरान अस्पताल प्रबंधन ने आवश्यक चिकित्सकीय सावधानियां नहीं बरतीं। उनका कहना है कि दो से तीन दिनों तक घाव की नियमित ड्रेसिंग नहीं की गई, जिससे संक्रमण तेजी से फैल गया और उनकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई। परिजनों के अनुसार, संक्रमण गंभीर होने के बाद राजू को अस्पताल के आईसीयू में भर्ती किया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। उनका आरोप है कि यदि समय पर समुचित इलाज और देखभाल की जाती तो उनकी जान बचाई जा सकती थी। परिजनों ने यह भी सवाल उठाया कि जब चोट केवल पैर में थी, तो संक्रमण इतना गंभीर कैसे हो गया कि मरीज की मृत्यु हो गई। मृत्यु के बाद अस्पताल प्रबंधन द्वारा 22 लाख रुपये का बिल जमा करने के लिए कहे जाने से परिजन आक्रोशित हो गए। उन्होंने अस्पताल परिसर में विरोध प्रदर्शन करते हुए डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ लापरवाही के आरोप लगाए। परिजनों के आग्रह पर राजू के शव का पोस्टमार्टम राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में कराया गया। मामले की जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर संज्ञान लेते हुए रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री को पूरे प्रकरण की गहन एवं निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद जिला प्रशासन तत्काल सक्रिय हो गया। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने सिविल सर्जन को जांच का दायित्व सौंपते हुए पूरे मामले की जांच के लिए जिला स्तरीय विशेष जांच टीम का गठन किया है। यह टीम अस्पताल के उपचार संबंधी रिकॉर्ड, चिकित्सकीय प्रक्रिया, मेडिकल दस्तावेजों तथा अन्य संबंधित पहलुओं की जांच कर अपनी विस्तृत रिपोर्ट प्रशासन को सौंपेगी। इधर, राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने भी मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार को उच्चस्तरीय जांच समिति गठित कर निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यदि जांच में अस्पताल प्रबंधन अथवा संबंधित चिकित्सक दोषी पाए जाते हैं तो उनके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मरीजों की सुरक्षा, सम्मान और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा चिकित्सा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

केंद्र सरकार ने 17 पाकिस्तानियों समेत 23 और दहशतगर्दों को घोषित किया आतंकवादी

एजेंसी

नई दिल्ली। आतंकवाद के खिलाफ मोदी सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत गृह मंत्रालय ने 23 और दहशतगर्दों को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम-1967 (यूएपीए) के तहत आतंकवादी घोषित किया है। इस कार्रवाई के बाद यूएपीए की चौथी अनुसूची में नामित आतंकवादियों की संख्या बढ़कर 80 हो गई है। घोषित 23 आतंकवादियों में 17 पाकिस्तानी और छह भारतीय नागरिक हैं। गृह मंत्रालय ने कहा कि इन आतंकवादियों को औपचारिक रूप से नामित किए जाने से उनके वित्तीय नेटवर्क, आवाजाही, भर्ती क्षमता और आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई को और मजबूती मिलेगी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े 23 खूंखार आतंकवादियों को यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि ये आतंकवादी भारत विरोधी गतिविधियों, आतंकी हमलों, हथियारों की तस्करी, सीमा पार घुसपैठ, आतंकवादी संगठनों की मदद, धन जुटाने और आतंकवादियों की भर्ती में शामिल रहे हैं। शाह ने कहा कि मोदी सरकार भारत और उसके नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर आतंकी मॉड्यूल को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्रालय के अनुसार घोषित 23 आतंकवादियों में 17 पाकिस्तानी और छह भारतीय नागरिक हैं। सभी वर्तमान में पाकिस्तान अथवा पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) से भारत विरोधी आतंकी गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं। पाकिस्तानी आतंकवादियों में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े मसूद इलियास कश्मीरी, मोहम्मद मुसादिक, मुफ्ती मोहम्मद असगर खान, हाफिज अब्दुल शकूर, अब्दुल्ला जिहादी, गुलाम फरीद, अशफाक अहमद, मौलाना इमदाद उल्लाह मक्की और वसीम नूर जाट शामिल हैं। इसके अलावा अब्दुल रऊफ, हाफिज खालिद वालीद, मौलाना सैफुल्लाह खालिद, मोहम्मद याकूब, मौलाना युसूफ ताईबी, कारी याकूब शेख, राणा इफ्तिखार और मोहम्मद शहीद फैसल लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी), जमात-उद-दावा (जेयूडी), फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन (एफआईएफ), पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल), अल-कायदा और आईएसआईएस जैसे संगठनों से जुड़े बताए गए हैं। भारतीय आतंकवादियों में फिरदौस अहमद भट, हारून रशीद गनई, बिलाल अहमद मीर, आबिद कयूम लोन, नजीर अहमद गुज्जर और ओवैस फारूख शामिल हैं। इनमें फिरदौस अहमद भट, हारून रशीद गनई, आबिद कयूम लोन, नजीर अहमद गुज्जर और ओवैस फारूख लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हैं, जबकि बिलाल अहमद मीर लश्कर-ए-तैयबा के साथ-साथ द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) से भी संबद्ध है। मंत्रालय के अनुसार ये सभी भारतीय नागरिक वर्तमान में पाकिस्तान या पीओके से आतंकवादी गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि इन आतंकवादियों को सूचीबद्ध करने का उद्देश्य उनके आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करना, वित्तीय स्रोतों पर रोक लगाना, भर्ती और आवाजाही की क्षमता को समाप्त करना तथा आतंकवाद के विरुद्ध भारत की कानूनी और सुरक्षा कार्रवाई को और प्रभावी बनाना है।

झारखंड में तीन दिन भारी बारिश के आसार, येलो अलर्ट जारी

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय होने जा रहा है। मौसम विभाग ने राज्य के विभिन्न जिलों में 05 से 07 जुलाई तक भारी बारिश की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग ने 08 जुलाई तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश के साथ वज्रपात (आकाशीय बिजली) की आशंका व्यक्त की है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। मौसम विभाग के अनुसार, 05 जुलाई को राज्य के दक्षिण-पश्चिमी हिस्सों के गुमला, सिमडेगा, खूंटी और पश्चिमी सिंहभूम जिलों में कहीं-कहीं भारी वर्षा हो सकती है। वहीं 06 जुलाई को सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, लातेहार, गढ़वा और पलामू जिलों में भारी बारिश की संभावना है। इसी प्रकार 07 जुलाई को दक्षिण-पश्चिमी एवं इससे सटे मध्यवर्ती जिलों पश्चिमी सिंहभूम, गुमला, सिमडेगा, खूंटी, लोहरदगा तथा रांची जिले के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होने का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग ने इन क्षेत्रों में जलभराव, तेज बहाव और आकाशीय बिजली की घटनाओं को देखते हुए लोगों को आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है।

झारखंड प्रदेश इंटक के महाधिवेशन में प्रदीप बालमुचू फिर निर्वाचित हुए अध्यक्ष

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश भारतीय राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस (इंटक) की कार्यकारिणी बैठक और महाधिवेशन शनिवार को रांची में संपन्न हुआ। बैठक में झारखंड के विभिन्न जिलों के प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। बैठक के मुख्य अतिथि इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन इंटक के राष्ट्रीय महासचिव एनजी अरुण ने किया और कार्यक्रम की अध्यक्षता नवनिर्वाचित झारखंड प्रदेश इंटक अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद डॉ प्रदीप कुमार बालमुचू ने की।

कार्यक्रम में मंत्री डॉ इरफान अंसारी, झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, झारखंड विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप, विधायक नमन बिक्सल कोंगाड़ी, विधायक रामचंद्र सिंह सहित झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

बैठक में इंटक के सभी नेताओं और प्रतिनिधियों ने इंटक के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद चंद्रशेखर दुबे (ददई दुबे) के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही चतरा जिला इंटक के अध्यक्ष साबिर हुसैन के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने चंद्रशेखर दुबे के संघर्षपूर्ण जीवन और मजदूर हितों के लिए उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए इंटक मजदूरों के अधिकारों की लड़ाई को और अधिक मजबूत और धारदार बनाएगा।

महाधिवेशन में झारखंड के सभी जिलों से इंटक प्रतिनिधियों के साथ-साथ सीसीएल, बीसीसीएल, ईसीएल, सेल, लोहरदगा बॉक्साइट माइंस, चिड़िया माइंस (चाईबासा), नोवामुंडी माइंस (चाईबासा) सहित विभिन्न औद्योगिक और खनन क्षेत्रों के श्रमिकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों ने मजदूरों की ज्वलंत समस्याओं, श्रमिक अधिकारों और केंद्र सरकार की ओर से लागू किए गए चार नए श्रम संहिताओं (लेबर कोड) पर विस्तार से चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि यदि इन श्रम कानूनों को वर्तमान स्वरूप में लागू किया गया तो इससे देश के करोड़ों मजदूरों के अधिकार कमजोर होंगे। सभी प्रतिनिधियों ने श्रमिक हितों की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष को तेज करने का संकल्प लिया।

बैठक के दौरान इंटक के राष्ट्रीय महासचिव एनजी अरुण ने संगठन को मजबूत बनाने, सदस्यता अभियान, श्रमिक आंदोलन और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। महाधिवेशन में संगठनात्मक और श्रमिक हितों से जुड़े 08 प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए।

महाधिवेशन में डॉ प्रदीप कुमार बालमुचू को उपस्थित प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से पुनः झारखंड प्रदेश इंटक का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। उनके पुनर्निर्वाचन पर उपस्थित सभी प्रतिनिधियों और अतिथियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ देकर बधाई दी।

डीपीएस रांची ने कक्षा बारहवीं के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया

बिभा संवाददाता

रांची : दिल्ली पब्लिक स्कूल, राँची ने सीबीएसई सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट एक्जामिनेशन (एसएससीई), कक्षा बारहवीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अपने विद्यार्थियों की असाधारण शैक्षणिक उपलब्धियों का सम्मान करने हेतु विवेकानंद सभागार में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संकाय के उन विद्यार्थियों की उल्लेखनीय सफलता का उत्सव मनाया गया, जिन्होंने उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए। साथ ही, विद्यार्थियों की सफलता में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले उनके गौरवान्वित अभिभावकों के अटूट सहयोग, प्रोत्साहन एवं समर्पण का भी सम्मान किया गया। इस प्रतिष्ठित समारोह की शोभा अंजनेयुलु डोड्डे , स्पेशल सेक्रेटरी, डिपार्टमेंट ऑफ रेवेन्यू, रजिस्ट्रेशन एंड लैंड रिफॉर्म्स झारखंड सरकार तथा सुनील भास्कर , आई.जी, जैप, झारखंड ने विशिष्ट अतिथियों के रूप में बढ़ाई। उनकी प्रेरणादायी उपस्थिति ने समारोह की गरिमा एवं महत्त्व को और अधिक बढ़ा दिया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय के गायन दल द्वारा प्रस्तुत मधुर स्वागत गीत से हुआ। इसके उपरान्त औपचारिक स्वागत समारोह आयोजित किया गया, जिसमें विद्यालय की माननीय प्राचार्या डॉ. जया चौहान ने विशिष्ट अतिथियों को सैपलिंग, शॉल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर उनका हार्दिक स्वागत एवं सम्मान किया।

बिरसा ग्राम विकास योजना के तहत किसान प्रशिक्षण संजीव सरदार ने किया उद्घाटन

बिभा संवाददाता

पोटका। पोटका विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सोहदा पंचायत के बालीजुड़ी गांव में आयोजित बिरसा ग्राम विकास योजना सह कृषक पाठशाला के किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक संजीव सरदार ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर आधुनिक कृषि तकनीक, उन्नत खेती, सरकारी योजनाओं तथा कृषि आधारित आजीविका संवर्धन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। इस दौरान विशेषज्ञों ने किसानों को उत्पादन बढ़ाने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने के उपायों से भी अवगत कराया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक संजीव सरदार ने कहा कि किसानों की समृद्धि ही गांव, क्षेत्र और राज्य के विकास की मजबूत नींव है। उन्होंने किसानों से आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने, सरकार की विभिन्न कृषि योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने तथा खेती को लाभकारी और आत्मनिर्भर बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

कार्यक्रम के दौरान विधायक संजीव सरदार ने पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास का संदेश देते हुए पौधारोपण भी किया। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने की अपील करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए आवश्यक है। इस अवसर पर शोहदा ग्राम पंचायत मुखिया बिदेन सरदार, ग्राम प्रधान रामराज मुर्मू, कालिकापुर पंचायत मुखिया बाघराय सोरेन, जिला कृषि पदाधिकारी, झामुमो प्रखण्ड अध्यक्ष सुधीर सोरेन, उपाध्यक्ष हितेश भकत, प्रखण्ड सचिव भुवनेश्वर सरदार, पंचायत अध्यक्ष शिबू सोरेन, पंचायत सचिव अजय हंसदा , कालिकापुर पंचायत समिति सदस्य त्रिलोचन टुडू, एवं सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

गुलमोहर हाई स्कूल के पूर्व छात्र को सीईओ ऑफ द ईयर सम्मान

जमशेदपुर(बिभा): गुलमोहर हाई स्कूल के लिए यह अत्यंत गर्व का विषय है कि वर्ष 1992 बैच के पूर्व छात्र श्री प्रशांत सिन्हा को इकोनॉमिक टाइम्स शार्क अवॉड्र्स 2026 में प्रतिष्ठित सीईओ ऑफ द ईयर सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान 3 जुलाई 2026 को हयात, मुंबई में आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किया गया ।यह सम्मान देश के कॉर्पोरेट जगत के सर्वश्रेष्ठ नेतृत्वकताओं को दिया जाता है। इस वर्ष पुरस्कार विजेताओं का चयन 120 मुख्य कार्यकारी अधिकारियों सी ईओ एस की विशिष्ट जूरी द्वारा किया गया, जो इस उपलब्धि की गरिमा और महत्त्व को और भी बढ़ाता है। प्रशांत सिन्हा की यह उपलब्धि उनके दूरदर्शी नेतृत्व, उत्कृष्ट कार्यकुशलता, नवाचार और निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन का प्रमाण है। गुलमोहर हाई स्कूल के छात्र से देश के अग्रणी कॉर्पोरेट नेतृत्वकताओं में स्थान बनाना वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या, शिक्षकगण, विद्यार्थी तथा समस्त पूर्व छात्र समुदाय ने प्रशांत सिन्हा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाए प्रेषित की।

तुलसी जयंती समारोह के अंतर्गत 'भाषण प्रतियोगिता' सम्पन्न

जमशेदपुर(बिभा)। सिंहभूम जिला हिन्दी साहित्य सम्मेलन/तुलसी भवन द्वारा आयोजित तुलसी जयंती समारोह के अन्तर्गत कक्षा 8 से 12 तक के विद्यालयीन विद्यार्थियों के लिये विषय संप्रेषण (भाषण) प्रतियोगिता सम्पन्न हुआ । जिसमें नगर के 17 विद्यालयों के कुल 54 विद्यार्थियों ने भाग लिया । कार्यक्रम के आरंभ में संस्थान के सह सचिव प्रसन्न वदन मेहता ने उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए पुरे कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी । प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में सर्वश्री डॉ० यमुना तिवारी व्यथित, डॉ० रागिनी भूषण, डॉ० अरुण सज्जन, विजयालक्ष्मी 'वेदुला', नीलिमा पाण्डेय,दिव्येन्दु त्रिपाठी,कैलाश नाथ शर्मा 'गाजीपुरी', रीना सिन्हा, नीता सागर चौधरी एवं राजेन्द्र राज रहे । जबकि आयोजन को सफल बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वालों में संस्थान के उपाध्यक्ष राम नन्दन प्रसाद,साहित्य समिति के सचिव डॉ० अजय कुमार ओझा, ब्रजेन्द्र नाथ मिश्र, सुरेश चन्द्र झा, उपासना सिन्हा, पुनम महानंद, अशोक पाठक स्नेही, बसंत जमशेदपुरी, उदय प्रताप हयात, हरिहर राय चौहान, अजय प्रजापति, प्रणति शरण, बलविन्दर सिंह, हरभजन सिंह रहबर, अनीता निधि, पुनम सिंह, वीणा कुमारी नंदिनी, माधुरी मिश्रा, शुभम पाण्डेय तथा शकुन्तला शर्मा प्रमुख रहे । मौके पर बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के अभिभावक एवं शिक्षक - शिक्षिकाओं की उपस्थिति रही ।

खलारी में अपराध पर सख्ती के संकेत, डीएसपी ने थाना प्रभारियों को दिया कड़ा संदेश

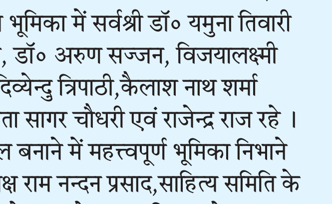

खलारी(बिभा)। अपराध और उग्रवादी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने को लेकर शनिवार को डीएसपी कार्यालय, खलारी में अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई ।बैठक की अध्यक्षता पुलिस उपाधीक्षक खलारी ने की ।इसमें खलारी, मैक्लुस्कीगंज, बुढ़मू, चान्हो, मांडर और ठाकुरगांव के थाना प्रभारी तथा मांडर के पुलिस निरीक्षक शामिल हुए ।बैठक में आर्म्स एक्ट के मामलों में आरोपित अपराधियों के सत्यापन,उग्रवादी कांडों में जमानत पर रिहा उग्रवादियों की गतिविधियों की निगरानी,सक्रिय अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई,सीसीए प्रस्ताव तथा क्षेत्र में चल रही विकास परियोजनाओं की सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई ।इसके अलावा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम,आईटी एक्ट तथा पुराने लंबित कांडों की प्रगति का भी बिंदुवार आकलन किया गया ।डीएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि क्षेत्र में संदिग्ध वाहनों की जांच अभियान को और तेज किया जाए तथा आपराधिक और उग्रवादी गतिविधियों में संलिप्त तत्वों के विरुद्ध सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ।उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और अपराधियों पर लगातार कड़ी निगरानी रखी जाएगी ।बैठक में पुलिस जिला मुख्यालय,रांची से जारी आदेश के आलोक में आगामी 8 जुलाई 2026 को सभी थानों में आयोजित होने वाले जन सुनवाई कार्यक्रम को सफल,पारदर्शी एवं जनहितकारी ढंग से संपन्न कराने का भी निर्देश दिया गया ।साथ ही लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन और आम जनता की शिकायतों के त्वरित समाधान पर विशेष जोर दिया गया।

खलारी के छह थाना क्षेत्रों में चला सघन वाहन जांच अभियान

बिभा संवाददाता

खलारी। अपराध नियंत्रण, विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने के उद्देश्य से शनिवार को खलारी डीएसपी राम नारायण चौधरी के नेतृत्व में डीएसपी क्षेत्र के सभी छह थाना क्षेत्रों में विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया ।दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक एक साथ चले इस अभियान में पुलिस ने संदिग्ध वाहनों और उन पर सवार लोगों की गहन जांच एवं सत्यापन किया ।अभियान के दौरान 120 चार पहिया एवं लगभग 350 दो पहिया वाहनों की जांच की गई। वाहनों के कागजात के साथ-साथ उन पर सवार लोगों की पहचान का भी सत्यापन किया गया। जांच के क्रम में विभिन्न कारणों से करीब दो दर्जन वाहनों को संबंधित थानों में लाया गया है, जहां उनके दस्तावेजों एवं अन्य आवश्यक बिंदुओं का सत्यापन किया जा रहा है ।खलारी डीएसपी राम नारायण चौधरी स्वयं बुढ़मू और खलारी थाना क्षेत्रों में पहुंचे तथा प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों और जवानों के साथ मिलकर वाहन जांच अभियान का नेतृत्व किया ।उन्होंने जांच कार्य का निरीक्षण करते हुए पुलिसकर्मियों को प्रत्येक वाहन की गंभीरता से जांच करने, संदिग्ध व्यक्तियों पर विशेष नजर रखने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए ।डीएसपी राम नारायण चौधरी ने कहा कि अपराधियों की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने,अवैध गतिविधियों की रोकथाम करने और आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत करने के उद्देश्य से यह विशेष अभियान चलाया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आगे भी इसी प्रकार के सघन वाहन जांच अभियान नियमित रूप से जारी रहेंगे।

बेड़ो में एंटी क्राइम वाहन जांच अभियान, वाहनों के दस्तावेजों की हुई सघन जांच

बिभा संवाददाता

बेड़ो: अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण तथा सड़क सुरक्षा को लेकर शनिवार को बेड़ो थाना क्षेत्र के केशा मोड़ के समीप डीएसपी दीपक कुमार के नेतृत्व में एंटी क्राइम वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान में थाना प्रभारी कफिल अहमद सहित पुलिस बल के जवान मौजूद रहे। वाहन जांच अभियान के दौरान दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की सघन जांच की गई। पुलिस ने बाइक चालकों के हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन निबंधन (रजिस्ट्रेशन), बीमा समेत अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की। साथ ही वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षा मानकों का पालन करने के लिए जागरूक किया।

चारपहिया वाहनों की जांच के दौरान सीट बेल्ट के उपयोग, डिक्की तथा अन्य आवश्यक पहलुओं की भी जांच की गई। पुलिस ने वाहन चालकों से हेलमेट पहनकर वाहन चलाने, सभी जरूरी कागजात साथ रखने तथा सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की। डीएसपी दीपक कुमार ने बताया कि वरीय पुलिस पदाधिकारियों के निर्देश पर क्षेत्र में नियमित रूप से एंटी क्राइम वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने तथा सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आगे भी यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

उपायुक्त से मिले विधायक संजीव सरदार, पोटका की समस्या पर हुई चर्चा

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। पोटका विधायक संजीव सरदार ने शनिवार को पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त राजीव रंजन से उनके कार्यालय में मुलाकात कर पोटका विधानसभा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न जनहित एवं विकासात्मक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। विधायक ने क्षेत्र में फैल रहे मलेरिया संक्रमण के रोखताम के लिए उपायुक्त को निर्देश दिए। साथ ही क्षेत्र में विकास योजनाओं में तेजी लाने तथा आम जनता की सुविधाओं को बेहतर बनाने को लेकर आवश्यक सुझाव भी दिए।

भूरीडीह फाटक से नो-एंट्री लागू करने की मांग

बैठक के दौरान विधायक ने हाताझटाटा मुख्य मार्ग पर बड़े वाहनों के लिए वर्तमान में सुंदरनगर से लागू नो-एंट्री व्यवस्था में बदलाव की मांग उठाई। उन्होंने उपायुक्त से आग्रह किया कि बड़े वाहनों की नो-एंट्री सुंदरनगर के बजाय भूरीडीह फाटक से लागू की जाए, ताकि पोटका एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों को यातायात जाम से राहत मिले और आवागमन अधिक सुगम हो सके। इसके अलावा उन्होंने क्षेत्र की अन्य जनसमस्याओं एवं विकास कार्यों पर भी विस्तार से चर्चा की।

बैठक के दौरान विधायक संजीव सरदार ने उपायुक्त से पोटका के मलेरिया प्रभावित गांवों में चल रहे रोकथाम अभियान की भी समीक्षा करने का आग्रह किया। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की टीमों की संख्या बढ़ाने, घर-घर जांच अभियान में तेजी लाने, पर्याप्त मात्रा में मलेरिया जांच किट उपलब्ध कराने, डीडीटी छिड़काव, मच्छरदानी वितरण तथा जनजागरूकता अभियान को और प्रभावी ढंग से चलाने का निर्देश देने का अनुरोध किया। विधायक ने कहा कि बरसात के मौसम में मलेरिया संक्रमण को रोकने के लिए प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग को समन्वित रूप से युद्धस्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है, ताकि बीमारी पर शीघ्र नियंत्रण पाया जा सके। इस बैठक में जिले के उप विकास आयुक्त नागेंद्र पासवान भी मौजूद रहे.

पुरियो नवाटोली में गूंजा जय श्रीराम, हनुमान मंदिर के वार्षिक महोत्सव में उमड़ा जनसैलाब

बिभा संवाददाता

बेड़ो: प्रखंड के पुरियो नवाटोली गांव स्थित श्री 108 हनुमान मंदिर में शनिवार को नवमी वार्षिक कलश यात्रा एवं वेदी पूजन का भव्य आयोजन हुआ। धार्मिक अनुष्ठान में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में भाजपा के युवा नेता सन्नी टोप्पो भी शामिल हुए और श्रद्धालुओं के साथ पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की।

कलश यात्रा की शुरूआत हनुमान मंदिर के प्रांगण से हुई। गाजे-बाजे और ₹जय श्रीराम₹ के जयघोष के बीच पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाएं एवं पुरुष कलश लेकर सेमरा नदी पहुंचे, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलशों में पवित्र जल भरा गया। इसके बाद श्रद्धालु पुनः मंदिर पहुंचे, जहां विधि-विधान से वेदी पूजन एवं घट स्थापना संपन्न हुई। पूरे मार्ग में महावीरी ध्वज और बजरंगबली के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए भाजपा युवा नेता सन्नी टोप्पो ने कहा कि सनातन संस्कृति और धार्मिक परंपराएं समाज को एकजुट रखने का कार्य करती हैं। उन्होंने कहा कि भगवान हनुमान का जीवन सेवा, समर्पण, अनुशासन और साहस का प्रतीक है तथा युवाओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजन केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं होते, बल्कि सामाजिक एकता, भाईचारे और सामूहिक शक्ति के प्रतीक हैं। उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए सभी से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान करते हुए जनता की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का भरोसा दिलाया।

अनुष्ठान के समापन के बाद श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंदिर प्रबंधन समिति, ग्रामीणों एवं स्थानीय प्रबुद्धजनों की सराहनीय भूमिका रही। आयोजन के दौरान सुरक्षा एवं व्यवस्था के भी समुचित इंतजाम किए गए थे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष चरवा उरांव, सचिव भुवनेश्वर गोप, संरक्षक धनंजय गोप सहित सदस्य रेखा देवी, हीरामुनी देवी, सुनीता उराइन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

स्वामी विवेकानंद की मनी पुण्यतिथि, दी गई श्रद्धांजलि

रांची। डोरंडा स्थित स्वामी विवेकानन्द चौक पर शनिवार को विवेकानन्द महोत्सव समिति की ओर से स्वामी विवेकानन्द की 124 वीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन समिति की ओर से किया गया, जिसमें स्वामी विवेकानन्द की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर विवेकानन्द महोत्सव समिति के अध्यक्ष कृष्णा मिश्रा एवं महोत्सव संयोजक नितीश मिश्रा ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द के विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि विकसित और सशक्त भारत के निर्माण में स्वामी विवेकानन्द के आदर्शों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

रथ मेले को लेकर मेला मैदान की साफ-सफाई में जुटे युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव आरिफ रजा

बिभा संवाददाता

इटकी : इटकी की गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी भाईचारे की परंपरा को कायम रखते हुए आगामी 16 जुलाई को आयोजित होने वाले ऐतिहासिक रथ मेले की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी कड़ी में युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव आरिफ रजा ने अपने निजी कोष से मोसी बाड़ी स्थित रथ मेला मैदान की व्यापक साफ-सफाई का कार्य शुरू कराया है। आरिफ रजा ने बताया कि रथ मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं आसपास के क्षेत्रों से लोग पहुंचते हैं। ऐसे में सभी आगंतुकों को स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से उन्होंने अपने निजी संसाधनों से मेला मैदान की साफ-सफाई कराने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि इटकी की पहचान सांप्रदायिक सौहार्द, आपसी भाईचारे और गंगा-जमुनी संस्कृति से रही है। रथ मेला इस साझा विरासत का प्रतीक है, जिसमें सभी समुदायों के लोग बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों से भी मेले की स्वच्छता बनाए रखने एवं शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मेले को सफल बनाने में सहयोग की अपील की। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक और धार्मिक आयोजनों में जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों की ऐसी सहभागिता समाज के लिए प्रेरणादायक है।

15 वर्षों बाद कुंवर सिंह मैदान रोड नंबर-3 के 50 घरों में पहुंचा नल का पानी : सुनील गुप्ता

बिभा संवाददाता

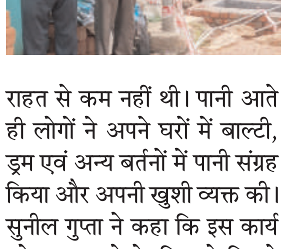

जमशेदपुर। बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी जलापूर्ति योजना के अंतर्गत करीब 15 वर्षों से पेयजल संकट झेल रहे कुंवर सिंह मैदान रोड नंबर-3 के लगभग 50 घरों में आखिरकार नियमित जलापूर्ति शुरू हो गई है। लंबे समय से चली आ रही इस समस्या के समाधान से क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है।

पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने बताया कि डीएमएफटी मद से लगभग चार लाख रुपये की लागत से पाइपलाइन का इंटर कनेक्शन निर्माण कार्य पूरा होने के बाद जलापूर्ति बहाल हो सकी। उन्होंने बताया कि सुबह बेला की सप्लाई शुरू होते ही सभी घरों में पर्याप्त दबाव के साथ पानी पहुंचा। वर्षों से पानी की समस्या झेल रहे लोगों के लिए यह किसी बड़ी राहत से कम नहीं थी। पानी आते ही लोगों ने अपने घरों में बाल्टी, ड्रम एवं अन्य बर्तनों में पानी संग्रह किया और अपनी खुशी व्यक्त की। सुनील गुप्ता ने कहा कि इस कार्य को पूरा कराने के लिए वे पिछले कई वर्षों से लगातार प्रयासरत थे। उन्होंने इस संबंध में पोटका विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजीव सरदार, जिला उपायुक्त, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता, कनीय अभियंता तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी से कई बार मुलाकात कर मांग पत्र सौंपे।

डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट की तैयारियों को लेकर उपायुक्त ने फुटबॉल स्टेडियम का किया निरीक्षण

सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ एक टीम की तरह कार्य करें : मंजूनाथ भजंत्री

बिभा संवाददाता

रांची : डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट-2026 के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन की तैयारियों को लेकर शनिवार को मोरहाबादी स्थित फुटबॉल स्टेडियम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने टूर्नामेंट से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं हेतु की जानेवाली तैयारियों के संबंध में संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उपविकास आयुक्त, रांची संजय भगत, पुलिस अधीक्षक (यातायात), अनुमंडल पदाधिकारी सदर, अपर जिला दण्डाधिकारी (विधि व्यवस्था), उप निदेशक, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, जिला नजारत उपसमाहर्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी, मेजर आनंद प्रकाश, विद्युत विभाग, सिविल सर्जन कार्यालय सहित अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

निरीक्षण के क्रम में जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने स्टेडियम परिसर, दर्शक दीर्घा, प्रवेश एवं निकास द्वार, वीआईपी एवं खिलाड़ियों की आवाजाही की व्यवस्था, नियंत्रण कक्ष, पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिया कि खिलाड़ियों, दर्शकों एवं अधिकारियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं।

जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि डूरंड कप देश का प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट है और रांची के लिए इसकी मेजबानी गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि आयोजन को सफल, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ एक टीम की तरह कार्य करें, ताकि खिलाड़ियों, अधिकारियों एवं दर्शकों को बेहतर अनुभव प्राप्त हो तथा रांची एक उत्कृष्ट मेजबान के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर सके।

जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री द्वारा स्पष्ट निर्देश दिया गया कि टूर्नामेंट के दौरान विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। इसके लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति, संवेदनशील स्थलों की पहचान, सीसीटीवी निगरानी, प्रवेश बिंदुओं पर प्रभावी जांच व्यवस्था तथा त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली सुनिश्चित की जाए। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर विशेष बल दिया गया।

यातायात व्यवस्था की समीक्षा करते हुए जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने स्टेडियम एवं आसपास के क्षेत्रों में वाहनों के सुचारु परिचालन के लिए विस्तृत ट्रैफिक प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने संभावित यातायात दबाव को देखते हुए आवश्यकतानुसार डायवर्जन प्लान, साइन ऐज, पार्किंग प्रबंधन तथा यातायात कर्मियों की पर्याप्त प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्टेडियम के आसपास चिन्हित किए जा रहे पार्किंग स्थलों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिया कि पार्किंग स्थलों का व्यवस्थित तरीके से निर्धारण किया जाए।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने भरा इन्यूमरेशन फॉर्म

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के तहत अपना इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर एवं हस्ताक्षर कर 64-हटिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत अपने मतदान केंद्र संख्या 374 कि बीएलओ श्रीमती अन्नु कच्छप को जमा किया। श्री के. रवि कुमार ने राज्य के प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिकों से आग्रह किया है कि बीएलओ जब आपके घर आयें तो यथाझ्रसंभव हाथों हाथ अपना तथा अपने परिवार का इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर/भवरवाकर एवं हस्ताक्षर कर/ कराकर अपने बीएलओ को अवश्य जमा करें। बीएलओ द्वारा सीमित समय में पूरे मतदान केंद्र क्षेत्र के सभी घरों तक जाकर सेवा प्रदान करना है।

उन्होंने सभी कर्मचारियों एवं पदाधिकारियों से भी आग्रह किया है कि वे अपने सुविधानुसार जल्द से जल्द अपने बीएलओ से संपर्क करते हुए अपना तथा अपने परिजनों का इन्यूमरेशन फॉर्म भरवाना सुनिश्चित करें एवं भारत निर्वाचन आयोग के लक्ष्य ₹एक भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से छूटेगा नहीं एवं एक भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में जुड़ेगा नहीं₹ को प्राप्त करने में अपनी महती भूमिका का निर्वहन करें।

इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के आवास पर 64 हटिया विधानसभा क्षेत्र के एईआरओ श्री सुदीप्त राज, बीएलओ सुपरवाईजर एवं कंप्यूटर ऑपरेटर भी उपस्थित थे ।

संक्षिप्त खबरें

डीएवी कपिलदेव पब्लिक स्कूल में वन महोत्सव एवं हवन का आयोजन

रांची(बिभा)। डीएवी कपिलदेव पब्लिक स्कूल, कडरू में वन महोत्सव के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति संवर्धन के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन द्वारा किया गया, जिसमें विद्यालय परिवार एवं अतिथियों ने भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण और मानव कल्याण की कामना की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रांची वन प्रमंडल के स्पेशल ड्यूटी ऑफिसर श्री जी. एन. यादव थे। इस अवसर पर विद्यालय की स्थानीय प्रबंधन समिति के सदस्य, प्राचार्य डॉ. एस. के. शर्मा, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि जी. एन. यादव ने वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। इसके उपरांत अतिथियों एवं विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. के. शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि वन महोत्सव प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है।

प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से की मुलाकात

रांची(बिभा) : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से शिष्टाचार मुलाकात की। इस संबंध में श्री साहू ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष से आत्मीय भेंट कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस दौरान झारखंड से जुड़े सांगठनिक विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। साथ ही राज्य की वर्तमान हालात पर भी चर्चा हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संगठन की मजबूती एवं विस्तार को लेकर कई आवश्यक निर्देश भी दिए।

एयरपोर्ट विस्थापित मोर्चा का घेराव और प्रदर्शन सात को

रांची(बिभा)। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट विस्थापित मोर्चा ने मूल रैयतों की भूमि से जुड़े मुद्दों को लेकर सात जुलाई 2026 को जिला भू-अर्जन कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय घेराव-प्रदर्शन की घोषणा की है। इसकी जानकारी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अजीत उरांव ने शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी। अजीत उरांव ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मोर्चा का आरोप है कि मूल रैयतों की कुछ जमीन का विधिवत अधिग्रहण किए बिना सेना की ओर से कब्जा कर लिया गया है। इस संबंध में ग्रामीण लंबे समय से संबंधित दस्तावेजों और जानकारी की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक स्पष्ट जवाब नहीं मिलने से उनमें आक्रोश है। इसी के विरोध में घेराव-प्रदर्शन का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन के दिन सभी ग्रामीण और रैयत पहले जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम के समीप एकत्र होंगे। वहां से प्रदर्शनकारी पैदल मार्च करते हुए जिला भू-अर्जन कार्यालय पहुंचेंगे और अपनी मांगों के समर्थन में शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे। मोर्चा ने कहा कि प्रशासन से भूमि अधिग्रहण से जुड़े सभी तथ्यों को सार्वजनिक करने और रैयतों की समस्याओं का जल्द समाधान करने की मांग की जाएगी। मोर्चा ने अधिक से अधिक प्रभावित ग्रामीणों और रैयतों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

यात्रियों से लूटपाट करने वाले गिरोह के तीन आरोपित पकड़ाये

बिभा संवाददता

रांची। राजधानी रांची में यात्रियों को निशाना बनाकर लूटपाट करने वाले गिरोह का धुर्वा पुलिस ने त्वरित खुलासा किया है। इस कार्रवाई में कुल तीन लोगों को पकड़ा गया है, जिसमें एक नाबालिग भी शामिल है। सिटी एसपी पारस राणा ने शनिवार को बताया कि हटिया स्टेशन से ई-रिक्शा बुक करके रांची रेलवे स्टेशन जा रहे एक यात्री से लूटपाट करने के मामले में पुलिस ने महज कुछ ही मिनटों के भीतर कार्रवाई करते हुए तीन आरोपितों को पकड़ने में सफलता हासिल की है। पकड़े गये आरोपितों में दो युवक और एक नाबालिग शामिल है। पुलिस ने लूट में इस्तेमाल ई-रिक्शा, लूटा गया बैग, पांच हजार रुपये नकद और एक प्रिंटर भी बरामद किया है।

बेंगलुरु से रांची पहुंचे यात्री ने हटिया रेलवे स्टेशन से रांची रेलवे स्टेशन जाने के लिए एक ई-रिक्शा बुक किया। लेकिन रास्ते में चालक और उसके साथियों ने धुर्वा थाना क्षेत्र में यात्री को अपने कब्जे में लेकर उससे लूटपाट की। इस घटना की सूचना मिलते ही धुर्वा थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम सक्रिय हुई और कुछ ही मिनटों के भीतर पूरे मामले का खुलासा करते हुए तीनों आरोपितों को दबोच लिया।

पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार आरोपितों की पहचान धीरज कुमार सिंह और मेजर यादव के रूप में हुई है, जबकि उनके साथ घटना में एक नाबालिग भी शामिल था, जिसे निरुद्ध किया गया। आरोपितों की निशानदेही पर पुलिस ने लूट में इस्तेमाल ई-रिक्शा, यात्री का बैग, पांच हजार रुपये नकद और एक प्रिंटर बरामद किया है।

पुलिस की जांच में यह भी सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपितों का पहले से आपराधिक इतिहास रहा है और ये लोग पूर्व में भी यात्रियों को निशाना बनाकर लूटपाट की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। पुलिस अब इनके आपराधिक रिकॉर्ड और अन्य मामलों में संलिप्तता की भी जांच कर रही है।

एसआईआर के तहत निर्धारित समय-सीमा के भीतर लक्ष्य पूरा करें : भजंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 के तहत एन्यूमरेशन फॉर्म के वितरण, संग्रहण और डिजिटाइजेशन कार्य की समीक्षा को लेकर शनिवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय में बैठक हुई।

इस अवसर पर उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि एन्यूमरेशन फॉर्म के वितरण, संग्रहण और डिजिटाइजेशन कार्य में तेजी लाएं। एसआईआर का कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर लक्ष्य पूरा करें। सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में नियमित निगरानी करें। इसके साथ ही कार्य की दैनिक समीक्षा सुनिश्चित करें।

उन्होंने सभी बीएलओ को प्रतिदिन सुबह छह बजे से घर-घर जाकर फॉर्म का वितरण और संग्रहण करने का निर्देश दिया, ताकि अधिक से अधिक मतदाता घर पर मिल सकें। साथ ही दिन के दूसरे हिस्से में संग्रहित प्रपत्रों का समयबद्ध डिजिटाइजेशन सुनिश्चित करने को कहा।

समीक्षा के दौरान धीमी प्रगति पर उपायुक्त ने नाराजगी जताई। उन्होंने कई ईआरओ, एईआरओ और बीएलओ के कार्य पर असंतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण जैसे महत्वपूर्ण निर्वाचन कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी पूरी प्रतिबद्धता के साथ गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करें। बैठक में सभी ईआरओ, एईआरओ, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, सभी सीडीपीओ और सुपरवाइजर मौजूद थे।

राज्यपाल ने श्री हनुमान मंदिर में की पूजा-अर्चना, श्री राम वाटिका सामुदायिक हॉल का किया उद्घाटन

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शनिवार को रांची के महात्मा गांधी मार्ग स्थित श्री हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने राज्य के सभी नागरिकों के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की। पूजा-अर्चना के बाद राज्यपाल ने मंदिर परिसर में नवनिर्मित वातानुकूलित सामुदायिक हॉल ह्यश्री राम वाटिकाह्न का उद्घाटन भी किया।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि मंदिर केवल पूजा-अर्चना के स्थान नहीं हैं, बल्कि आध्यात्मिक चेतना, सेवा-भाव, सामाजिक समरसता और भारतीय संस्कारों के संवर्धन के महत्वपूर्ण केंद्र भी हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि ह्यश्री राम वाटिकाह्न धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों के साथ-साथ जनसेवा के विविध कार्यों का एक प्रेरणादायी केंद्र बनेगी।

राज्यपाल ने कहा कि महात्मा गांधी मार्ग स्थित श्री हनुमान मंदिर वर्षों से जन-आस्था, सेवा और सामाजिक समरसता का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां धार्मिक आयोजनों के अलावा समाजहित के अनेक कार्य लगातार संचालित होते रहे हैं। राज्यपाल ने इस जनोपयोगी सामुदायिक हॉल के निर्माण के लिए श्री हनुमान मंदिर समिति, पंजाबी हिंदू बिरादरी तथा सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान श्रीराम और प्रभु हनुमान का जीवन सेवा, समर्पण, विनम्रता और कर्तव्यनिष्ठा का आदर्श प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि शक्ति तभी सार्थक है, जब उसमें विनम्रता हो, ज्ञान तभी श्रेष्ठ है, जब उसमें सेवा का भाव हो और जीवन तभी सफल माना जाता है, जब वह लोकमंगल के लिए समर्पित हो।

राज्यपाल ने गोस्वामी तुलसीदास की प्रसिद्ध पंक्तियों ह्लपरहित सरिस धरम नहि भाई, पर पीड़ा सम नहि अधमाईह्न का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में परोपकार और सेवा को सर्वोच्च धर्म का स्थान दिया गया है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को इन आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश अपनी सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। ऐसे धार्मिक और सामाजिक केंद्र समाज में सेवा, सहयोग, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

एनसीएसटी सदस्य आशा लकड़ा कल करेंगी 14 मामलों की सुनवाई

रांची : राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) की सदस्य डॉ आशा लकड़ा सोमवार को सर्कुलर रोड स्थित न्यू सर्किट हाउस में जामताड़ा, हजारीबाग और रांची जिले से संबंधित कुल 14 मामलों की सुनवाई करेंगी। इस दौरान खासकर रांची जिले के कांके प्रखंड स्थित नगड़ी में होने वाले रिम्स-2 के निर्माण को लेकर की गई शिकायत की भी सुनवाई की जाएगी। शिकायतकर्ता की ओर से आयोग के समक्ष शिकायत की गई थी कि उपजाऊ भूमि पर राज्य सरकार की ओर से रिम्स-2 का निर्माण कराने की योजना तैयार की गई है। शिकायतकर्ता ने इस मामले की जांच कर ग्रामीणों के हितों की रक्षा करने और भूमि अधिग्रहण पर रोक लगाने की मांग की थी। इसके अलावा टाटीसिलवे में आदिवासी जमीन पर दखल दिलाने, रांची शहरी क्षेत्र में आदिवासी खतियान, बकाश्त, भुइहरी व मुंडारी भूमि को गैर आदिवासियों के नाम पर हस्तांतरण या बंदोबस्ती किए जाने, बेड़ो थाना क्षेत्र में सरना पूजा भूमि को दलालों, अंचल कार्यालय के कर्मचारियों व ग्रामीण रजिस्ट्रार की मिलीभगत से बिक्री किए जाने, नामकुम में अनुसूचित जनजाति लोहरा की खतियान भूमि की अवैध बिक्री किए जाने, ओरमांझी में पुश्तैनी खतियान जमीन पर अवैध रूप से कब्जा किए जाने से संबंधित मामले की सुनवाई होगी। इसके अलावा पलामू में अंगनबाड़ी केंद्र-3 का नाम हटाकर आंगनबाड़ी केंद्र-2 में जोड़ने, गढ़वा में आदिवासी खतियान जमीन पर गैर आदिवासियों का कब्जा, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग से सेवानिवृत्त लिपिक के बकाया, वेतन आदि का भुगतान नहीं किए जाने, जामताड़ा जिले में 1932 के खतियान में पुरातन पतित के रूप में दर्ज भूमि पर गैर कानूनी ढंग से कब्जा किए जाने, आंगनबाड़ी भवन का निर्माण कार्य लंबित होने और विभिन्न जनजातीय गांवों में व्याप्त सामाजिक और मूलभूत सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे ग्रामीणों की समस्या और हजारीबाग में विभिन्न खातों व प्लॉटों की भूमि कर्णपुरा माइनिंग सिंडिकेट, ठउउ्र, उउछ और आउटसोर्सिंग कंपनियों की ओर से अधिगृहित किए जाने के बाद भी रैयतों को मुआवजा व रोजगार नहीं दिए जाने से संबंधित मामलों की सुनवाई होगी।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : ईएल-33-26, दिनांक 01.07.2026, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य), पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा ख्यातिप्राप्त निविदाकारों जिनके पास वैध विद्युत ठेकेदार का लाइसेंस है एवं निम्नलिखित कार्य को पूरा करने में वित्तीय रूप से सक्षम हैं, से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम एवं इसका स्थान:** आसनसोल मंडल: आसनसोल में सभी कोचिंग कॉम्प्लेक्स में मौजूदा कैट लाइट, पिट लाइट, स्ट्रीट लाइट के उन्नयन, विकास एवं प्रतिस्थापन के प्रावधान के साथ अन्य सहायक कार्य एवं कोचिंग कॉम्प्लेक्स, मधुपुर में शंटिंग नेट की आलोक व्यवस्था। **निविदा मूल्य:** रु. 2,71,58,038.39, **बयाना राशि:** रु. 5,43,200/-, **निविदा कागजात का मूल्य:** शून्य। **कार्य की समापन अवधि:** 12 माह। **बंद होने एवं खुलने की तिथि और समय:** दिनांक 24.07.2026 को 11.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।

ASN-162/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

उषा मार्टिन फाउंडेशन की पहल: सामुदायिक भवन का जीर्णोद्धार, वाचनालय सह पुस्तकालय का शुभारंभ

ग्रामीण को आत्मनिर्भर बनाना सबसे बड़ी सेवा: प्रदीप वर्मा

बिभा संवाददाता

रांची। उषा मार्टिन फाउंडेशन की पहल पर नामकुम प्रखंड के आरा गांव स्थित खंडहर सामुदायिक भवन का जीर्णोद्धार एवं रंग-रोगन कर उसे नया स्वरूप दिया गया। भवन का उद्घाटन राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा ने फीता काटकर किया। इसी अवसर पर भवन में स्थापित वाचनालय सह पुस्तकालय का भी शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में आरा पंचायत की मुखिया नीता कच्छप उपस्थित थीं।

अपने संबोधन में राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा ने कहा कि ₹किसी का एक बार पेट भर देना बड़ी बात नहीं है, बल्कि किसी को इतना सक्षम बना देना कि उसका पूरा जीवन संवर जाए, यही सबसे बड़ा कार्य है। उषा मार्टिन फाउंडेशन शिक्षा, कौशल और सामुदायिक विकास के माध्यम से यही कार्य कर रहा है।₹ उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे ग्रामीण बच्चों और युवाओं को आगे बढ़ने का बेहतर अवसर मिलेगा। मुखिया नीता कच्छप ने कहा कि सामुदायिक भवन का जीर्णोद्धार एवं पुस्तकालय की स्थापना गांव के लिए एक बड़ी सौगात है। इससे बच्चों और युवाओं को अध्ययन का बेहतर वातावरण मिलेगा तथा भवन सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा।

उषा मार्टिन फाउंडेशन के हेड डॉ. मयंक मुरारी ने कहा कि फाउंडेशन ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, कौशल विकास और आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। सामुदायिक भवनों को पुनर्जीवित कर उन्हें ज्ञान, प्रशिक्षण और सामाजिक सहभागिता के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे गांवों के समग्र विकास को नई दिशा मिल रही है। इस अवसर पर आरा के युवाओं को खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए फुटबॉल एवं स्किपिंग रोप प्रदान किए गए। वहीं पुस्तकालय के लिए पुस्तकें, अलमारी, टेबल, कुर्सियां एवं दरी उपलब्ध कराई गई।

उषा मार्टिन फाउंडेशन ने पांच सामुदायिक भवनों को दिया नया जीवन

उषा मार्टिन फाउंडेशन ने पिछले कुछ वर्षों में आरा, बरकुंबा, महिलौंग सराईटोली, मासु एवं हेसलजारा गांवों के जर्जर सामुदायिक भवनों का जीर्णोद्धार कर उन्हें वाचनालय सह पुस्तकालय के रूप में विकसित किया है। इन केंद्रों में पुस्तकें, अलमारी, टेबल, कुर्सियां, दरी, व्हाइट बोर्ड, पंखे, बल्ब तथा सोलर स्ट्रीट लाइट जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इन पहलों का उद्देश्य ग्रामीण बच्चों, युवाओं और महिलाओं के लिए शिक्षा, सामुदायिक गतिविधियों एवं कौशल विकास का स्थायी केंद्र विकसित करना है।

होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र
टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च

भारतीय गणित ओलंपियाड पात्रता परीक्षा
(IOQM) 2026-27

भारतीय राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड (INMO) 2027 में भाग लेने के इच्छुक छात्रों के लिए, राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड पात्रता परीक्षा (IOQM) में शामिल होना अनिवार्य है।
यह परीक्षा 6 सितंबर, 2026 को आयोजित की जाएगी।
IOQM में सफल होने वाले छात्र INMO 2027 में भाग लेने के पात्र होंगे।
यह अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड (IMO) 2027 और यूरोपीय गर्ल्स गणित ओलंपियाड (EGMO) 2028 में भारतीय टीम के आधिकारिक सदस्य के रूप में भागीदारी की दिशा में पहला चरण है।

अधिक जानकारी और पंजीकरण लिंक:
https://olympiads.hbcse.tifr.res.in एवं https://www.mtai.org.in/

पंजीकरण संबंधित परीक्षा केंद्रों पर सीधे किया जा सकता है
इसके अलावा, ऑनलाइन पंजीकरण भी 29 जून 2026 से शुरू होगा
ऑनलाइन पंजीकरण के लिए वेबसाइट: https://ioqm.mtai.org.in/

CBC 48143/11/0004/2627

पंजीकरण की अंतिम तिथि: 25 जुलाई 2026

चिन्मय अमृत यात्रा : युवाओं और विद्यार्थियों को आत्मविकास, अनुशासन व सकारात्मक सोच का संदेश

विद्यार्थियों के लिए भारतीय संस्कृति का ज्ञान जरूरी : शैलेन्द्र

बिभा संवाददाता

बोकारो। चिन्मय विद्यालय बोकारो पहुंचे चिन्मय अमृत यात्रा वाहिनी के दूसरे दिन युवाओं और विद्यार्थियों को आत्मविकास, अनुशासन और सकारात्मक सोच का संदेश दिया गया। शहर के कई स्कूलों में चिन्मय अमृत वाहिनी पहुंची और विद्यार्थियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया। इस दौरान चिन्मय अमृत यात्रा में शामिल ब्रह्मचारी सुधीर चैतन्य और तारिणी चैतन्य मुख्य भूमिका में रहे। चिन्मय युवा केंद्र के युवा वीरों ने चिन्मय विद्यालय बोकारो के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को भी प्रोत्साहित किया और उन्हें गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के आदर्शों के साथ प्रेरित किया। इस दौरान स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती, अध्यक्ष श्री बिस्वरूप मुखोपाध्याय, प्राचार्य श्री सूरज शर्मा, वरीय उप प्राचार्य श्री नरमेंद्र कुमार एवं उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा उपस्थित रहे।

चिन्मय विद्यालय बोकारो में विद्यार्थियों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए चिन्मय अमृत यात्रा के युवा वीरों ने गुरुदेव की महिमा के बारे में बताया। इसके बाद उनके जीवन से सीख लेने योग्य आदर्शों पर प्रकाश डाला। साथ ही, उन्होंने चिन्मय अमृत यात्रा से जुड़ने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि चिन्मय के यूथ इंपावरमेंट प्रोग्राम से जुड़ने के बाद उनके जीवन में कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिले हैं। उन्होंने कहा कि समाज के प्रति सेवा करने का सही तरीका चिन्मय मिशन सीखा देता है।

चिन्मय अमृत यात्रा के तहत अमृत वाहिनी डीएवी पब्लिक स्कूल - सेक्टर 06, श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल, बोकारो सिटी कॉलेज एवं सरस्वती शिशु विद्या मंदिर-सेक्टर 03 के विद्यार्थियों से संवाद करने पहुंची। यहां युवा वीरों ने विद्यार्थियों के विभिन्न सवालों का जवाब दिया। ब्रह्मचारी सुधीर चैतन्य और तारिणी चैतन्य ने श्रीमद्भगवद्गीता के संदेशों को सरल भाषा में समझाते हुए बताया कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए आत्मविश्वास, सही सोच और निरंतर प्रयास जरूरी हैं। इस दौरान स्कूली स्टूडेंट्स उत्साहित नजर आए। शाम के समय चिन्मय विद्यालय बोकारो के ऑडिटोरियम में आयोजित भजन, कथक नृत्य, गणपति वंदना एवं चिन्मय मिशन के 75 वर्षों की यात्रा पर आधारित वृत्तचित्र का प्रदर्शन हुआ। स्वामी चिन्मयानंद के वीडियो संदेश के माध्यम से उनके विचारों को अभिभावकों एवं विद्यार्थियों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। इस खास आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि छोटानागपुर आईजी श्री शैलेंद्र कुमार सिंह उपस्थित रहें। विशिष्ट अतिथि के रूप में ईडी एचआर श्रीमती राजश्री बनर्जी मौजूद रहीं। साथ ही, विभिन्न विद्यालयों के निदेशक, प्राचार्य एवं सचिव उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने अभिभावकों एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि किताबी ज्ञान के साथ - साथ व्यावहारिक एवं सामाजिक ज्ञान का भी बहुत महत्व है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि अपनी भारतीय संस्कृति के बारे में सभी को जानकारी होनी चाहिए और इसपर हमें गर्व करना चाहिए।

गोह रेस्क्यू: बोकारो वन विभाग ने मॉनिटर लिजर्ड को प्राकृतिक आवास में छोड़ा

बिभा संवाददाता

बोकारो । बोकारो के चिरा चास में वन विभाग की टीम ने एक गोह (मोनिटर लिजार्ड) का सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर उसे सुरक्षित रूप से प्राकृतिक आवास में छोड़ा। निरीक्षण के बाद गायब या घायल स्थिति न पाई जाने पर टीम ने इसे उसी क्षेत्र के नजदीकी जंगल में छोड़ दिया, जहाँ वह अपने प्राकृतिक व्यवहार के अनुरूप जीवन यापन कर सकेगा।

वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि गोह एक संरक्षित वन्यजीव है और इसके साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार गंभीर अपराध है। उन्होंने कहा कि वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 9 के तहत गोह का शिकार, पकड़ना, घायल करना, पालना, खरीदना-बेचना या इसके अंगों का व्यापार करना प्रतिबंधित है। ऐसे उल्लंघन करने वालों के खिलाफ धारा 51 के तहत जेल और जुर्माने का प्रावधान है। अधिकारी ने लोगों से यह भी अपील की कि गोह सामान्यतः आक्रमक नहीं होती और मानव पर हमला करने की प्रवृत्ति नहीं रखती। यह खेतों में चूहे, कीट और अन्य छोटे जीव खाकर फसलों व पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने में मददगार होती है। अतः इसे देख कर डरने या पकड़ने का प्रयास न करें। वन विभाग ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि यदि किसी क्षेत्र में गोह या अन्य किसी वन्यजीव को देखा जाए तो तुरंत स्थानीय वन विभाग या वन्यजीव बचाव दल को सूचित करें। प्रशिक्षित कर्मचारी सुरक्षित तरीके से घटना स्थल पर पहुंच कर आवश्यक रेस्क्यू कर वन्यजीव को उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ देंगे और किसी भी तरह के खतरे से उसे बचाएंगे। वन विभाग ने यह भी कहा कि स्थानीय समुदाय की सहायता से ही वन्यजीव संरक्षण में सफलता मिलती है और किसी भी तरह की अवैध गतिविधि पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

नूतनडीह जंगल में पेड़ से लटका मिला 17 वर्षीय युवक

बिभा संवाददाता

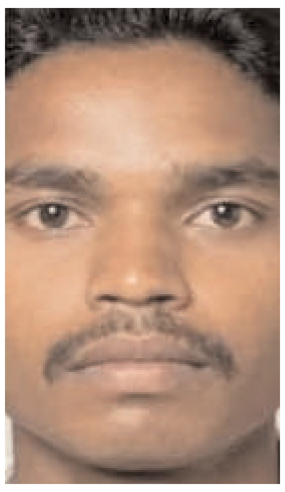

बोकारो। चास मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के कुम्हरी बस्ती निवासी एक 17 वर्षीय युवक का शव महुदा थाना क्षेत्र के नूतनडीह जंगल में पेड़ से लटका मिला है। मृतक की पहचान स्वर्गीय सुखदेव सिंह के पुत्र ध्रुप सिंह के रूप में हुई है। शनिवार सुबह लोहापट्टी-सिंदरी हीरक मार्ग पर नूतनडीह बस्ती के समीप झाड़ियों में पेड़ से लटके शव को खेत की ओर जा रही महिलाओं ने देखा। उन्होंने तत्काल इसकी जानकारी ग्रामीणों को दी। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। घटना की जानकारी मिलते ही महुदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर भेजा पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों के अनुसार, ध्रुप सिंह शुक्रवार करीब 11 बजे घर से निकला था। इसके कुछ देर बाद ही उसका मोबाइल फोन बंद हो गया। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। मृतक के बड़े भाई विशाल सिंह ने बताया कि ध्रुप ने दो दिन पहले फोन पर किसी व्यक्ति द्वारा धमकी दिए जाने की बात बताई थी। इसी आधार पर परिजनों ने साइबर अपराध या ऑनलाइन धमकी से जुड़े एंगल की आशंका जताई है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। महुदा थाना प्रभारी पवन चंद्र पाठक ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है।

संक्षिप्त खबरें

रोटरी जिला 3250 में नया दायित्व: पूजा बैद बनीं जोन-7 की सहायक मंडल अध्यक्ष

बोकारो(बिभा) : रोटरी इंटरनेशनल के रोटरी जिला 3250 ने रोटरी क्लब चास की सक्रिय सदस्य पूजा बैद को जोन-7 का सहायक मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति से बोकारो के रोटेरियन समुदाय में खुशी और उत्साह का माहौल बन गया है। पूजा बैद रोटरी के विभिन्न सेवा कार्यों और सामुदायिक गतिविधियों में लंबे समय से सक्रिय रही हैं। जिला नेतृत्व ने उनके संगठनात्मक कौशल, नेतृत्व क्षमता और सेवा भावना को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। रोटरी क्लब चास, बोकारो रोटरी क्लब और रोटरी मिड टाउन कपल क्लब के सदस्यों ने नियुक्ति पर खुशी व्यक्त की और उन्हें बधाई दी। रोटरी क्लब चास के पदाधिकारियों व सदस्यों ने कहा कि पूजा के नेतृत्व में क्लबों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा तथा रोटरी की सेवा परियोजनाओं को नई दिशा मिलेगी। क्लब के वरिष्ठ सदस्यों ने उनकी अनुभव और समर्पण पर भरोसा जताते हुए कहा कि वे इस जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निभाएँगी। नवनियुक्त सहायक मंडल अध्यक्ष पूजा बैद ने जिला नेतृत्व और क्लब के सदस्यों को धन्यवाद देते हुए कहा कि वे रोटरी के आदर्शों और सेवा कार्यों को पूरी निष्ठा व समर्पण से आगे बढ़ाएंगी। इस अवसर पर रोटरी क्लब चास के सदस्यों ने उन्हें शुभकामनाएँ दीं और उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

जीजीपीएसमें सीबीएसई की दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का शुभारंभ

बोकारो(बिभा)। गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल, सेक्टर-5/बी, बोकारो में सीबीएसई की दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला शुरू हुई। यह कार्यशाला किशोरावस्था शिक्षा कार्यक्रम पर केन्द्रित है और इसमें स्कूल के अनेक शिक्षक-शिक्षिकाएँ भाग ले रही हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य अभिषेक कुमार, सीबीएसई रिसोर्स पर्सन स्वाति प्रियंका व विश्वजीत पात्रा व उपप्राचार्य अमोलक सिंह द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के पहले सत्र में स्वाति प्रियंका ने किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक परिवर्तनों पर चर्चा की। उन्होंने जीवन कौशल, सकारात्मक सोच और विद्यार्थियों के साथ प्रभावी व विश्वासपूर्ण संवाद स्थापित करने के तरीकों पर सहभागितापूर्ण गतिविधियों और समूह अभ्यास के माध्यम से शिक्षकों को मार्गदर्शन दिया। दूसरे सत्र में विश्वजीत पात्रा ने सुरक्षित एवं सहयोगात्मक कक्षा वातावरण बनाने, सामाजिक-भावनात्मक अधिगम, मानसिक स्वास्थ्य, मूल्य शिक्षा और कक्षा में सक्रिय सहभागिता बढ़ाने के व्यावहारिक उपाय बताए। प्रबंधन समिति के अध्यक्ष तरसेम सिंह और सचिव एस. पी. सिंह ने कहा कि इस तरह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम शिक्षकों की पेशेवर दक्षता बढ़ाने और विद्यार्थियों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

झारखंड में वेब जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की टीम गठित, अध्यक्ष बने दीपक

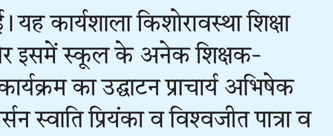

बोकारो(बिभा)। वेब जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के संगठनात्मक विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए झारखंड प्रदेश की नई कार्यकारिणी का गठन कर दिया गया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद कौशल की स्वीकृति के पश्चात राष्ट्रीय महासचिव मधुप मणि पिक्कू ने झारखंड प्रदेश की टीम की आधिकारिक घोषणा की। झारखंड प्रदेश कार्यकारिणी इस प्रकार है- अध्यक्ष दीपक ओझा, उपाध्यक्ष राजीव रंजन, मुकेश कुमार, दिलीप कुमार, महासचिव पूर्णेन्दु पुष्पेश, सचिव पंकज जैन, राकेश कुमार, अमित सिन्हा, संयुक्त सचिव शशि पांडे, नवीन शर्मा, कोषाध्यक्ष शिवशंकर पांडे, कार्यालय सचिव राजीव कुमार सिंह, कार्यसमिति सदस्य चितरंजन पांडे, अभिषेक भगत, मनोज शर्मा, कन्हैया पांडे, संजय सत्पथी, कैलाश गोस्वामी, कमल कुमार, हेमंत कुमार, दीपक कुमार ओझा, सुमित राय,प्रेम सिन्हा,बिटु कुमार, बिट्टू कुमार सिंह। राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद कौशल ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ₹वेब जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया देशभर के पत्रकारों की आवाज को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुझे विश्वास है कि झारखंड की नई टीम संगठन की नीतियों एवं पत्रकार हितों को जन-जन तक पहुंचाएगी तथा प्रदेश में संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि सभी पदाधिकारी पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

प्रणिद्या कुमारी मिश्रा ने हासिल किया शिखर– एसओएफ व सिल्वरजोन ओलंपियाड में चमका नाम

बिभा संवाददाता

बोकारो – डीपीएस बोकारो की छात्रा प्रणिद्या कुमारी मिश्रा (कक्षा 5) ने शैक्षिक प्रतियोगिताओं में बहुरंगी सफलता प्राप्त कर अपने स्कूल और परिवार का नाम गौरवान्वित किया है। प्रणिद्या को लगातार दो साल एसओएफ एकेडेमिक एक्सीलेंस स्कॉलरशिप ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है। 2025-26 सत्र (जब वह कक्षा 4 में थीं) में प्रणिद्या ने राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया। एसओएफ के जोनल परिणामों में उन्होंने तीन प्रमुख विषयों–इंग्लिश (आई ई ओ), साइंस (एन एस ओ) और मैथ्स (आई एम ओ)–में जोनल रैंक-1 प्राप्त किया। इसके अलावा सामाजिक अध्ययन (आई एस एस ओ) में जोनल रैंक-3 और कंप्यूटर (आई सी एस ओ) में जोनल रैंक-4 भी उनके नाम रहे। प्रणिद्या ने सिल्वरजोन ओलंपियाड में भी कई शीर्ष रैंक हासिल किए। उन्होंने साइंस (आई ओ एस) में लगातार तीन वर्षों तक रैंक-1 का स्थान बनाए रखा और मैथ्स (आई ओ एम) व स्टेम में भी उन्नति की। इसके अतिरिक्त हिंदी (ए बी एच ओ) में तीन वर्षों के लिए रैंक-1 तथा सामान्य ज्ञान में भी उल्लेखनीय प्रदर्शन दर्ज हुआ। राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में उन्हें सामाजिक अध्ययन व रीजनिंग में स्टेट रैंक-2 का खिताब मिला।

प्रणिद्या की सफलता के पीछे उनके माता-पिता का बड़ा योगदान बताया जा रहा है। उनके पिता डॉ. प्रशांत कुमार मिश्रा बोकारो सदर अस्पताल में मनोचिकित्सक हैं जबकि माता डॉ. निधि मिश्रा फिजियोथेरेपिस्ट हैं। प्रणिद्या ने स्वयं और उसके परिजनों ने कहा कि उनके माता-पिता ने ही उन्हें टीचर, गाइड और मेंटर का सशक्त साथ दिया, जिससे वह लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पा रही हैं। डीपीएस बोकारो के शिक्षक और अधिकारियों ने प्रणिद्या की उपलब्धियों पर खुशी जताई और कहा कि ऐसी सफलताएँ अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। प्रणिद्या आगे भी बड़े लक्ष्यों की ओर बढ़ने की इच्छा रखती हैं और स्कूल प्रशासन ने उन्हें भविष्य में और अधिक समर्थन देने का आश्वासन दिया है।

तेलीडीह मोड़ पर हाईवे के ऊपर लटकते 11 हजार वोल्ट तार बने खतरा, कार्रवाई की मांग

बोकारो (बिभा): नागरिक अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष शशि भूषण ओझा मुकुल ने नेशनल हाईवे पर तेलीडीह मोड़ के पास फोर लेन सड़क के ऊपर गुजर रहे 11 हजार वोल्ट के तारों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में कई स्थानों पर तार बेहद खतरनाक स्थिति में पाए गए। सुरक्षा मानकों के अनुसार ऐसे तारों के नीचे सेफ्टी गार्ड वायर होना जरूरी है, लेकिन अधिकांश जगहों पर यह व्यवस्था नहीं है। तेलीडीह मोड़ से जैप मोड़ तक दर्जनभर स्थानों पर असुरक्षित तार सड़क पार करते दिखे। कई तार जर्जर और नीचे लटकते हुए हैं, जिससे भारी वाहनों से टकराने और हादसे का खतरा बना हुआ है। आंधी-तूफान में इनके टूटकर गिरने की आशंका भी जताई गई है। ओझा ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, बिजली विभाग और प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि हादसे से पहले तार हटाकर सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

बोकारो में स्कूल और रिहायशी इलाके से रेस्क्यू किए गए रसेल वाइपर और कोबरा

बिभा संवाददाता

बोकारो : जिले में सांप निकलने की दो अलग-अलग घटनाओं में चास की स्नेक रेस्क्यू टीम ने समय रहते कार्रवाई कर बड़ा हादसा टाल दिया। स्नेक रेस्क्यू करनेवाले एम पी पांडे की मदद से जहरीले सांप का रेस्क्यू किया गया। बताते चले कि पहली घटना ए आर एस पब्लिक स्कूल, उकरीद मोड़ के पास की गई। स्कूल परिसर में जहरीले सांप रसेल वाइपर को देखकर बच्चे और स्टाफ में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही चास वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सांप को सुरक्षित पकड़कर जंगल में छोड़ दिया गया।

दूसरी घटना सेक्टर-5 बोकारो की है। यहां एक घर में इंडियन स्पेक्टेकल्ड कोबरा घुस आया था। स्थानीय लोगों ने तुरंत रेस्क्यू टीम को जानकारी दी। टीम ने प्रोफेशनल तरीके से कोबरा को रेस्क्यू किया।

चास टीम के सदस्यों ने लोगों से अपील की कि सांप दिखने पर उसे मारे नहीं, बल्कि तुरंत वन विभाग या रेस्क्यू टीम को सूचना दें। बरसात के मौसम में सांपों के घरों में घुसने की घटनाएं बढ़ जाती हैं, इसलिए सावधानी बरतें।

जिलास्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में डीपीएस बोकारो का जलवा, सीनियर कैटेगरी में एआई प्रोजेक्ट 'इंफ्रैक्टो' बना विजेता

बिभा संवाददाता

बोकारो : विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में एक बार फिर डीपीएस बोकारो के छात्रों ने अपनी मेधा का लोहा मनवाया है। साइंस फॉर सोसाइटी और विज्ञान जागरण समिति के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 में आयोजित जिलास्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में डीपीएस बोकारो के छात्रों ने अपनी कल्पनाशक्ति और तकनीकी कौशल से सबको चकित कर दिया। स्कूल के होनहारों ने सीनियर कैटेगरी में पहला स्थान हासिल करने के साथ-साथ जूनियर कैटेगरी और सांत्वना पुरस्कारों पर भी कब्जा जमाया।

प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों की प्रतिभागी कुल 30 टीमों ने तीन अलग-अलग विषयवस्तुओं पर अपने प्रदर्श प्रस्तुत किए। इनमें समाजहित में कृत्रिम बुद्धिमता के नवोन्मेषी उपयोग विषयवस्तु पर आधारित प्रतियोगिता की सीनियर कैटगरी में विद्यालय की टीम प्रथम रही। 12वीं के छात्र प्रियम हरनंदका और अनिकेत सिंह द्वारा विकसित प्रोजेक्ट इंफ्रैक्टो को विजेता घोषित किया गया। यह स्वायत्त एआई सिस्टम सड़कों या इंफ्रास्ट्रक्चर में आने वाली दरारों को खुद ब खुद डिटेक्ट कर सकता है, जो भविष्य में हादसों को रोकने में मील का पत्थर साबित होगा। इधर, जूनियर कैटेगरी में भी स्कूल के नन्हे वैज्ञानिकों ने कमाल किया। कक्षा 9वीं के सरित चक्रवर्ती और लक्ष्य रंजन के मल्टीटास्किंग ह्यूमनॉइड रोबोट नोवासेपियन ने अपनी बहुमुखी क्षमताओं से जजों को प्रभावित करते हुए द्वितीय उपविजेता का पुरस्कार जीता। नोवासेपियन- मल्टीटास्किंग रोबोट न केवल घर के कामों में हाथ बंटा सकता है, बल्कि अस्पतालों में मरीजों की देखभाल और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में लोगों की मदद करने में भी सक्षम है। इसी प्रकार, पर्यावरण संरक्षण और कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की थीम पर आधारित प्रोजेक्ट टेरानोवा के लिए जूनियर कैटेगरी से 9वीं के विद्यार्थी श्रेष्ठा चतुर्वेदी और प्रतीक वर्मा तथा फसलों की बीमारी का पता लगाने वाले प्रोजेक्ट एग्रोशील्ड एआई के लिए श्रय कश्यप और यश राज ने सांत्वना पुरस्कार जीता।

अपने विद्यालय के छात्रों की इस शानदार सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने कहा कि आज के छात्र सिर्फ किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और पर्यावरण संरक्षण जैसे वैश्विक मुद्दों पर व्यावहारिक समाधान ढूंढ रहे हैं। यह उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम, शिक्षकों के मार्गदर्शन और स्कूल के इनोवेटिव माहौल का परिणाम है। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच व नवाचार को बढ़ावा देना आवश्यक है और डीपीएस बोकारो इस दिशा में कटिबद्ध है।

चंदनकियारी की महिला की इलाज के दौरान मौत, परिजनों ने अस्पताल पर लापरवाही का लगाया आरोप, हंगामा

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो)। बोकारो जिला के चास इलाके में शनिवार सुबह एक महिला की इलाज के दौरान हुई मौत से परिजनों व ग्रामीणों में भारी मातम और आक्रोश फैल गया। मृतका की पहचान चंदनकियारी निवासी बताई जा रही है। मृतका के परिजनों का आरोप है कि निजी अस्पताल में ऑपरेशन के बाद उसकी तबियत अचानक बिगड़ी और फिर दूसरे अस्पताल में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

परिवार के सदस्यों ने बताया कि महिला को कुछ दिन पहले पेट दर्द की शिकायत पर तेलीडीह रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया था कि महिला के गर्भनिरोधक उपकरण कॉपर-टी अंदर फंसा हुआ है और उसे निकालने के लिए ऑपरेशन आवश्यक है। परिजनों के अनुसार कॉपर-टी निकालने के लिए किए गए ऑपरेशन के बाद ही महिला की सेहत बिगड़ गई और उसकी स्थिति गंभीर हो गई।

अचानक बिगड़ती हालत पर मरीज को दूसरे अस्पताल में स्थानांतरित किया गया जहाँ इलाज के दौरान शनिवार सुबह उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही परिवार व रिश्तेदारों में कोहराम मच गया। अस्पताल परिसर में परिजनों के विलाप और चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया। परिजन दोनों छोटे-छोटे नौनिहाल बच्चों के भविष्य को लेकर बेहद चिंतित व व्यथित दिखाई दिए।

परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन के बाद इलाज में लापरवाही बरती गयी, जिसकी वजह से महिला की मृत्यु हुई। उन्होंने मामले की उच्चस्तरीय तथा निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। परिजन और ग्रामीणों ने अस्पताल प्रशासन से स्पष्टीकरण मांग किया और न्याय की गुहार लगाई।

मामले की जानकारी मिलने पर चास थाना पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों से पूछताछ की। पुलिस ने शान्ति व्यवस्था बनाए रखी और आवश्यक प्रक्रियात्मक कार्रवाई शुरू की है। बोकारो सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद पहले ही कह चुके हैं कि यदि संबंधित पक्ष से लिखित शिकायत प्राप्त होती है तो जांच टीम गठित कर पूरे प्रकरण की तहकीकात करायी जाएगी और जांच में कोई लापरवाही पायी जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। परिजनों ने मृत्यु के कारणों की निष्पक्ष छानबीन और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग दोहरायी है।

डिजिटल डिसिप्लिन के साथ कठिन परिश्रम से विद्यार्थियों को जीवन में मिलेगी सफलता

बिभा संवाददाता

बोकारो। एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार एफ बोकारो में अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। सम्मानित अतिथि पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा, बीएसएल की अधिशासी निदेशक राजश्री बनर्जी, प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस, संत मेरीज नर्सरी स्कूल के प्रधानाध्यापक फादर दीनू एम डैनियल, स्कूल के सचिव जार्ज कोसी, पीए जकारिया व पीई ईप्पन ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने कहा कि पुलिस अधिकारी का काम कानून-व्यवस्था का दुरूस्त रखना है। साथ ही लोगों के बीच शांति व सुरक्षा का भाव महसूस कराना है। विद्यार्थियों को बुरी संगति से बचना चाहिए। बच्चे गलत संगति में तब पड़ते हैं, जब अभिभावक अपने बच्चों का सही तरीके से ख्याल नहीं रखते हैं। मित्र मंडली भी उसे नशा करने के लिए उकसाती है। कई बार तो दवा से भी नशा कर लेते हैं। अभिभावक अपने बच्चे को इनसे बचा कर रखें। क्यांकि एक बार गलती से नशाखोरी की ओर कदम बढ़ा लिया तो वापस लौटना मुश्किल होता है। कहा कि आज बच्चों को मोबाइल से दूर रहने के लिए बोल दें तो उन्हें ऐसा लगता है कि उनकी किडनी मांग ली गई हो। आज के दौर में जेईई, नीट, सिविल सर्विसेज, एनडीए आदि की तैयारी के लिए इंटरनेट जरी है। लेकिन डिजिटल डिसिप्लिन के साथ मोबाइल का प्रयोग करना चाहिए। डिजिटल डिसिप्लिन के साथ कड़ी मेहनत से विद्यार्थियों को जीवन में सफलता मिलेगी। कहा कि 16 वर्ष का बच्चा मोटरसाइकिल लेकर निकल जाता है। हमलोग कोशिश करते हैं कि बच्चे को समझा कर यातायात नियम के दुरुपयोग से रोकें। शहर में धीरे-धीरे सीसीटीवी कैमरे इंस्टाल किए जा रहे हैं। यातायात नियम का पालन नहीं करने से बच्चों के माता-पिता का अकाउंट साफ हो सकता है। इसलिए बच्चों को गाड़ी नहीं दें। संविधान का पालन करना चाहिए। आगे चलकर बच्चों को देश चलाना है। इसलिए बच्चे तनाव से दूर रहें। सोसाइटी व परिवार का दबाव निगेटिव इनर्जी का काम करता है। इसलिए बच्चों पर दबाव नहीं बनाना चाहिए। बच्चे कड़ी मेहनत करें, मंजिल अवश्य मिलेगी। सुश्री राजश्री बनर्जी ने छात्रों को खुद का नेतृत्व करने के लिए प्रेरित किया ताकि वे अच्छे लीडर बन सकें। उन्होंने छात्र जीवन में सही फैसले लेने और दूसरों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश करने पर जोर दिया।प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस ने कहा कि विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता व टीम भावना विकसित किया जा रहा है। स्टूडेंट काउंसिल के सदस्यों को अपने कर्तव्य का निर्वहन ईमानदारी से करना चाहिए। अधिशासी निदेशक राजश्री बनर्जी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

मौके पर फादर देनु एम डेनियल प्राचार्य संत मेरी नर्सरी स्कूल, विद्यालय प्रबंधन समिति के पी ए जकारिया, पी ई ईपन, जॉर्ज कोसी, हेड मिस्ट्रेस सपना जोशी, के अलावा शिक्षक, शिक्षिकाएं, अभिभावक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने गारू, सरयू प्रखंड का दौरा कर विकास योजनाओं का लिया जायजा

बिभा संवाददाता

लातेहारः उपायुक्त संदीप कुमार ने गारू प्रखंड,सरयू प्रखंड का व्यापक निरीक्षण कर विभिन्न विकास योजनाओं, शैक्षणिक संस्थानों, आंगनबाड़ी केंद्रों, स्वास्थ्य केंद्रों एवं पंचायत कार्यालयों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समयबद्ध कार्य निष्पादन के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने आंगनबाड़ी केंद्र, गोइन्दी का निरीक्षण कर बच्चों की उपस्थिति, पठन-पाठन, पोषाहार वितरण, साफ-सफाई, वजन मापन तथा ग्रोथ मॉनिटरिंग की समीक्षा की। उन्होंने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने एवं सभी गतिविधियों का नियमित संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।इसके पश्चात प्लस टू उच्च विद्यालय सरयू, नेताजी एस सी आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया। विद्यालय भवन के निमार्णाधीन कार्य समय पर पूर्ण नहीं होने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित एजेंसी को तीन माह के भीतर निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही विद्यालयों में शैक्षणिक व्यवस्था, छात्राओं की उपस्थिति, साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने सरयू प्रखंड सह अंचल कार्यालय का निरीक्षण कर लंबित मामलों, अभिलेखों के संधारण एवं कार्यालयीन कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने राजस्व एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।आयुष्मान आरोग्य मंदिर सरयू का निरीक्षण कर उपलब्ध चिकित्सीय सुविधाओं, दवा की उपलब्धता, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति तथा मरीजों को दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को मरीजों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने मध्य विद्यालय डोमाखाड़ का निरीक्षण किया। विद्यालय परिसर में संचालित मध्यान्ह भोजन योजना, साफ-सफाई तथा पठन-पाठन व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ़)-2026 के तहत चल रहे कार्यों की जानकारी संबंधित बीएलओ से प्राप्त की तथा मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को पूरी गंभीरता एवं निर्धारित समयसीमा के भीतर संपन्न कराने का निर्देश दिया।इसके अलावा उन्होंने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, हेटटोला में छात्राओं से संवाद कर उनकी शैक्षणिक एवं आवासीय सुविधाओं की जानकारी ली।स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने रेफरल अस्पताल, गारू का निरीक्षण किया। उन्होंने ओपीडी, दवा भंडारण, चिकित्सकीय सुविधाओं, साफ-सफाई एवं मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया तथा चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को मरीजों के बेहतर उपचार एवं नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

जागरूकता रथ को उपायुक्त ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बिभा संवाददाता

लातेहारः विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत जिले में मतदाता जागरूकता अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आज समाहरणालय परिसर से जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त संदीप कुमार ने एसआईआर जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में जोड़ना, अपात्र एवं मृत मतदाताओं के नाम हटाना तथा मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाना है। उन्होंने कहा कि जागरूकता रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों, पंचायतों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर आम नागरिकों को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम, मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन, विलोपन एवं स्थानांतरण की प्रक्रिया सहित निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों की जानकारी उपलब्ध कराएगा।

उन्होंने सभी पात्र नागरिकों से अपील की कि वे इस अभियान का लाभ उठाते हुए समय पर अपने मतदाता संबंधी कार्य पूर्ण करें तथा अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में नाम दर्ज होना अत्यंत आवश्यक है।

जागरूकता रथ के माध्यम से जिलेभर में ऑडियो संदेश, प्रचार सामग्री एवं जनसंपर्क गतिविधियों के जरिए लोगों को विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के प्रति जागरूक किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस अभियान से जुड़ सकें और मतदाता सूची के शुद्धिकरण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकें। इस अवसर पर सैय्यद रियाज अहमद, सलमान जफर खिजरी, प्रभात कुमार, मेरी मड़की, दिनेश कुमार एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

माउंट कार्मेल स्कूल के छात्रों ने स्केटिंग प्रतियोगिता में किया शानदार प्रदर्शन

हजारीबाग(बिभा) : माउंट कार्मेल स्कूल हरनगंज, हजारीबाग के विद्यार्थियों ने स्केटिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। 4 जुलाई 2026 को रांची के नामकुम स्थित बिशप्स वेस्टकॉट बॉयज स्कूल में आयोजित स्केटिंग टूनामेंट-2026 में विद्यालय के छात्रों ने विभिन्न आयु वर्गों में शानदार सफलता हासिल की।प्रतियोगिता के अंडर-11 एवं अंडर-14 वर्ग में माउंट कार्मेल स्कूल के खिलाड़ियों ने क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है।विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि अन्य बच्चों के लिए भी प्रेरणादायक है। विद्यालय भविष्य में भी खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतर-विद्यालयी प्रतियोगिताओं के लिए प्रोत्साहित करता रहेगा

जीतो लेडीज विंग का उड़ान ट्रेड फेयर 11 व 12 जुलाई को

हजारीबाग(बिभा): महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उनके हुनर को पहचान दिलाने और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) लेडीज विंग, हजारीबाग द्वारा दो दिवसीय उड़ान ट्रेड फेयर 4.0 का आयोजन 11 एवं 12 जुलाई को रिबन्स एंड बेल्स, हजारीबाग में किया जाएगा। प्रदर्शनी प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक आम लोगों के लिए खुली रहेगी।जीतो लेडीज विंग की चेयरपर्सन अंतिमा जैन ने बताया कि उड़ान 4.0 केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि महिलाओं के सपनों को नई उड़ान देने का सशक्त मंच है। इस आयोजन में देश के विभिन्न शहरों से महिला उद्यमी अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगी। प्रदर्शनी में फैशन, एथनिक एवं वेस्टर्न वियर, ज्वेलरी, होम डेकोर, होम फर्निशिंग, लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स, गिफ्ट आइटम, हस्तशिल्प, खाद्य उत्पाद सहित अनेक आकर्षक स्टॉल लगाए जाएंगे। साथ ही साथ फूड स्टॉल भी लगाए जाएंगे ! आपको बताते चले कि कुल 35 स्टॉल और 8 टेबल लगेंगे ! उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य महिला उद्यमियों को ग्राहकों से सीधे जोड़ना, उन्हें नए बाजार उपलब्ध कराना तथा उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने के अवसर प्रदान करना है। साथ ही शहरवासियों को एक ही स्थान पर गुणवत्तापूर्ण एवं नवीन उत्पादों की खरीदारी का अवसर भी मिलेगा।

हजारीबाग की बेटी श्वेता भारती ने अभिनय के क्षेत्र में बढ़ाया जिले का मान

हजारीबाग(बिभा) : जिले के पदमा प्रखंड की रहने वाली श्वेता भारती आज झारखंड की उभरती हुई रंगकर्मी, अभिनेत्री एवं थिएटर ट्रेनर के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुकी हैं। उन्होंने अपनी शिक्षा विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग से प्राप्त की तथा अनेक नेशनल यूथ फेस्टिवल में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके साथ ही वे थिएटर ट्रेनर के रूप में भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान स्थापित कर चुकी हैं। श्वेता ने कई प्रतिष्ठित रंगमंचीय प्रस्तुतियों में मुख्य अभिनेत्री (लीड एक्ट्रेस) के रूप में अभिनय किया है। उन्होंने हरियाणा के सफीदों स्थित रस कला मंच रेपर्टरी में बतौर अभिनेत्री कार्य किया तथा वर्तमान में युवा रंगमंच, रांची में रंगकर्मी अजय मलकानी के निर्देशन में संचालित रेपर्टरी से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने गुल्लक, सूरजमुखी सहित कई शॉर्ट फिल्मों एवं विज्ञापन फिल्मों में अपनी सशक्त अभिनय क्षमता का परिचय दिया है। हाल ही में दहेज प्रथा जैसे सामाजिक विषय पर आधारित शॉर्ट फिल्म गुल्लक, जिसका निर्देशन विकाश आर्यन (गिरिडीह) ने किया है तथा जिसमें अभिनेता अशोक मांझी के साथ श्वेता भारती ने मुख्य भूमिका निभाई है, को सरला बिड़ला विश्वविद्यालय, रांची में आयोजित चित्रपट फिल्म फेस्टिवल में बड़ी उपलब्धि हासिल हुई। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बाबूलाल मरांडी एवं अर्जुन मुंडा उपस्थित थे। फिल्म गुल्लक को बेस्ट फिल्म अवॉर्ड से सम्मानित किया गया, जबकि इसके निर्देशक विकाश आर्यन को बेस्ट डायरेक्टर अवॉर्ड प्रदान किया गया। श्वेता भारती हजारीबाग की उन अग्रणी युवा अभिनेत्रियों में शामिल हैं जिन्होंने नाट्य एवं अभिनय के क्षेत्र में अपनी मेहनत, समर्पण और प्रतिभा के बल पर जिले तथा झारखंड का गौरव बढ़ाया है। वे आज भी रंगमंच और अभिनय के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रहते हुए नई पीढ़ी को प्रेरित कर रही हैं।

बीएलए 2 अपने बीएलओ से समन्वय बनाकर गांव-गांव घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करे : राहुल बल

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कमिटी की ओर से शनिवार को जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में मतदाता सूची के विशेष गहन पुननिरक्षण एसआईआर अभियान को लेकर संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई । बैठक की अध्यक्षता पूर्व मंत्री सह जिला अध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल ने की । मुख्य अतिथि एआईसीसी से आए झारखंड एसआईआर के पर्यवेक्षक राहुल बल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुननिरक्षण केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नही बल्कि लोकतंत्र और संविधान प्रदत मताधिकार की रक्षा का महत्वपूर्ण अभियान है । उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और किसी संवैधानिक अधिकारों का हनन न हो । उन्होंने भाजपा पे आरोप लगाया कि वर्तमान परिस्थितयों में आम नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकार प्रभावित होने की आशंका है । यदि पुननिरक्षण के नाम पर किसी पात्र मतदाता का नाम हटाया जाता है तो कांग्रेस उसका लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक विरोध करेगी । उन्होंने ने कहा कि कांग्रेस के बीएलए 2 अपने बीएलओ से समन्वय बनाकर कांग्रेसी कार्यकर्ता गांव-गांव घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करेंगे तथा लोंगो को एसआईआर प्रक्रिया के प्रति जागरूक करेंगे । उन्होंने सभी कार्यकताओं से पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ काम करने का अह्वान किया । बैठक सदर विधान सभा के पूर्व प्रत्याशी मुन्ना सिंह वरीय उपाध्यक्ष शारदा रंजन दुबे जिला कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष निसार खान नगर अध्यक्ष सह प्रशिक्षक परवेज अहमद प्रखंड अध्यक्षों में अब्बास अंसारी, अब्दुल मनान वारसी, गौतम कुमार मेहता, नरसिंह प्रजापति, मोहम्मद नौशाद आलम, अजय कुमार यादव, अजित कुमार सिंह, रंजीत यादव, अनिल कुमार भुईंया आदि उपस्थित थे ।

एसआईआर प्रक्रिया में मतदाता के अधिकार की रक्षा के लिए कांग्रेस पूरी तरह प्रतिबद्धः मुन्ना

हजारीबाग : हजारीबाग जिले के सदर विधानसभा सीट से पूर्व प्रत्याशी रहें मुन्ना सिंह ने राहुल बल के साथ हजारीबाग स्थित लक्ष्मी मुस्लिम उच्च विद्यालय एवं सुजैत चौक, वार्ड संख्या-30 में संचालित एसआईआर केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन एवं सत्यापन के लिए पहुंचे नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों और बीएलओ से प्रक्रिया की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मुन्ना सिंह ने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत प्रत्येक नागरिक का मताधिकार है। इसलिए यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कोई भी पात्र मतदाता किसी तकनीकी त्रुटि या लापरवाही के कारण मतदाता सूची से बाहर न रह जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रही है और एसआईआर अभियान के दौरान भी पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के बीच रहकर उन्हें आवश्यक सहयोग और जानकारी उपलब्ध कराएगा।

श्री वैष्णव दुर्गा मंदिर के कार्यकारिणी समिति की बैठक सम्पन्न

बिभा संवाददाता

लातेहार। श्री वैष्णव दुर्गा मंदिर, लातेहार के कार्यकारिणी समिति की एक बैठक संरक्षक विनोद कुमार साहू की अध्यक्षता में मंदिर परिसर में आयोजित की गयी. बैठक में मंदिर समिति के मुख्य संरक्षक बैद्यनाथ राम के राज्यसभा सांसद के रूप मे शपथ लेने पर प्रसन्नता व्यक्त की गयी और सांसद श्री राम को बधाई दी गयी. बैठक में राज्यसभा सांसद के योगदानों की चर्चा की गयी. इसके अलावा बैठक में मंदिर विकास एवं अन्य मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया. मंदिर के उपरी तल्ले के आंगन और सीढ़ियों पर शेड बनाने का निर्णय लिया गया. बताया गया कि बारिस और धूप के दिनों में शेड नहीं रहने से काफी परेशानी होती है. बैठक में नीचे के हॉल में मंच पर स्थायी फ्रेम बनाने का निर्णय लिया, ताकि दशहरा एवं अन्य पूजा अवसरों पर सुरक्षा के लिए पर्दा लगाया जा सके. बैठक में आगामी दुर्गा पूजा को ले कर भी विचार विमर्श किया गया. पूजा के पहले से सभी सदस्यों से वार्षिक सहयोग राशि समिति में जमा करने की अपील की गयी. इसके अलावा बैठक में सदस्यता अभियान पर भी चर्चा की गयी. मंदिर समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने कहा कि मंदिर के विकास में पूरे नगर वासियो का सहयोग आवश्यक है. बैठक में मासिक दानपात्र खोला गया और देनदारियों का निपटारा किया. बैठक में संरक्षक अभिनंदन प्रसाद, उपाध्यक्ष कन्हाई प्रसाद अग्रवाल, सचिव आशीष टैगोर, सह सचिव रंजीत कुमार, कोषाध्यक्ष राजू रंजन सिंह, दीपक विश्वकर्मा, पंकज प्रसाद, आकाश जायसवाल, धनेश्वर प्रसाद व परितोष ठाकुर आदि मौजूद थे।

सिविल सर्जन से मिले सांसद मीडिया प्रतिनिधि, पेटो उपस्वास्थ्य केंद्र को 24 घंटे संचालित करने की रखी मांग

बिभा संवाददाता

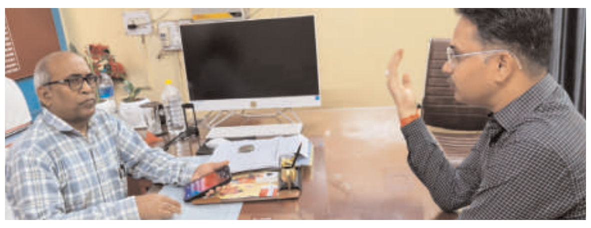

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश पर उनके लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने शनिवार को जिले के सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार से मुलाकात कर ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। इस दौरान सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने विशेष रूप से हजारीबाग-धनबाद रोड (राष्ट्रीय राजमार्ग-522) पर दारू प्रखंड स्थित अतिरिक्त उपस्वास्थ्य केंद्र, पेटो को जनहित में चौबीसों घंटे और सातों दिन संचालित करने की मांग की। उन्होंने सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार को बताया कि यह स्वास्थ्य केंद्र सीधे नेशनल हाईवे के किनारे स्थित है, जहाँ अक्सर सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं। ऐसी आपातकालीन स्थिति में यदि इस केंद्र पर एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड जैसी बुनियादी व जरूरी जांच सुविधाएं उपलब्ध करा दी जाएं और 24 घंटे इसे जनहित में संचालित किया जाय तो घायलों को समय पर प्राथमिक उपचार मिल सकेगा और कई लोगों की जान बचाई जा सकेगी। इसके साथ ही उन्होंने बरही अनुमंडल अस्पताल में चिकित्सा उपकरणों की कमी पर नाराजगी जताई और कहा कि अस्पताल में टूटा हुआ स्ट्रेचर रखना बेहद संवेदनहीनता है, जिसे तुरंत बदला जाना चाहिए। उन्होंने जिले के अन्य सुदूरवर्ती स्वास्थ्य केंद्रों और उपकेंद्रों की स्थिति में भी व्यापक और त्वरित सुधार का आग्रह किया।

जिले के सिविल सर्जन से वार्ता के क्रम में सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने मानसून के दस्तक देने के साथ ही जिले में तेजी से बढ़ रहे मलेरिया और टाइफाइड के मरीजों की संख्या पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने सिविल सर्जन से आग्रह किया कि संभावित डेंगू और चिकनगुनिया के खतरे से आम जनता को सुरक्षित रखने के लिए स्वास्थ्य विभाग को तत्काल प्रभाव से मिशन मोड में काम शुरू कर देना चाहिए। इसके तहत जिले के सभी प्रभावित और संवेदनशील इलाकों में युद्ध स्तर पर डीडीटी का छिड़काव, फॉगिंग, ग्रामीण स्तर पर जागरूकता पहल और मच्छरदानी वितरण जैसे आवश्यक अभियान चलाए जाने चाहिए ताकि महामारी की स्थिति को समय रहते रोका जा सके।

श्री रामकृष्ण शारदा आश्रम शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के स्वयंसेवकों ने चलाया वृक्षारोपण अभियान

बिभा संवाददाता

हजारीबागः वन महोत्सव के अवसर पर महाविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० समाप्ति कुमार पॉल द्वारा हरी झंडी दिखाकर एनएसएस स्वयंसेवकों की टीम को वृक्षारोपण के लिए रवाना किया। इससे पहले उन्होंने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा- ₹वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। वृक्ष हमें शुद्ध वायु, जल संरक्षण, छाया और प्राकृतिक संतुलन प्रदान करते हैं। पर्यावरण की रक्षा केवल सरकार की नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। वन महोत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। मेरे विचार से वृक्षारोपण एक धार्मिक कार्य है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम-से-कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए तथा उसकी देखभाल का संकल्प लेना चाहिए।इसके पश्चात एनएसएस स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गए भेलवारा गाँव जाकर पौधरोपण किया तथा उत्क्रमित मध्य विद्यालय, भेलवारा के सहायक शिक्षक धनेश्वर तुरी को कार्यक्रम पदाधिकारी द्वारा एक पौधा भेंट किया गया। स्वयंसेवकों ने लोगों से अधिकाधिक वृक्ष लगाने एवं उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील भी की। सभी ने एक स्वर में पर्यावरण संरक्षण को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए वृक्षारोपण को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

वन महोत्सव को सफल बनाने में एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ० दयानन्द यादव, डॉ० एस.के. राणा , नवीन बारा के अतिरिक्त चंदन, श्रुति, सुप्रिया, अमर, अविनाश, सूरज, जॉनी मोल्ड एक्का, संजना, सिया, सृष्टि आदि स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

लातेहार पहुंचे झारखंड अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मथारू, कहा, जल्द होगी जनसुनवाई, शिक्षा व रोजगार को लेकर सरकार गंभीर

बिभा संवाददाता

लातेहार। झारखंड अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मथारू शनिवार को लातेहार परिसदन भवन पहुंचे, जहां अंजुमन इस्लामिया लातेहार के अध्यक्ष आफताब आलम के नेतृत्व में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान आयोग के उपाध्यक्ष ने जिले के अल्पसंख्यक समुदाय के प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। वहीं अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष आफताब आलम ने लातेहार जिले में अल्पसंख्यक छात्रावास (हॉस्टल) एवं अस्पताल की स्थापना की मांग रखते हुए कहा कि जिले के अल्पसंख्यक समुदाय को शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर सुविधाओं की आवश्यकता है।मीडिया से बातचीत करते हुए आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मथारू ने कहा कि उनके लातेहार आगमन का मुख्य उद्देश्य अल्पसंख्यक आयोग के अंतर्गत आने वाले सभी समुदायों से मिलना, उनकी समस्याओं को समझना तथा सरकार की योजनाओं का जमीनी स्तर पर आकलन करना है। उन्होंने कहा कि आयोग केवल शिकायतें सुनने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि प्राप्त मामलों का अध्ययन कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर समाधान की दिशा में आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि आगामी दिन सुबह 10:30 बजे पलामू में आयोजित राज्य स्तरीय बौद्ध सम्मेलन में भाग लेने जाना है। उसी क्रम में उन्होंने लातेहार में रुककर यहां के लोगों से संवाद किया और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि सरकार की योजनाओं का लाभ किन लोगों तक पहुंचा है और कौन अब भी इससे वंचित हैं। ऐसे मामलों को चिन्हित कर आयोग के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

ज्योति सिंह मथारू ने कहा कि आयोग निकट भविष्य में लातेहार में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित करेगा, जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय के लोग अपनी समस्याएं सीधे आयोग के समक्ष रख सकेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का निष्पक्ष तरीके से निस्तारण कराने का प्रयास किया जाएगा।

शिक्षा और रोजगार के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि सरकार अल्पसंख्यक समुदाय के बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए गंभीर है। पहले छोटे विद्यालयों में कम संख्या में बच्चे पढ़ते थे, लेकिन अब विद्यार्थियों की संख्या बढ़ने से अतिरिक्त कक्षाओं और आधारभूत सुविधाओं की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

मौके पर उपस्थित थे आफताब आलम अंजुमन इस्लामिया जिला अध्यक्ष एवं कांग्रेस प्रदेश सचिव, पंकज तिवारी जी कांग्रेस मिडिया प्रभारी,हरिशंकर यादव विधायक प्रतिनिधि,साजन कुमार,अख्तर हुसैन,रब्बानी हुसैन वाजिद अंसारी, , सुनील प्रसाद, मनोज पासवान,हस्मत अंसारी, अफरोज जी मौजूद थे।

नाबालिग आदिवासी बच्ची की संदिग्ध मौत का 10 दिनों के बाद भी खुलासा नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण: प्रतुल

बिभा संवाददाता

लातेहार/चंदवाः भारतीय जनता पार्टी, झारखंड के मुख्य प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने चंदवा थाना क्षेत्र में नाबालिग आदिवासी बच्ची की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद, चिंताजनक एवं कानून-व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाने वाली है प्रतुल शाहदेव ने कहा कि बच्ची का शव बरामद हुए 10 दिनों से अधिक समय बीत जाने के बाद भी पुलिस अब तक इस मामले का उद्भेदन नहीं कर सकी है। इससे पीड़ित परिवार के साथ-साथ पूरे क्षेत्र की जनता में भारी आक्रोश है। इसी आक्रोश के कारण लोगों को राष्ट्रीय राजमार्ग जाम कर अपना विरोध दर्ज कराना पड़ा, जो यह दशार्ता है कि जनता निष्पक्ष एवं त्वरित न्याय चाहती है।

प्रतुल ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह मामला अत्यंत संदिग्ध प्रतीत होता है। इसलिए इसकी जांच केवल पारंपरिक तरीकों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। लातेहार के पुलिस अधीक्षक से आग्रह है कि इस मामले में आधुनिक तकनीकों का व्यापक उपयोग किया जाए। प्रतुल शाहदेव ने कहा कि यदि इस मामले में किसी भी प्रकार की आपराधिक साजिश, हत्या अथवा अन्य अपराध की पुष्टि होती है तो दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। एक नाबालिग आदिवासी बेटी को न्याय दिलाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।उन्होंने राज्य सरकार से भी मांग की कि वह इस गंभीर मामले की नियमित निगरानी करे ताकि जांच में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। भाजपा इस घटना पर गंभीर निगाह रखे हुए है और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर स्तर पर अपनी आवाज उठाती रहेगी।

दिल्ली: वायु प्रदूषण के साथ ओजोन प्रदूषण की चुनौती

ललित गर्ग

दिल्ली आज केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा प्रदूषण हॉटस्पॉट भी बन चुकी है। गर्मियों में बढ़ते तापमान, तेज धूप और वाहनों एवं उद्योगों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की रासायनिक प्रतिक्रिया

राजधानी दिल्ली वर्षों से वायु प्रदूषण की भयावह समस्या से जूझती रही है। हर सर्दी में धुंध की मोटी चादर, जहरीली हवा और दमघोंटू वातावरण राष्ट्रीय चिंता का विषय बनते हैं। अब तक इस संकट की चर्चा मुख्यतः पीएम 2.5, पीएम 10, पराली और वाहनों के धुएँ तक सीमित रही, लेकिन अब एक नया और अधिक खतरनाक खतरा तेजी से उभरकर सामने आया है- भूतलीय (ग्राउंड लेवल) ओजोन प्रदूषण। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की हालिया रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, जयपुर, चंडीगढ़ और अहमदाबाद जैसे शहर भी ओजोन प्रदूषण की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, लेकिन इसके दुष्प्रभाव धीरे-धीरे मानव जीवन, कृषि और पर्यावरण को भीतर तक बीमार कर रहे हैं। विडम्बना यह है कि प्रदूषण जैसे गंभीर विषय को भी अक्सर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित कर दिया जाता है। कभी किसानों की पराली को संपूर्ण दोषी ठहरा दिया जाता है तो कभी केवल वाहनों को। जबकि वास्तविकता कहीं अधिक व्यापक है। यदि समस्या की जड़ तक पहुँचना है तो अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, ऊर्जा उपभोग की वर्तमान व्यवस्था और विकास के मौजूदा मॉडल पर गंभीर पुनर्विचार करना होगा।

दिल्ली आज केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा प्रदूषण हॉटस्पॉट भी बन चुकी है। गर्मियों में बढ़ते तापमान, तेज धूप और वाहनों एवं उद्योगों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की रासायनिक प्रतिक्रिया से भूतलीय ओजोन बनती है। यह वही ओजोन नहीं है जो वायुमंडल की ऊपरी परत में पृथ्वी को पराबैंगनी किरणों से बचाती है। धरातल पर बनने वाली ओजोन एक विषैली गैस है, जो फेफड़ों की कार्यक्षमता कम करती है, दमा के रोगियों की स्थिति बिगाड़ती है, आँखों में जलन पैदा करती है तथा हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाती है। आज दिल्ली-एनसीआर में बड़ी संख्या में लोग सांस लेने में कठिनाई, एलर्जी और अस्थमा जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जिनमें ओजोन प्रदूषण की भूमिका लगातार बढ़ रही है। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन, नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, चार्जिंग स्टेशन विकसित करने की योजना और पुराने प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने जैसे निर्णय निश्चित रूप से सकारात्मक हैं। यदि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो आने वाले वर्षों में प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में सार्थक परिवर्तन देखने को मिल सकता है। लेकिन केवल वाहन नीति से समस्या का समाधान संभव नहीं है।

वास्तविक संकट अनियोजित शहरीकरण का है। पिछले दो दशकों में दिल्ली और उससे लगे क्षेत्रों में जिस तेजी से खेत, तालाब और हरित क्षेत्र कंक्रीट के जंगलों में बदले हैं, उसने प्राकृतिक संतुलन को गहरा आघात पहुँचाया है। जहाँ कभी वर्षा का पानी धरती में समा जाता था, वहाँ अब सीमेंट और डामर की सतह है। पारंपरिक जलस्त्रोत मिट गए, पेड़ों की संख्या घटी और गर्मी बढ़ती गई। यही कारण है कि शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक रहने लगा है। यही अतिरिक्त गर्मी ओजोन बनने की प्रक्रिया को और तेज करती है। आज महानगरों का विस्तार विकास का प्रतीक माना जाता है, लेकिन यह विकास प्रकृति की कीमत पर हो रहा है। शहरों को सड़कें चाहिए, बिजली चाहिए, आवास चाहिए, उद्योग चाहिए। इन सबके लिए खेत समाप्त हो रहे हैं, जंगल कट रहे हैं और जलस्त्रोत नष्ट हो रहे हैं। परिणामस्वरूप प्रदूषण केवल हवा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जल, मिट्टी और जैव विविधता भी प्रभावित हो रही है। विकास की यह दिशा अंततः मानव जीवन के विरुद्ध खड़ी दिखाई देती है। दिल्ली में निजी वाहनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सार्वजनिक परिवहन की उपलब्धता और गुणवत्ता अभी भी इतनी प्रभावी नहीं हो सकी कि लोग निजी वाहनों का त्याग करें। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना स्वागतयोग्य है, किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि बिजली यदि कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों से आएगी तो प्रदूषण केवल एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होगा। इसलिए स्वच्छ ऊर्जा, सौर ऊर्जा और हरित परिवहन को समानांतर गति से बढ़ाना आवश्यक है।

ओजोन प्रदूषण केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह कृषि उत्पादन को भी प्रभावित करता है। वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि ओजोन फसलों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित कर उत्पादन घटा देती है। ऐसे समय में जब जलवायु परिवर्तन, अनिश्चित मानसून और बढ़ती गर्मी पहले ही किसानों के सामने बड़ी चुनौती बने हुए हैं, ओजोन प्रदूषण कृषि संकट को और गहरा कर सकता है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत अनेक शहरों में वायु गुणवत्ता सुधारने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, किंतु अब समय आ गया है कि इसकी रणनीति का विस्तार किया जाए। केवल पार्टिकुलेट मैटर पर ध्यान देने के बजाय ओजोन जैसे द्वितीयक प्रदूषकों की निगरानी, वैज्ञानिक अध्ययन और नियंत्रण पर भी समान बल देना होगा। वायु गुणवत्ता निगरानी तंत्र को अधिक व्यापक, आधुनिक और पारदर्शी बनाना होगा।

समस्या के समाधान में नागरिकों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। कचरा जलाना, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, खुले में ईंधन जलाना, प्लास्टिक और औद्योगिक कचरे का अनुचित निस्तारण जैसी आदतों में परिवर्तन लाना होगा। अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, साइकिल और पैदल चलने की संस्कृति को बढ़ावा देना होगा। शहरों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, हरित पट्टियों का विकास और पारंपरिक जलस्त्रोतों का पुनर्जीवन भी प्रदूषण नियंत्रण की प्रभावी रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। वायु प्रदूषण केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक संकट भी है। बढ़ती बीमारियाँ स्वास्थ्य व्यवस्था पर बोझ डालती हैं, कार्यक्षमता घटाती हैं और करोड़ों रुपये की आर्थिक हानि का कारण बनती हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि प्रदूषण बच्चों और युवाओं के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को इसका कहीं अधिक गंभीर मूल्य चुकाना पड़ेगा।

दिल्ली सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम स्वागतयोग्य हैं और उनसे सकारात्मक परिणामों की आशा की जा सकती है, किंतु यह तभी संभव होगा जब केंद्र, राज्य, स्थानीय निकाय, उद्योग, वैज्ञानिक समुदाय और नागरिक समाज मिलकर समन्वित प्रयास करें। प्रदूषण किसी एक सरकार, एक मौसम या एक कारण की समस्या नहीं है। यह हमारे विकास मॉडल, जीवनशैली और पर्यावरण के प्रति दृष्टिकोण का परिणाम है। आज आवश्यकता दोषारोपण की नहीं, बल्कि दूरदर्शी नीति और सामूहिक उत्तरदायित्व की है। यदि हम स्वच्छ हवा चाहते हैं तो केवल प्रदूषण कम करने की योजनाएँ नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित विकास की नई संस्कृति विकसित करनी होगी। अन्यथा ओजोन जैसी अदृश्य गैसें हमारे शहरों को धीरे-धीरे बीमार करती रहेंगी और विकास का यह मॉडल स्वयं मानव सभ्यता के लिए सबसे बड़ा संकट बन जाएगा।

संपादकीय

जानलेवा मैनहोल

मानसून की बारिश जहां किसानों के लिये राहत लेकर आती हैं, वहीं तंत्र की काहिली और भ्रष्टाचार की पोल भी खोल देती है। मानसून की शुरूआती बारिश ने एक बार फिर सार्वजनिक संरचनाओं की जानलेवा खामियों को ही उजागर किया। मुंबई में बारिश के पानी में नजर न आने वाले एक खुले मैनहोल में गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं हाल ही में खुले बहुचर्चित दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे ने पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर की बदहाली उजागर कर दी। ये घटनाएं हमें बताती हैं कि बारिश के मौसम में स्थानीय निकायों की लापरवाही व खराब इंजीनियरिंग के चलते कैसे लोगों का जीवन जोखिम में पड़ जाता है। निस्संदेह, मुंबई में हुए हादसे को रोका जा सकता था। कथित साफ-सफाई के बाद लापरवाही से खुला छोड़ा गया मैनहोल तब जानलेवा बन गया, जब बारिश के पानी से ढका खुला मैनहोल नजर नहीं आया। निस्संदेह, दुर्घटना के बाद अधिकारियों को निलंबित करना और ठेकेदार को काली सूची में डालना, फौरी तौर पर सही कदम है, लेकिन सवाल यह है कि हादसे होने के बाद ही ऐसे कदम क्यों उठाये जाते हैं? पहले से ही नागरिकों की सुरक्षा के लिये चाक-चौबंद व्यवस्था क्यों नहीं होती? कायदे से किसी सड़क पर मैनहोल खोलने से पहले बैरिकेड्स लगाने, चेतावनी देने वाले संकेत और अस्थायी कवर से ढकना बुनियादी सुरक्षा उपाय हैं। जिन्हें अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बीते साल भी दिल्ली में भारी बारिश के दौरान स्कूटर फिसलने से एक महिला और उसका तीन साल का बेटा पानी से भरे नाले में बह गये थे। ये असुरक्षित ड्रेनेज संरचना की घातकता को ही दशार्ता है। विडंबना है कि हमारा तंत्र सालभर सोया रहता है और जब बरसात शुरू होने को होती है, तब मरम्मत- नालों की सफाई के काम की औपचारिकता पूरी करता है। निस्संदेह, संबंधित विभागों के अधिकारियों की सर्वकालिक जवाबदेही तय की जानी चाहिए। फिर किसी भी तरह की लापरवाही होने पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। वहीं दूसरी ओर दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के धंसने की घटना भी एक चिंताजनक स्थिति को दशार्ती है। यह निर्विवाद सत्य है कि कोई सड़क बारिश आने के कारण रातों-रात नहीं धंसती है। इसमें सड़क निर्माण के दौरान सतर्कता की अनदेखी भी शामिल है। दरअसल, सड़क निर्माण के दौरान जल निकासी की कारगर व्यवस्था न होने, मिट्टी की स्थिरता सुनिश्चित न करने और निर्माण में गुणवत्ता की कमी से ही बरसाती पानी सड़क की सतह के नीचे मिट्टी को धीरे-धीरे काटने लगता है। कालांतर यह मिट्टी का कटाव ही सड़क धंसने की वजह बन जाता है। साल 2024 में बिहार में पुलों के ढहने की श्रृंखला ने भी निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के उपयोग की हकीकत बतायी थी। इसी तरह की चिंताएं अकसर सामने आती हैं जब आधुनिक कहे जाने वाले महानगरों बेंगलुरू और मुंबई में हर मानसून में सड़कों में बने गड्ढे दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। इतना ही नहीं इससे यातायात में भी अराजकता व व्यवधान पैदा होता है। बहरहाल, इन सभी घटनाओं के मूल में एक बात तो समान है कि स्थानीय निकाय व प्रशासन जोखिमों का समय रहते अनुमान नहीं लगा पाते हैं।

चिंतन-मनन

शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ।

उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा।

उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा क्यों गुरु ने उत्तार दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीडध्तों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है। कथा का सार यह है कि वही सेवा अधिक सराहनीय होती है, जो आगे बढ़कर की जाए।

ईरान के सुप्रीम लीडर खामनेई का 131 दिन बाद अंतिम संस्कार

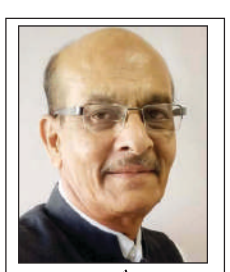

सनत जैन

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की रस्में शुरू हो गई हैं। शुक्रवार को शुरू हुए इस अंतिम संस्कार कार्यक्रम में खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों को विदाई दी जा रही है। उनके पार्थिव शरीर को ताबूत में रखा गया है। लोगों को अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि देने के लिए 60 शहरों से होते हुए यह जनाजा उनके जन्म स्थान पर जाकर दफनाया जाएगा। सुप्रीम लीडर के परिवार में उनकी 14 महीने की पोती, उनकी पत्नी, बेटी और दामाद का भी जनाजा साथ में निकाला जा रहा है। सुप्रीम लीडर खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों की 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इजराइल ने मिलकर संयुक्त हवाई हमला किया था। इसमें उनकी मौत हो गई थी। उनकी मौत के 131 दिन बाद 9 जुलाई को उन्हें ईरान के मशहद शहर में दफनाया जाएगा। लगभग 100 देशों के प्रतिनिधि मंडल तेहरान पहुंच गए हैं। इजराइल द्वारा धमकी दिए जाने के बाद उनके पुत्र मुज्तबा खामनेई सुरक्षा कारणों से अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो रहे हैं। इजराइल की धमकी के बाद अंतिम संस्कार के जनाजे की सुरक्षा एवं इसमें आने वाले करोड़ों लोगों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई का जनाजा 6 शहरों से होते हुए उनके जन्म स्थल पर ले जाया जाएगा जहां पर उनके पूर्वजों को सुपुर्द-ए-खाक किया गया था, वहीं उन्हें भी दफन किया जाएगा। जनाजे में भारी भीड़ उमर रही है। सुरक्षा को देखते हुए बड़े पैमाने पर इंतजाम किए गए हैं। तेहरान में विदेश से आने वालों के लिए ठहरने की विशेष व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही ईरान के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग जनाजे में शामिल होने के लिए पहुंच रहे हैं। उसको ध्यान में रखते हुए सैकड़ो सेवा केंद्र बनाए गए हैं। जहां पर लोगों के ठहरने खाने-पीने और स्वास्थ्य संबंधी इंतजाम किया गया है। ईरान की सरकार ने अमेरिका और इजराइल को कड़ी चेतावनी दी है। यदि उन्होंने इस मौके पर कोई हरकत की तो इसका ऐसा जवाब दिया जाएगा जो अमेरिका और इजराइल ने सोचा भी नहीं होगा। शुक्रवार से शुरू हुए जनाजे के इस कार्यक्रम में जिस तरह से ईरान की जनता उमड़ रही है वह सारी दुनिया के लोगों के लिए एक आश्चर्य में डालने की तरह है।

अमेरिका और इजराइल ने जब ईरान के ऊपर हमला किया था उस समय ईरान में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन चल रहे थे। अमेरिकी शह में जो प्रदर्शन हो रहे थे, उसे देखते हुए अमेरिका को लग रहा था कि वह एक सप्ताह के अंदर ईरान में सत्ता परिवर्तन करा देगा। अमेरिका और इजराइल का यह अनुमान गलत साबित हुआ। हमले में आयतुल्लाह खामेनेई और उनके परिवार के पांच सदस्यों की हत्या होने के बाद ईरान में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई थी। सारा ईरान एकजुट हो गया। अमेरिका और इजराइल के खिलाफ जो लड़ाई ईरान ने लड़ी है, वह सारी दुनिया के लिए एक मिसाल बन गई है। आयतुल्लाह खामेनेई ने कई दशको पहले फतवा जारी कर दिया था। उनका धर्म परमाणु बम बनाने की इजाजत नहीं देता है। ईरान परमाणु बम नहीं बनाएगा। उन्होंने जो फतवा जारी किया था, शहादत होने तक उसका पालन करते हुए सारी दुनिया को एक संदेश देने की कोशिश भी की है। जिसकी चर्चा सारी दुनिया में हो रही है।

नजर आ रहे खतरे से बचाव नहीं, भूकंप से कैसे बचाएंगी सरकारें

योगेन्द्र योगी

वेनेजुएला में एक मिनट के अंदर दो बड़े विनाशकारी भूकंप में करीब दो हजार लोगों की मौत हो गई। इस प्राकृतिक आपदा में करीब 10 हजार लोग घायल हो गए। बगैर किसी चेतावनी के आने वाली भूकंप जैसी आपदाएं सरकारों को चेताती हैं कि पहले से बचाव के उपाए किए जाएं, ताकि कम से कम जानमाल का नुकसान हो सकें। भूकंप का खतरा भारत मे भी है। देश के कई हिस्सों में कई बार शक्तिशाली भूकंपों ने भारी तबाही मचाई है। सवाल यह है कि पूर्व में आए इन भूकंपों से देश की सरकारों ने कोई सबक सीखा है। क्या देश में ऐसे इंतजाम किए गए हैं कि भूकंप आने पर कम से कम जानमाल का नुकसान हो।

दरअसल भारत के राजनीतिक दलों और सरकारों से किसी भी प्राकृतिक आपदा से पहले और बाद में बचाव की ज्यादा उम्मीदें नहीं की जा सकती हैं। कारण साफ है केंद्र और राज्यों की सरकारों को सामने स्पष्ट नजर आते हुए खतरों से लोगों को बचाने का कोई इंतजाम नहीं हो, वे भूकंप जैसे छिपे हुए खतरों से कैसे बचाएंगे। दिल्ली के बाद लखनउ में आग से 15 लोगों की मौत हो गई। ऐसी लाखों इमारतें अकेले उत्तर प्रदेश में हैं, जिनमें आग से बचाने के कोई उपाय नहीं किए गए हैं। जब दिल्ली में आग लगी तभी राज्यों की सरकारों को सतर्क हो जाना चाहिए था। लेकिन सरकारों ने लोगों की जान की परवाह नहीं की। अगले ही दिन बिहार के मुजफ्फरपुर में आग ने पांच-छह मरीजों को लील लिया। इसके बाद उत्तर प्रदेश के नोएडा और फिर मध्य प्रदेश के इंदौर में आग ने फ्लैट और शोरूम खाक कर दिए। तीन दिन में आग की चार भयानक घटनाओं ने लोगों को डरा दिया है और करीब 26 लोगों की जलकर या काले धुएं की चपेट में आकर मौत हो गई है। राष्ट्रीय और राज्य स्तर के अनुमानों के अनुसार, वाणिज्यिक और आवासीय क्षेत्रों के 60 प्रतिशत से अधिक छोटे और मध्यम भवन बिना वैध फायर एनओसी के चल रहे हैं। देश भर में दमकल केंद्रों में 97.5 प्रतिशत, दमकल कर्मियों में 96.2 प्रतिशत और अग्निशमन उपकरणों में लगभग 80 प्रतिशत तक की कमी है। देश के लगभग हर बड़े शहर में सुरक्षा नियमों को दरकिनार किया जा रहा है। यह खतरा ऐसा है, जो साफ दिखाई देता है। इससे बचाव के शत–प्रतिशत इंतजाम भी किए जा सकते हैं। इसके बावजूद राज्यों और केंद्र ने पूर्व में हुए ऐसे हादसों से सबक नहीं सीखा।

ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है, सामने स्पष्ट तौर पर दिखाई दे रहे खतरे से निपटने में सरकारें नाकाम हैं तो भूंकप जैसी अचानक आने वाली आपदा और उसके भयावह रूप से सरकारें कैसे निपटेंगी। जबकि भूगर्भ वैज्ञानिक साफ चेता चुके हैं कि देश के कितने हिस्सों में कभी भी भीषण भूकंप आ सकता है। पिछले दो दशकों में देश में 10 बड़े भूकंप आए हैं, जिनमें 20,000 से अधिक लोगों की जान गई है। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट ऑथोरिटी के मुताबिक भारत में करीब 20 करोड़ इमारतें भूकंपीय क्षेत्र 4 और 5 में आती हैं। इनमें से कई इमारतें 30-40 साल पहले बनी थीं और इनमें से कई इमारतें नेशनल बिल्डिंग कोड्स का पालन नहीं करती हैं।

भूकंप संभावित क्षेत्रों में जोन-1 में भूकंप आने की आशंका सबसे कम रहती है, वहीं जोन-5 में ज्यादा प्रबल रहती है। दिल्ली-एनसीआर का इलाका सीस्मिक जोन-4 में आता है और यही वजह है कि उत्तर भारत के इस क्षेत्र में सीस्मिक गतिविधियाँ तेज रहती हैं। भूगर्भ विशेषज्ञों ने भारत के करीब 59% भू-भाग को भूकंप संभावित क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत किया है। जानकार सीस्मिक जोन-4 में आने वाले भारत के सभी बड़े शहरों की तुलना में दिल्ली में भूकंप की आशंका ज्यादा बताते हैं। गौरतलब है कि मुंबई, कोलकाता, चेन्नई और बेंगलुरु जैसे शहर सीस्मिक जोन-3 की श्रेणी में आते हैं। जबकि भूगर्भशास्त्री कहते हैं कि दिल्ली की दुविधा यह भी है कि वह हिमालय के निकट है, जो भारत और यूरेशिया जैसी टेक्टॉनिक प्लेटों के मिलने से बना था और इसे धरती के भीतर की प्लेटों में होने वाली हलचल का खमियाजा भुगतना पड़ सकता है।

नेशनल सेंटर फोर सिसमोलॉजी के मुताबिक भारत के 29 शहरों पर भूकंप का गंभीर खतरा है। इन शहरों में दिल्ली समेत नौ राज्यों की राजधानियां भी हैं। ये ज्यादातर शहर हिमालय जोन से लगे हैं। हिमालय से लगे शहर दुनियां के उन शहरों में शुमार हैं, जहां भूकंप का सबसे ज्यादा खतरा रहता है। दिल्ली, पटना, श्रीनगर, कोहिमा, पुडुच्चेरी, गुवाहाटी, गंगटोक, शिमला, देहरादून, इम्फाल और चंडीगढ़ भूकंपीय क्षेत्र के जोन चार और पांच में हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएससी) के मुताबिक ये वो शहर हैं जहां आबादी का घनत्व बहुत सघन है और ये गंगा के मैदानी भाग हैं।

इसके साथ ही वैज्ञानिकों ने यह भी कहा है कि सिस्मिक जोन-4 में आने वाली राजधानी दिल्ली भूकंप के बड़े झटके से खासा प्रभावित हो सकती है। अगर यहां 7 की तीव्रता वाला भूकंप आया तो दिल्ली की कई सारी इमारतें और घर रेत की तरह भरभराकर गिर जाएंगे। ऐसा इसलिए है, क्योंकि दिल्ली की इमारतों में इस्तेमाल होने वाली निर्माण सामग्री ऐसी है, जो भूकंप के झटकों का सामना करने में पूरी तरह से सक्षम नहीं है। दिल्ली में मकान बनाने की निर्माण सामग्री ही आफत की सबसे बड़ी वजह है। दिल्ली में 1760 से अधिक अनधिकृत कॉलोनियां हैं। इन अनधिकृत कॉलोनियों में गैर-इंजीनियरिंग इमारतें बनी हैं, जिनमें भूकंप प्रतिरोध क्षमता शायद ही हो।

भूकंप के प्रति सर्वाधिक संवेदनशील और खतरनाक माने जाने वाले जोन पांच में भारत का पूरा पूर्वोत्तर है। इनमें जम्मू-कश्मीर का कुछ हिस्सा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात के साथ उत्तरी बिहार के कुछ हिस्से और अंडमान निकोबार हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर का कुछ हिस्सा, दिल्ली, सिक्किम, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात के कुछ हिस्से और महाराष्ट्र का कुछ भाग जोन चार में हैं। गुजरात का भुज 2001 में भयावह तरीके से भूकंप की चपेट में आया था। इस भूकंप में 20 हजार लोग मारे गए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने साल 2025 में आदेश दिया था कि ऐसी सभी इमारतें, जिनमें 100 या उससे अधिक लोग रहते हैं, उनके ऊपर भूकंप-रोधी होने वाली किसी एक श्रेणी का साफ उल्लेख होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश अन्य जनहित के आदेशों की तरह सरकारी फाइलों में दफन हो गया। अग्नि दुर्घटनाओं की तरह तो नहीं पर मौटे तौर पर सरकारों को इस बात का अंदाजा है कि देश के किन इलाकों में भूकंप आ सकता है। जिस देश में साफ नजर आने वाले खतरे की नेताओं और सरकारों को परवाह नहीं, उन्हें छिपे हुए अचानक आने वाले खतरों से देश के लोगों को बचाने की क्या परवाह होगी। देश में ऐसा एक भी राज्य नहीं हैं, जहां की किसी भी तरह की इमरातें, अग्नि दुर्घटनाओं से सुरक्षित हो, या उनमें अग्नि दुर्घटना होने पर बचाव के पूरे कानूनी प्रावधान हों, ऐसे में छिपे हुए अचानक आए खतरनाक भूकंप से बचाने के लिए इंतजाम भगवान भरोसे है।

होना तो यह चाहिए था कि इतने अग्निकांडों के बाद देश में सरकारों की नींद खुल जानी चाहिए थी। देश के जितने भी व्यवसायिक या निजी इमारतें हैं, उनमें आग से बचाव के इंतजामों की तत्काल जांच की जानी चाहिए थी। आग लगने पर लोगों की जान खतरे में डालने वाले ऐसे भवनों को तत्काल सील किया जाना चाहिए था। इससे भी महत्वपूर्ण जिन विभागों की अग्निशमन के उपायों की जांच करने की जिम्मेदारी है, उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जानी चाहिए थी। एक के बाद एक अग्नि दुर्घटनाएं होती रहीं किन्तु सरकारों की नींद नही खुली।

आ गया है मानसून। मतलब खूब सारी बारिश और टर्र-टर्र करते मेंढक, मम्मी के हाथ का बना गर्म सूप और कागज की नाव तैराने का समय। ऊपर से सोने पर सुहागा यह कि स्कूल भी अभी बंद ही हैं, इसलिए तुम्हारे तो वारे-न्यारे हो गए हैं। तुम तो इस मौसम में खूब मस्ती करते हो, ये हमें पता है, पर क्या तुम्हें पता है कि जानवर-पक्षी क्या करते हैं? वो कैसे मजे करते हैं। चलो आज जरा घर से बाहर निकलें और इनकी दुनिया में चलें...

मानसून में ये भी गाते गुनगुनाते नहाते हैं..

यूं तो बारिश में ज्यादातर जानवर और पक्षी छांव वाली जगह की तलाश में रहते हैं, जहां उन पर पानी न गिरे। इसके लिए वे किसी पेड़ के तने, गुफा, पत्ते के नीचे या जमीन के नीचे चले जाते हैं। लेकिन कई जानवर इस बारिश को खूब पसंद करते हैं। खासकर कुछ खास किस्म की चिड़िया गाना गाती हैं तो कुछ पंख फैलाकर नहाती हैं। बारिश के समय मैना, कोयल खूब गाना गाती हैं। चिड़ियों को बारिश खूब पसंद होती है। वो पेड़ की डाली पर बैठकर बारिश का मजा लेती हैं। पत्तों से टपकता पानी उन्हें खूब पसंद है। लेकिन कई तरह की चिड़िया इस मौसम के आने से पहले दूसरे इलाकों में कूच कर जाती हैं। इनमें व्हाइट रफ्ड मनाकिंस खास है। अमेरिका में रहने वाली ये चिड़िया फल खाती है और दो-तीन घंटे से अधिक समय तक भोजन के बिना नहीं रह सकती। जैसे ही बारिश का मौसम आता है ये दूसरे इलाकों की ओर चली जाती हैं।

ऐसे बचाओ अपने पेट्स को

बारिश के समय तुम यह सुनिश्चित करो कि तुम्हारे पेट्स भीगें नहीं। अगर वो भीग भी गए हैं तो उन्हें तुरंत पोंछ दो। अगर उन्हें ठंड लग रही है तो किसी कंबल से ढंककर रखो। जैसे ही बारिश बंद हो तो उन्हें घुमाने कहीं बाहर ले जाओ। उनके साथ खूब खेलो, जिससे वे सुस्त न पड़ें। उनके फर और पंजों को साफ करते रहो। इस मौसम में सबसे ज्यादा जानवर बीमार होते हैं, इसलिए तुम उन पर नजर रखो। अगर उन्हें जलन-खुजलाहट हो रही है या बाल झड़ने लगे हैं तो यह इन्फेक्शन के पनपने की निशानी है। समय से वेक्सिनेशन करवाना जरूरी है।

मौसम बदलेगा, ये पहले से जान लेते हैं: भारी बारिश या तूफान आने से पहले ब्लैक कोकाटूस पहाड़ों से नीचे आना आरंभ कर देते हैं। ऐसा ये सुबह के समय करते हैं।

बिल्लियां अपने पैरों को चाटती हैं और उससे अपनी आंखों को साफ करती हैं। ऐसा माना जाता है कि बिल्ली के कान काफी तेज होते हैं और उन्हें मौसम बदलने से पहले ही कुछ ध्वनियां सुनाई देने लगती हैं, जिससे उनमें यह बदलाव आ जाता है। गाय का बछड़ा यदि ज्यादा एक्टिव दिख रहा हो तो इसका मतलब है कि बारिश आने वाली है। बछड़ा ऐसे में अपनी आंखों क ो खुजलाना आरंभ करता है। अगर कुत्ता अपनी पीठ के बल सोने लगे तो समझ लेना चाहिए कि मौसम बदल सकता है। अगर मेंढक चिल्लाने लगें तो मान लें कि 24 से 48 घंटे में बारिश गिरेगी। तोते बारिश होने से पहले खास तरह की आवाजें निकालना आरंभ कर देते हैं। कछुए अगर नदी को छोड़कर मैदानी इलाकों की ओर आएं तो समझ लीजिए कि बारिश या बाढ़ आने वाली है।

तुम्हारे लिए मस्ती का समय है ये...

स्कूल अभी कुछ दिन पहले ही खुले हैं और बारिश शुरू हो चुकी है। मतलब फुल टू मस्ती और धमाल करने का समय है ये। तुम बारिश में खूब नहा सकते हो, खेल सकते हो और चाहो तो घर की खिड़की से इसके नजारे देख सकते हो। पानी में छप-छप करना, दोस्तों को भिगोना, उन्हें छींटे मारना, नाव बनाकर तैराना कितना मजेदार होगा ना। हल्की बारिश में फुटबॉल खेलो, वॉलीबॉल खेलो, क्रिकेट खेलो और मस्ती करो। अगर मां घर से न निकलने दें तो पेंटिंग बनाओ या सूप पियो।

क्या करते हैं जानवर

तोता चुप रहता है और कोई जगह ढूंढकर वहां छिप जाता है। गिलहरी और चुहिया गर्म जगह की तलाश करते हैं और वहां से छिपकर बारिश देखते हैं। मेंढ़क, कछुए और मछली तालाब या झील के नीचे के भाग में स्थित पत्थरों में शरण लेते हैं। रेंगने वाले जीवों जैसे सांप आदि की खासियत होती है उनकी चमड़ी। चमड़ी पर प्रोटीन होता है, जिसे केरेटिन कहा जाता है। ये उनकी त्वचा को वॉटरप्रूफ बना देता है, इसलिए ये खूब नहाते हैं। ओरंगुटान किसी पेड़ के पत्तों से अपने सिर को ढंककर बैठ जाता है। पीले रंग की चिडिया अमेरिकन गोल्डफिंचेस जरा सी देर भी गीला होकर नहीं रह सकती। बारिश शुरू होते ही वह सूखी जगह की तलाश कर वहां छिप जाती है। मोर बारिश शुरू होने से पहले नाचना शुरू कर देता है। मॉरनिंग डव्स को नहाना पसंद होता है। कठफोड़वा भी खूब नहाता है। बारिश के समय मेंढक तेज आवाजें निकालता है। तोता बारिश बंद होने के बाद एक डाली से दूसरी डाली तक आता-जाता है और नाचता है।

मानसून बोलो या काल वर्षा

मानसून शब्द अरबी भाषा के शब्द 'मौसिम' से बना है। केरल में मानसून को 'काल वर्षा' कहा जाता है। 'मानसून' उन मौसमी पवनों को कहते हैं, जो ठंड में महाद्वीपों से महासागरों की ओर और गर्मी में महासागरों से महाद्वीप की ओर चलती हैं।

बारिश में भीगो पर...

बारिश में भीगने में सभी को मजा आता है। चुभती-जलती गर्मी से राहत मिलती है, प्रकृति और भी सुंदर हो जाती है। जगह-जगह बहते झरने, नदियां कितने सुंदर लगते हैं। वैसे तो मम्मी-पापा भी बारिश को पसंद करते हैं, पर जब बारी बच्चों की आती है तो मम्मी ज्यादा देर बारिश में नहाने नहीं देतीं। जल्दी से घर में आ जाओ, बारिश में मत भीगो, बस इसी बात की रट लगाये रहती हैं। उनका कहना सही भी है, क्योंकि बारिश बच्चों के लिए बीमारियों का कारण भी बन सकती है। हां, अगर तुम इन बातों को ध्यान में रखो तो तुम बारिश का मजा भी ले सकते हो और बीमार भी नहीं पड़ोगे। इस मौसम में सबसे ज्यादा मच्छर पैदा होते हैं, जो कई बीमारियों को जन्म देते हैं। इसलिए घर में पानी इकट्ठा मत होने दो। इसके लिए तुम घर में नीम की सूखी पत्तियों का धुंआ कर सकते हो। मानसून में पीने के पानी में अक्सर गंदगी आ जाती है, जो टायफाइड, कॉलरा जैसी बीमारियां फैलाती है। इसलिए पानी उबालकर ही पीएं। बाहर का खाना न खाएं। बारिश के पानी में ज्यादा देर तक मत रहो। इससे तुम्हें स्किन की बीमारियां हो सकती हैं। इसलिए तुम रेनकोट, रेनबूट पहनो और छाता लेकर ही निकलो। जब भी भीगो तो जल्दी से कपड़े बदलो। इस समय गटर या मेनहोल्स के पास मत जाओ, क्योंकि ये सभी ओवरफ्लो होते हैं। मानसून में सर्दी-जुकाम और खांसी हो जाती है। इसलिए मम्मी जो दें वो ही खाओ। नाखूनों को काटकर रखो, क्योंकि बहुत सारी बीमारियां इन नाखूनों से ही पेट के अंदर जाती हैं। इस मौसम में तुम्हें बार-बार हाथ धोने चाहिये। अगर बारिश में तुम्हारे मोजे गीले हो जाएं तो उन्हें उतार दो, नहीं तो फंगल इन्फेक्शन हो सकता है। अगर तुम्हारे घर में एसी लगा है तो नहा कर सीधे उस कमरे में मत जाना, बीमार पड़ सकते हो। गीले बिजली के तारों को मत छूना और न ही उन पर फंसी कोई चीज लोहे के डंडे से निकालने की कोशिश करना।

जानो आइसक्रीम की हिस्ट्री

बच्चों! आइसक्रीम हर किसी को ललचाती है। आज बाजार में आइसक्रीम वनीला, चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, मैंगो, पाइनऐपल आदि के स्वाद के साथ कोन, कप, स्टिक आदि के आकर्षक पैकेज में मौजूद है, लेकिन क्या आपको पता है कि आखिर तरह-तरह की वेरायटी वाली आइसक्रीम बनी कैसे, इसकी शुरुआत कब और कैसे हुई? आइए जानें इस बारे में..

वैसे यह निश्चित रूप से मालूम नहीं है कि सबसे पहले आइसक्रीम कैसे बनी और इसकी शुरुआत कैसे हुई, लेकिन एक किंवदंती के अनुसार, लगभग दो हजार साल पहले रोमन सम्राट नीरो ने अपने गुलामों से कहा था कि वे पास के पहाड़ों से बर्फ ले आयें। नीरो ने उस बर्फ में फलों का रस, शहद आदि मिलाया और उसका आनंद लिया. इसे ही आइसक्रीम की शुरुआत माना जा सकता है। समय बीतने के साथ लोग बर्फ में अन्य स्वादिष्ट चीजें मिलाकर खाने लगे और सन् 1600 तक आइसक्रीम काफी लोकप्रिय हो युकी थी। इसके बाद लोग अनेक प्रकार के प्रयोग करके इसे नया-नया रूप, आकार व स्वाद देकर और लोकप्रिय बनाते चले गये। एक बार पार्टियों में वेटर का काम करने वाले रॉबर्ट ग्रीन नामक व्यक्ति ने मजबूरीवश एक प्रयोग कर डाला। उस समय क्रीम और काबरेनेटेड पानी मिला कर एक पेय बनाया जाता था जो कई दशकों तक खासा लोकप्रिय रहा था। एक पार्टी में उस पेय के लिए क्रीम कम पड़ गई। ग्रीन ने उसकी जगह वनीला आइसक्रीम डाल दी। आइसक्रीम एक फोम के रूप में गिलास में ऊपर तक भर गई और वह घोल काफी स्वादिष्ट बन पड़ा था और जल्दी ही वह लोकप्रिय हो गया। इसे आइसक्रीम सोडा के नाम से पुकारा जाने लगा। इसी तरह के मजबूरीवश किये प्रयोगों ने अन्य प्रकार की आइसक्रीम्स को जन्म दिया।

संडे आइसक्रीम

स्मिथसन नामक व्यक्ति के पास एक छोटा-सा रेस्त्रं था, जिसमें लोग आइसक्रीम खाने अक्सर आते थे. 1890 के एक रविवार के दिन उसके रेस्त्रं में आइसक्रीम कम पड़ने लगी और दूसरी चीजें, जैसे फल, विभिन्न प्रकार की चॉकलेटें, क्रीमें आदि काफी थीं। रविवार को आइसक्रीम की आपूर्ति नहीं होती थी इसलिए स्मिथसन ने आइसक्रीम की मात्र कम कर दी तथा उसके ऊपर फल, चॉकलेट सिरप और दूसरी गाढ़ी क्रीम डालना प्रारंभ कर दिया। जब ग्राहकों ने इसकी तारीफ करना प्रारंभ कर दिया तो उसने इस आइसक्रीम का नाम संडे आइसक्रीम रख दिया। अब वह हर रविवार को संडे आइसक्रीम देने लगा। धार्मिक कारणों से कुछ लोगों द्वारा संडे नाम का विरोध करने पर स्मिथसन ने संडे आइसक्रीम में संडे की स्पेलिंग बदल डाली।

कोन वाली आइसक्रीम

कुरकुरे कोन में आइसक्रीम खाने का अलग ही आनंद है। इसकी शुरुआत भी मजबूरी में ही हुई। 1904 में सेंट लुई मेले में दो व्यक्ति खाने की वस्तुओं के काऊंटर पर अगल-बगल खड़े थे। एक पेपर की प्लेटों में आइसक्रीम बेच रहा था और दूसरा वेफर पर (पेस्ट्री जैसा लगने वाला) जिसके ऊपर चीनी के दाने चिपके हुए थे। अगस्त का महीना था और लोग धड़ाधड़ आइसक्रीम ले रहे थे। वेफर बेचने वाला मुंह ताक रहा था। तभी अचानक कागज की प्लेटें कम पड़ गईं और आइसक्रीम वाले को लगा कि अब उसे अपना काऊंटर बंद करना पड़ेगा। तभी वेफर बेचने वाला उसकी मदद के लिए आगे आया। उसने वेफल से कोन बनाया और दोनों उसमें आइसक्रीम भर कर बेचने लगे। लोगों को कुरकुरा वेफ र आइसक्रीम के साथ बहुत भाया तथा अब वह खूब बिकने लगा। 1920 तक एक-तिहाई आइसक्रीम कोन में बिकने लगी।

चॉकलेट आइसक्रीम

एक दिन क्रिश्चियन नेल्सन नामक व्यक्ति अमेरिका के आयोवा में स्थित अपनी दुकान में आइसक्रीम व चॉकलेट बेच रहा था। तभी एक बालक हाथ में सिक्के लिए दुकान में आया और आइसक्रीम की फरमाइश की। फिर उसने इरादा बदल दिया और चॉकलेट की फरमाइश कर डाली। नेल्सन को लगा कि यह बालक तभी संतुष्ट हो पायेगा जब उसे दोनों स्वाद मिलेंगे। उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस काटी तथा उसके दोनों ओर चॉकलेट की पतली परत चिपका दी और तभी चॉकलेट आइसक्रीम की खोज हो गयी। अब वह नयी चॉकलेट वाली आइसक्रीम जमाने लगा। उसने इस दिशा में अनेक प्रयोग भी कर डाले ताकि चॉकलेट उसकी आइसक्रीम से भली प्रकार चिपक जाये। उसे सफलता आसानी से नहीं मिल रही थी। तभी उसको एक सेल्समैन ने सलाह दी कि वह कोको बटर का प्रयोग करे। अब नेल्सन ने नये सिरे से प्रयोग प्रारंभ कि ये। 1920 में एक रात उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस चॉकलेट के मिश्रण में डाली। कुछ देर बाद चॉकलेट ठंडा होकर आइसक्रीम के चारों ओर जम गया। इसके साथ ही चॉकलेट लगी आइसक्रीम खासी लोकप्रिय हो गई।

बेंगलुरु में आंध्र प्रदेश के छात्र की नृशंस हत्या : बाइक सहित जिंदा जलाया

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के बाहरी इलाके सरजापुर में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां नौकरी की तलाश में आए आंध्र प्रदेश के एक छात्र की निर्मम हत्या कर दी गई। बदमाशों ने 25 वर्षीय युवक वामशी कृष्णा को उसकी बाइक सहित जिंदा जला दिया, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। यह घटना उसके माता-पिता और दोस्तों के लिए गहरे सदमे का कारण बनी है। गुंटूर निवासी वामशी कृष्णा ने हाल ही में बेंगलुरु से अपना डिप्लोमा पूरा किया था और रोजगार की तलाश में था। वह बेंगलुरु इलेक्ट्रॉनिक सिटी के एक पुराने दोस्त के वादे पर यहां आया था, जिसने वामशी को नौकरी दिलाने की बात कही थी। हालांकि, यहां पहुंचने पर उस दोस्त का मोबाइल फोन बंद मिला। परेशान वामशी ने शाम करीब 4 :45 बजे सरजापुर में अपने दोस्त को आखिरी बार फोन किया था। इसके बाद, शाम 6ः15 बजे के आसपास यह भयानक घटना हुई। एक वाहन चालक ने सड़क किनारे जलते हुए कुछ देखा और तुरंत सरजापुर पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची, तब उन्हें युवक का बुरी तरह जला हुआ शव और उसकी बाइक मिली। बदमाशों ने पेट्रोल डालकर वामशी और उसकी बाइक को आग के हवाले किया और फिर मौके से फरार हो गए। शव का पिछला हिस्सा नहीं जला था, जबकि छाती का ऊपरी हिस्सा बुरी तरह जला हुआ पाया गया, जिससे कई संदेह पैदा हो रहे हैं। बेंगलुरु ग्रामीण जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वेंकटेश प्रसन्ना ने घटनास्थल का दौरा किया। हत्या के पीछे के कारणों का पता लगाने और सबूत इकट्ठा करने के लिए विशेषज्ञों की टीम और डॉग स्क्वाड को भी मौके पर बुलाया गया है। फिलहाल, सरजापुर पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और पुलिस हत्यारों की तलाश में गहन जांच कर रही है।

ऋषिकेश में पहली बारिश बनी आफत, जलभराव ने खोली व्यवस्था की पोल

देहरादून (एजेंसी)। मॉनसून की पहली तेज बारिश ने जहां ऋषिकेश को भीषण गर्मी से राहत पहुंचाई, वहीं नगर निगम की लचर व्यवस्थाओं की पोल भी खोल दी। कुछ ही घंटों की बरसात ने शहर के प्रमुख इलाकों को जलमग्न कर दिया, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। सुबह दफ्तर जाने वाले कर्मचारी, स्कूल-कॉलेज के छात्र और रोजमर्रा के काम से निकलने वाले लोगों को जलभराव के कारण भारी परेशानी झेलनी पड़ी। कई सड़कों पर पानी इतना अधिक जमा हो गया कि गड्ढे और सड़क में फर्क करना मुश्किल था, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ गया। शहर के कई इलाकों में जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने से बारिश का पानी घंटों सड़कों पर जमा रहा, जिससे यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी हुई और कई जगह लंबा जाम लग गया, जिससे लोगों का काफी समय बर्बाद हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह हर साल की समस्या है, जिस पर प्रशासन कोई स्थायी समाधान नहीं निकाल रहा है। जलभराव के कारण कई बाजारों में भी पानी भर गया, जिससे दुकानदारों को नुकसान की आशंका सताने लगी है। नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि आने वाले दिनों में लगातार बारिश होती रही, तो हालात और भी गंभीर हो सकते हैं।

मोबाइल विवाद में नाबालिग छात्रा ने की आत्महत्या

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के बालासोर जिले से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जहां ?पिछले दिन मोबाइल फोन के एक मामूली विवाद ने एक नाबालिग लड़की की जान ले ली। गागापाल गांव में रुनू नायक (16) नाम की छात्रा ने अपने परिवार द्वारा मोबाइल छीनकर तोड़े जाने से आहत होकर कीटनाशक पी लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। यह घटना आधुनिक दौर में मोबाइल की लत के खतरनाक परिणामों पर गंभीर सवाल खड़े करती है। जानकारी के अनुसार रुनू अपने मोबाइल फोन में व्यस्त थी। उसकी इस लत से परेशान होकर मां और मामा ने उसे फोन वापस देने को कहा, लेकिन रुनू ने साफ इनकार कर दिया। बात इतनी बढ़ी कि परिवार के सदस्यों ने गुस्से में आकर उसके हाथ से फोन छीनकर तोड़ दिया। अपना पसंदीदा फोन टूटता देख रुनू इतनी आहत और क्रोधित हुई कि उसने खुद को कमरे में बंद कर लिया और वहां रखा कीटनाशक गटक लिया। जब परिवार को अनहोनी का आभास हुआ तो उन्होंने आनन-फानन में दरवाजा तोड़कर रुनू को बेहोशी की हालत में पड़ोसी जिले मयूरभंज के उदाला मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। हालांकि, तब तक बहुत देर हो चुकी थी और डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने बताया कि रुनू लंबे समय से मोबाइल का अत्यधिक इस्तेमाल कर रही थी और उसकी लत रोकने की कोशिश में यह दुखद घटना घटित हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिसने उड़ा दी सीबीएसई की नींद, उस हैकर की मंत्री ने की तारीफ

कोलकाता (एजेंसी)। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने बंगाल के युवा एथिकल हैकर निसर्ग अधिकारी की जमकर सराहना की है। निसर्ग वही प्रतिभाशाली छात्र हैं, जिसने हाल ही में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की वेबसाइट में ऑनलाइन मार्किंग सिस्टम की सुरक्षा खामियों को उजागर कर दिया था। कोलकाता में इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित एजुकेशन फॉर विकसित भारत कॉन्क्लेव में मजूमदार ने निसर्ग की इस उपलब्धि को बंगाल का टैलेंट बताया और कहा कि यह एक 10वीं पास छात्र की असाधारण विशेषज्ञता का प्रमाण है। मंत्री ने बताया कि सरकार ने निसर्ग की प्रतिभा को सही दिशा दी और उसे आईआईटी-कानपुर के साइबर सिक्योरिटी सेंटर से जोड़ा, जहाँ अब वह थ्रेट इंटेलिजेंस इंजीनियर के तौर पर काम कर रहे हैं। मजूमदार ने कहा कि निसर्ग चाहते तो किसी विरोध-प्रदर्शन का हिस्सा बन सकते थे, लेकिन सरकार ने उन्हें सीखने और देश के विकास में योगदान देने का एक बेहतर मंच प्रदान किया। निसर्ग अधिकारी तब चर्चा में आए थे जब सीबीएसई ने 12वीं के नतीजे घोषित किए थे और नए ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम का उपयोग किया था। देश भर से सैकड़ों छात्रों ने आंसर शीट धुंधली होने, पन्ने गायब होने और फिजिकल व डिजिटल कॉपी में अंतर होने की शिकायतें की थीं। इसके बाद निसर्ग ने सीबीएसई पोर्टल के सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कोड की जांच की और उसमें कई सिक्योरिटी कमजोरियों का पता लगाया, जिससे छात्रों की शिकायतों की पुष्टि हुई। उनके इस असाधारण कौशल को देखते हुए ही पिछले महीने उन्हें आईआईटी-कानपुर में नौकरी मिली। मंत्री ने निसर्ग के माता-पिता के हवाले से बताया कि वे भी अपने बेटे की क्षमताओं से हैरान थे और उसे नियंत्रित नहीं कर सकते थे, जो उत्तर बंगाल के एक बहुत ही छोटे से शहर से आता है।

असम को अब ध्रुवीकरण की जरूरत नहीं

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने किया बड़ा दावा और कहा... लोगों का आत्मविश्वास लौटा, कानून-व्यवस्था मजबूत हुई

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य की राजनीति और सामाजिक माहौल को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि असम के मूल निवासियों में आत्मविश्वास जगाने के लिए राज्य को एक ध्रुवीकरण करने वाले नेतृत्व की जरूरत थी और उन्होंने स्वयं उस भूमिका को निभाया। सरमा का दावा है कि अब राज्य में लोगों का भरोसा मजबूत हो चुका है और इसलिए आगे ध्रुवीकरण की आवश्यकता नहीं रह गई है।

मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि पहले असम के लोगों को लगता था कि उनके हितों की रक्षा करने वाला कोई मजबूत नेतृत्व नहीं है। उन्होंने कहा कि अब स्थिति बदल चुकी है और लोगों को विश्वास हो गया है कि राज्य सरकार किसी एक समुदाय का पक्ष लेने के बजाय कानून के अनुसार शासन कर रही है। उनके अनुसार, अब कोई भी असमिया समाज को आसानी से चुनौती नहीं दे सकता और कानून-व्यवस्था पहले की तुलना में अधिक मजबूत हुई है। सीएम सरमा ने कहा, मुझे नहीं लगता कि अब असम में ध्रुवीकरण की आवश्यकता है। मैंने उस खतरे को नियंत्रित कर लिया है। अब कोई भी असमिया लोगों पर उंगली नहीं उठा सकता। अब कोई मंदिरों की जमीन पर कब्जा करने या किसी लड़की को उसकी सहमति के बिना ले जाने की हिम्मत नहीं करता। जब सभी लोग कानून का पालन करने लगते हैं तो रोज इस विषय पर बोलने की जरूरत नहीं रहती।

एक बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री सरमा ने यह भी कहा कि असमिया मुसलमानों सहित राज्य के मूल निवासियों में अपने भविष्य को लेकर पहले असुरक्षा की भावना थी। उनका कहना था कि लोगों को ऐसे नेतृत्व की जरूरत थी जो उनके अधिकारों और हितों के पक्ष में खुलकर बोले। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार बनने के बाद लोगों का आत्मविश्वास बढ़ा है और अब वे स्वयं को अधिक सशक्त महसूस करते हैं। इस दौरान हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस और उसके वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस अपनी पारंपरिक मध्यमार्गी राजनीति से हटकर वामपंथी विचारधारा और जाति आधारित राजनीति की ओर बढ़ गई है। सरमा ने कहा कि कांग्रेस में अपने 22 वर्षों के राजनीतिक जीवन के दौरान उन्होंने कभी जाति आधारित राजनीति या इस प्रकार की कार्यशैली नहीं देखी थी। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पहले एक संतुलित और मध्यमार्गी दल थी, लेकिन अब उसकी वैचारिक दिशा बदल चुकी है।

उपमुख्यमंत्री शिंदे की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें ठाणे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर है और विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के चलते उन्होंने अपने सभी निर्धारित सार्वजनिक कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से लगातार राजनीतिक व्यस्तताओं और विधानमंडल के चल रहे अधिवेशन के कारण एकनाथ शिंदे पर काम का अत्यधिक दबाव था। इसी दौरान उन्हें बुखार और कमजोरी महसूस होने लगी। इसके बावजूद उन्होंने कुछ निर्धारित कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए ठाणे का दौरा किया, लेकिन स्वास्थ्य अधिक खराब होने पर उन्हें कार्यक्रम बीच में ही रद्द करने पड़े। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच के बाद शिंदे को घर पर आराम करने के बजाय अस्पताल में भर्ती होकर उपचार कराने की सलाह दी। इसके बाद शुक्रवार देर रात उन्हें ठाणे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों का कहना है कि अत्यधिक थकान, वायरल बुखार और कमजोरी के कारण उनकी तबीयत प्रभावित हुई है। हालांकि, उनकी हालत नियंत्रण में है और चिंता की कोई बात नहीं है। शिंदे की अस्वस्थता का असर राजनीतिक कार्यक्रमों पर भी पड़ा। ठाणे के गंगूबाई शिंदे हॉल में शुक्रवार को धुले से शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) की उपनेत्री शुभांगी पाटिल के पार्टी प्रवेश का कार्यक्रम प्रस्तावित था। उपमुख्यमंत्री की तबीयत खराब होने के कारण इस कार्यक्रम का समय बदलना पड़ा। बाद में देर रात करीब दो बजे कल्याण से सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे की मौजूदगी में शुभांगी पाटिल ने शिवसेना में प्रवेश किया।

बाबा बर्फानी के दर्शनों के लिए हजारों श्रद्धालु पवित्र गुफा की ओर अग्रसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा 2026 अपने शुभारंभ के बाद पूरी भव्यता के साथ जारी है। बाबा बर्फानी के दर्शनों के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पवित्र गुफा की ओर बढ़ रहे हैं। इसी कड़ी में, तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था शनिवार को बालटाल और पहलगाम स्थित दो बेस कैंपों की ओर सुरक्षित रूप से रामबन जिले में पहुंचा। कड़ी सुरक्षा के बीच गुज़र रहे काफिले के लिए रामबन प्रशासन ने सुचारु ट्रैफिक प्रबंधन, साफ-सफाई, चिकित्सा सहायता और अन्य ज़रूरी सुविधाओं का पुख्ता इंतज़ाम किया था, ताकि यात्रा निर्बाध रूप से चालू रह सके।

इसके पहले, यात्रा के दूसरे दिन 3,865 श्रद्धालुओं के दूसरे जत्थे को भगवती नगर बेस कैम्प, जम्मू से बालटाल और पहलगाम के लिए रवाना किया गया था। यह जत्था सुरक्षा के बीच दो अलग-अलग काफिलों में निकला। बालटाल मार्ग के लिए 1,735 तीर्थयात्री तड़के 3ः13 बजे रवाना हुए, जबकि पहलगाम मार्ग की ओर जाने वाले 2,130 तीर्थयात्री 3ः38 बजे निकले। इस जत्थे में 2,965 पुरुष, 618 महिलाएं, 230 साधु, 48 साध्वियां और 4 बच्चे शामिल थे, जो कुल 201 वाहनों 83 बसें, 14 मीडियम मोटर वाहन और 104 लाइट मोटर वाहन में यात्रा कर रहे थे।

वहीं, शुक्रवार को ही, दक्षिण कश्मीर में स्थित बालटाल व पहलगाम-नुनवान बेस कैम्पों से अमरनाथ यात्रियों के पहले जत्थे को तड़के रवाना किया गया। बीच-बीच में बारिश के बावजूद, पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम रूट और छोटे 14 किलोमीटर लंबे बालटाल रूट, दोनों से सुबह-सुबह यात्रा का श्रीगणेश हुआ। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को दूसरे जत्थे के रवाना होने तक, पिछले दो दिनों में कुल 8,687 तीर्थयात्री वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से कश्मीर घाटी के लिए निकल चुके हैं। यह 57 दिवसीय पवित्र तीर्थयात्रा 28 अगस्त को समाप्त होगी।

चन्नी पर भारी पड़ा हाईकमान का फैसला

पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर बढ़ी हलचल, ऑब्जर्वर पैनल की सिफारिश भी नहीं आई काम

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर लंबे समय से चल रही चर्चाओं के बीच पार्टी हाईकमान के फैसले ने नई राजनीतिक बहस को जन्म दे दिया है। सूत्रों के अनुसार, पंजाब की राजनीतिक स्थिति का आकलन करने के लिए गठित कांग्रेस के तीन सदस्यीय ऑब्जर्वर पैनल ने पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाने की सिफारिश की थी। इसके बावजूद पार्टी नेतृत्व ने मौजूदा अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को उनके पद पर बरकरार रखने का फैसला किया, जिससे संगठन के एक वर्ग में नाराजगी देखी जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, अजय माकन, मीनाक्षी नटराजन और भजन लाल जाटव की सदस्यता वाली समिति ने पंजाब के करीब 67 वरिष्ठ नेताओं से अलग-अलग मुलाकात कर उनकी राय जानी। इस दौरान कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्यों, पूर्व मंत्रियों, विधायकों, सांसदों, जिला कांग्रेस अध्यक्षों तथा वरिष्ठ नेता अंबिका सोनी सहित कई नेताओं से विस्तार से चर्चा की गई। नेताओं से विशेष रूप से पूछा गया कि क्या प्रदेश संगठन के नेतृत्व में बदलाव की आवश्यकता है। सूत्रों की मानें तो अधिकांश नेताओं ने पिछले साढ़े चार वर्षों से प्रदेश अध्यक्ष रहे राजा वड़िंग के कामकाज पर असंतोष व्यक्त करते हुए चन्नी को संगठन की कमान सौंपने की वकालत की। समिति ने नेताओं की राय को अपनी रिपोर्ट में शामिल करते हुए चन्नी को राज्य में कांग्रेस का सबसे लोकप्रिय चेहरा बताया। इससे चन्नी समर्थकों को नेतृत्व परिवर्तन की पूरी उम्मीद थी। हालांकि, कांग्रेस हाईकमान ने नेतृत्व में बदलाव के बजाय यथास्थिति बनाए रखने का निर्णय लिया। राजा वड़िंग को प्रदेश अध्यक्ष बनाए रखा गया, जबकि चरणजीत सिंह चन्नी को चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस फैसले के बाद पार्टी के कुछ नेताओं ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि नेतृत्व बदलने का इरादा नहीं था तो व्यापक स्तर पर रायशुमारी कराने का औचित्य क्या था।

वहीं, पार्टी के भीतर एक अन्य धड़ा हाईकमान के फैसले का समर्थन करता नजर आ रहा है। इस वर्ग का मानना है कि चन्नी लोकप्रिय नेता जरूर हैं, लेकिन संगठन और विधायकों के बीच उनकी वास्तविक पकड़ को लेकर अभी भी सवाल बने हुए हैं। ऐसे में आगामी चुनावी तैयारियों के दौरान यह स्पष्ट होगा कि पंजाब कांग्रेस इस फैसले के बाद कितनी एकजुट रह पाती है और आंतरिक असंतोष का पार्टी के प्रदर्शन पर क्या असर पड़ता है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर भड़के महंत, बोले- दोषियों को सीधे फांसी दे दो

अयोध्या (एजेंसी)। नवनिर्मित भव्य राम मंदिर में रामलला के चरणों में आने वाले चढ़ावे में कथित हेराफेरी के मामले ने अब एक गंभीर मोड़ ले लिया है। इस मामले पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य और प्रतिष्ठित महंत दिनेंद्र दास महाराज ने बेहद आक्रामक रुख अपनाया है। उन्होंने दोषियों के लिए सबसे कड़ी सजा की मांग करते हुए दोटूक शब्दों में कहा कि भगवान के घर में इस तरह का अपराध करने वालों को सीधे फांसी पर लटका दिया जाना चाहिए। यह बयान इस बात को दर्शाता है कि धार्मिक संस्थाओं में वित्तीय अनियमितता को कितना गंभीर अपराध माना जाता है, खासकर एक ऐसे मंदिर में जो करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र है।

इस बीच, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने इस मामले में अपनी जांच तेज कर दी है। एसआईटी ने मुख्य आरोपी अविनाश शुक्ला को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ शुरू कर दी है, ताकि वित्तीय हेरफेर के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके और गबन किए गए धन की रिकवरी की जा सके। एसआईटी की टीम राम मंदिर परिसर में पहुंचकर क्राइम सीन रीक्रिएट कर रही है, जो यह समझने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है कि चोरी कैसे और किन परिस्थितियों में हुई। महंत दिनेंद्र दास महाराज ने जांच की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया है और उन्हें भरोसा है कि स्थानीय प्रशासन पूरी ताकत से काम कर रहा है और गबन की गई राशि को पूरी तरह से वसूल लिया जाएगा। उन्होंने कहा, रामलला के यहां जांच चल रही है वो सरकार की देखरेख में हो रही है। जो चोर हैं वो जेल में पहुंच गए हैं। चोरी कम हो या ज्यादा, चोरी तो चोरी है। शासन पूरी तरह जांच कर रहा हैं। चोर अपनेआप जेल में पहुंच जाएगा। जिन्होंने रामलला के यहां ये काम किया है उन्हें फांसी दे देनी चाहिए। इस कथित चोरी ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी एक बड़ा भूचाल ला दिया है। विधानसभा में विपक्ष के नेता माता प्रसाद पांडे ने इस घटना को बेहद हैरान करने वाला बताया है और राज्य सरकार के सुरक्षा दावों पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने तर्क दिया कि चोरों और माफियाओं को खत्म करने का दावा करने वाली सरकार देश के सबसे हाई-प्रोफाइल मंदिर के चढ़ावे को सुरक्षित रखने में नाकाम रही। यह आरोप सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती है, खासकर जब मंदिर का उद्घाटन हाल ही में हुआ है और यह लगातार सुर्खियों में है। विपक्ष के इन तीखे हमलों पर पलटवार करते हुए, शिवसेना नेता शाइना एनसी ने मंदिर प्रशासन का खुलकर बचाव किया। उन्होंने कहा कि राम मंदिर आस्था का एक पवित्र केंद्र है, न कि कोई व्यावसायिक संस्था। शाइना एनसी ने जोर देकर कहा, लोगों ने जो दान दिया है, वह पब्लिक डोमेन में है।

राजभर का अखिलेश पर वार: सपा यादववादी, बहुजन सम्मान की लड़ाई जारी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजनीति में पीडीए और पिछड़ा-दलित विमर्श पर चल रही जुबानी जंग के बीच, कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव पर तीखा निशाना साधकर उनकी पार्टी को वाईपी यानी यादववादी पार्टी करार दिया है। योगी सरकार में मंत्री राजभर ने आरोप लगाया कि सपा शासन और संगठन में बहुजन और अति पिछड़ी जातियों के साथ वर्षों से भेदभाव और उत्पीड़न होता रहा है। सुभासपा मुखिया राजभर ने स्पष्ट किया कि दलितों और पिछड़ों के सम्मान की लड़ाई में उन्हें चाहे जितनी भी गालियां क्यों न सहनी पड़ें, वे पीछे नहीं हटने वाले है। उन्होंने सार्वजनिक मंचों पर गाली-गलौज की भाषा को अनुचित बताकर सपा प्रमुख के चाचा शिवपाल सिंह यादव पर भी कटाक्ष किया। राजभर ने कहा कि अखिलेश ने ही शिवपाल को यादवनीति की गलत घुट्टी पिलाई है। एक्स पर पोस्ट कर राजभर ने आरोप लगाया कि अखिलेश की यादववादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पाल, प्रजापति, बिंद, केवट, मल्लाह, राजभर, निषाद, मांझी, दर्जी, तेली, लोनिया, फकीर और बंजारा जैसी बहुजन जातियों के सम्मान को सदियों से दबाया है। उन्होंने पीडीए का अपना अर्थ बताकर कहा कि गांवों में अखिलेश के स्वजातीय, बहुजन महिलाओं और पुरुषों के साथ पीट देगा अहीर जैसा व्यवहार करते आए हैं। राजभर ने अखिलेश को चुनौती देकर कहा, जितना मन हो हमें गाली दिलवा लीजिए, पिटवा लीजिएज्पर हम हार नहीं मानने वाले है। हम गाली और लाठी खा लेने वाले हैं, लेकिन अपना हिसाब जरूर करने वाले है। उन्होंने मेरठ में दलित-पिछड़ों के अपमान और पूर्व मंत्री प्रभु दयाल वाल्मीकि जैसे नेताओं के हक की बात उठाकर कहा कि इन मुद्दों पर आवाज उठाना बंद नहीं करने वाले हैं, भले ही इसके लिए उन्हें गालियां मिलती रहें। उन्होंने अखिलेश को अपने चाचा शिवपाल को भजन सिखाने की सलाह भी दी, क्योंकि गाली-गलौज की भाषा उनकी उम्र के हिसाब से ठीक नहीं है।

राहुल गांधी धृतराष्ट्र, जीतू पटवारी दुर्योधन : कांग्रेस नेता यादव ने पार्टी छोड़ी

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश कांग्रेस के पूर्व महासचिव राकेश सिंह यादव ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। इंदौर में एक प्रेसवार्ता में अपने इस्तीफे की घोषणा कर यादव ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर तीखा हमला बोलकर कहा कि वे इस पद के लायक नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पटवारी ने पार्टी को कमजोर किया है और प्रदेश कांग्रेस में संगठनात्मक पद पैसे के बदले मिल रहे थे।

यादव ने बताया कि उन्हें हाल ही में मौन सत्याग्रह के दौरान मीडिया डिबेट में शामिल होने के लिए नोटिस भेजा गया था। पार्टी ने सभी पदाधिकारियों को मुख्यमंत्री मोहन यादव पर 500 करोड़ रुपये के ट्रस्ट घोटाले के आरोपों पर चुप्पी साधने का निर्देश दिया था। राकेश सिंह यादव ने दावा किया कि उन्हें बताया गया था कि पटवारी ने ऐसी किसी भी बहस पर रोक लगा दी थी, और इसका मतलब है कि मुख्यमंत्री यादव पर उनके आरोप झूठे थे क्योंकि उनके पास कोई सबूत या दस्तावेज नहीं थे।

कांग्रेस के पूर्व नेता ने पटवारी पर राज्य इकाई का नेतृत्व करने की क्षमता न होने का आरोप लगाया। उन्होंने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व पर भी निशाना साधकर कहा कि उन्होंने मध्य प्रदेश इकाई के कामकाज को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कई पत्र लिखे थे, लेकिन कभी कोई जवाब नहीं मिला। नाराज नेता यादव ने आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को इस बारे में पता है लेकिन वह दखल नहीं देते। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह आंखों पर पट्टी बांधे धृतराष्ट्र की तरह हैं और उन्होंने जीतू पटवारी जैसे दुर्योधन पैदा किए हैं।

अपने इस्तीफे पर उन्होंने कहा कि उन्होंने मीडिया के सामने सार्वजनिक रूप से इसकी घोषणा कर दी है। लेकिन जब यादव से भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बारे में पूछने पर यादव ने कहा कि फिलहाल उनकी किसी भी पार्टी से कोई बातचीत नहीं हुई है, लेकिन अगर उन्हें कोई ऐसा मौका मिलता है, तब मैं उस पर विचार करुंगा।

बसों में भीषण आग के हादसों में जा रही यात्रियों की जान, क्यों हो रही ऐसी घटनाएं?

-विशेषज्ञों ने कहा- बसों में इमरजेंसी एग्जिट, आपातकालीन खिड़की, विंडो हैमर जरुरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के दौसा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे हुए भीषण बस हादसे ने एक बार फिर लंबी दूरी की यात्री बसों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हरिद्वार से इंदौर जा रही एक स्लीपर बस ट्रक से टकराने के बाद आग की चपेट में आ गई। हादसे के समय बस में करीब 37 यात्री सवार थे। दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 22 यात्री घायल हुए हैं। यह घटना देर रात हुई। टक्कर के बाद बस में आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरी बस जलकर खाक हो गई। घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह कोई अकेली घटना नहीं है। पिछले कुछ महीनों में देश के कई राज्यों में बसों में आग लगने की कई घटनाएं सामने आई हैं। अक्टूबर 2025 में राजस्थान के जैसलमेर में विद्युत प्रणाली में खराबी के कारण बस में आग लगने से 22 लोगों की मौत हो गई थी। इसी महीने आंध्र प्रदेश के कुरनूल में बाइक से टक्कर के बाद बस में भीषण आग लग गई, जिसमें कई यात्रियों की जान चली गई। मार्च 2026 में आंध्र प्रदेश के मार्कापुरम में बस और टिप्पर की टक्कर के बाद लगी आग में भी कई लोगों की मौत हो गई थी। इन हादसों ने यात्री सुरक्षा से जुड़े मानकों की प्रभावशीलता पर गंभीर बहस छेड़ दी है।

विशेषज्ञों के मुताबिक ऐसे हादसों के पीछे इलेक्ट्रिकल शॉर्ट सर्किट, इंजन का अत्यधिक गर्म होना, आपातकालीन दरवाजों का समय पर न खुलना और बसों के अंदर ज्वलनशील सामग्री का उपयोग प्रमुख कारणों में शामिल हैं। उनका मानना है कि यदि आधुनिक सुरक्षा तकनीकों को अनिवार्य किया जाए तो ऐसी घटनाओं में जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

सुरक्षा विशेषज्ञों का सुझाव है कि विशेष रूप से निजी इंटरसिटी स्लीपर बसों में ऑटोमैटिक फायर डिटेक्शन और फायर सप्रेशन सिस्टम अनिवार्य किए जाने चाहिए। इंजन, बैटरी और इलेक्ट्रिकल सिस्टम में आग लगते ही यह तकनीक शुरुआती स्तर पर आग पर काबू पाने में मदद कर सकती है। इसके अलावा बसों के इंटीरियर में फ्लेम-रिटार्डेंट यानी आग के प्रसार को रोकने वाली सामग्री का इस्तेमाल भी जरूरी माना जा रहा है।

विशेषज्ञों ने कहा कि बसों में इमरजेंसी एग्जिट, आपातकालीन खिड़कियों और विंडो हैमर की स्पष्ट पहचान होनी चाहिए। यात्रा शुरू होने से पहले यात्रियों को सुरक्षा संबंधी संक्षिप्त जानकारी देना भी जरुरी है। बसों के दरवाजों की नियमित जांच, चालक दल को अग्निशमन प्रशिक्षण, निर्धारित गति सीमा का पालन और एक्सप्रेसवे पर रात के समय लंबी दूरी की बसों की सख्त निगरानी जैसी व्यवस्थाएं भी हादसों की गंभीरता कम कर सकती हैं। सड़क परिवहन व्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए सरकार, परिवहन विभाग और बस संचालकों को मिलकर व्यापक और स्थायी सुधार लागू करने होंगे, ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

राधानगर में बड़ी सेंधमारी, बंद घर से लाखों के जेवर और नकदी पर किया हाथ साफ

बिभा संवाददाता

राधानगर । राधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत राधानगर गांव में एक बंद मकान से अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। अज्ञात चोरों ने दरवाजा का ताला तोड़कर कमरा के अंदर घुसकर करीब 3.55 लाख रुपये नगदी सहित 21 लाख रुपये के आभूषण की चोरी कर फरार हो गया। मामले को लेकर पीड़िता सीमा शर्मा ने राधानगर थाना में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। दिए गए आवेदन में बताई है कि बीते 15 मई को वे अपनी पुत्री को परीक्षा दिलाने के लिए दिल्ली गई थी तथा घर में उनकी मां उर्मिला कर्मकार,बड़ी बहन ऊषा भारस्कर और मंजली बहन उमा दत्ता रह रही थी। इसके बाद 25 जून को तीनों अपने-अपने घर चली गई। साथ ही बताया कि 25 जून से 1 जुलाई तक पूरा मकान बंद पड़ा था। बीते 2 जुलाई को दिल्ली से वापस लौटे तो घर के मुख्य दरवाजा का ताला टूटा मिला एवं अंदर अलमारी और बक्सों के ताले टूटे पड़े थे। कमरा के अंदर सभी सामान बिखरा पड़ा हुआ था। जांच में पता चला कि चोरों ने अलमारी और बक्सों में रखे 21 लाख के सोने के जेवरात और 3.55 लाख नगद गायब है। मामले को लेकर राधानगर पुलिस ने पीड़िता के बयान पर थाना कांड संख्या 236/26 सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। फिलहाल राधानगर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

चार दिन तक बंद घर में पड़ा रहा युवक का शव, दुर्गंध ने खोला मौत का राज

राजमहल के पुन्नी टोला में अकेले रहने वाले मानसिक रूप से अस्वस्थ युवक की संदिग्ध मौत, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

बिभा संवाददाता

राजमहल । राजमहल थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या-4 स्थित पुन्नी टोला में शनिवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब एक बंद घर से उठ रही तेज दुर्गंध ने चार दिन पुरानी एक दर्दनाक कहानी का पदार्फाश कर दिया। घर के अंदर 38 वर्षीय फरहान अहमद अंसारी उर्फ गुल्लाह का शव बरामद हुआ, जो कई दिनों से लापता था और घर में अकेले रहता था। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि दोपहर के समय घर से लगातार तेज बदबू आने लगी। संदेह होने पर इसकी सूचना राजमहल थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही एसआई रवि कुमार झा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घर का दरवाजा खोलकर जांच की गई तो एक कमरे में फरहान का शव निर्वस्त्र अवस्था में पड़ा मिला, जो सड़ने लगा था। वहीं मृतक की पहचान इकबाल अहमद अंसारी के पुत्र फरहान अहमद अंसारी उर्फ गुल्लाह के रूप में हुई। परिजनों और मोहल्लेवासियों के अनुसार, फरहान मानसिक रूप से अस्वस्थ था, अविवाहित था और लंबे समय से घर में अकेले रह रहा था। पिछले चार दिनों से उसे किसी ने नहीं देखा था, लेकिन किसी को उसके घर के भीतर हुई इस घटना की भनक तक नहीं लगी। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल भेज दिया है। वहीं थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने बताया कि यूडी केस दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी संभावित पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

उधवा (बिभा)। राधानगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बीते शुक्रवार की रात्रि को थाना क्षेत्र के फुदकीपुर महाजन टोली में छापेमारी कर एक एनबीडब्ल्यू वारंटी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए वारंटी निखिल मंडल को पुलिस ने शनिवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। इस संदर्भ में थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि जीआर नंबर 226/23 के एनबीडब्ल्यू वारंटी महाजन टोली फुदकीपुर निवासी निखिल मंडल को गिरफ्तार किया गया है। उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

राजमहल व राधानगर में करंट की दो अलग-अलग घटनाओं में किशोरी समेत दो घायल, अस्पताल में इलाज जारी

राजमहल(बिभा) । राजमहल और राधानगर थाना क्षेत्र में शनिवार को करंट लगने की दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में एक 14 वर्षीय किशोरी समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के अनुसार, फिलहाल दोनों की स्थिति खतरे से बाहर है ।वही पहली घटना राजमहल थाना क्षेत्र के शोभापुर गांव की है। जानकारी के अनुसार, गंगाराम मंडल की पुत्री ज्योति कुमारी (14) शनिवार को घर में मिक्सर ग्राइंडर का स्विच ऑन कर रही थी। इसी दौरान मिक्सर के कटे हुए बिजली के तार के संपर्क में आने से उसे तेज करंट का झटका लगा। हादसे में वह गंभीर रूप से झुलस गई। परिजनों ने तत्काल उसे इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। वही दूसरी घटना राधानगर थाना क्षेत्र के प्यारपुर गांव में सामने आई। यहां 38 वर्षीय फातिमा बीबी अपने घर में बिजली संबंधी काम कर रही थीं, तभी अचानक वह करंट की चपेट में आ गईं। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों ने आनन-फानन में उन्हें अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया और भर्ती कराया। वही अस्पताल में मौजूद ड्यूटी डॉक्टर सादिक अंसारी ने जानकारी देते हुए बताया कि दोनों घायलों का उपचार किया जा रहा है और उनकी स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर है। दोनों मामलों को लेकर अस्पताल प्रशासन द्वारा स्थानीय पुलिस को भी सूचना दे दी गई है।

छत पर काम के दौरान हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया मजदूर, गंभीर हालत में भागलपुर रेफर

राजमहल(बिभा) । राजमहल प्रखंड क्षेत्र के बेलदारचक चौक के समीप शनिवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। मकान की छत पर निर्माण कार्य के दौरान हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से राजमहल थाना क्षेत्र निवासी चंदन रविदास 25 वर्ष गंभीर रूप से झुलस गए। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चंदन रविदास राजमिस्त्री के साथ छत पर निर्माण कार्य कर रहे थे। इसी दौरान उनके हाथ में मौजूद लोहे की छड़ ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गई, जिससे तेज करंट लगने से वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। हाईटेंशन लाइनों के संपर्क में आने से ऐसे हादसे बेहद गंभीर हो सकते हैं। इधर घटना के बाद आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, तालझारी पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए भागलपुर रेफर कर दिया। वहीं घटना के बाद इलाके में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य के दौरान हाईटेंशन बिजली लाइनों के पास विशेष सतर्कता बरतने और सुरक्षा उपायों को लेकर जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

वोटर लिस्ट से कोई भी मतदाता न छूटे, सरकारी योजनाओं का लाभ हर योग्य व्यक्ति तक पहुंचाएं: के. राजू

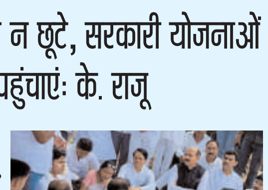

पलामू(बिभा) : झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू का पलामू दौरा, पांकी और तरहसी प्रखंडों में ग्रामीणों के साथ की सघन समीक्षा बैठक। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, विधायक सुरेश बैठा और पूर्व मंत्री के.एन. त्रिपाठी सहित कई दिग्गज नेता रहे मौजूद। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी श्री के. राजू ने पलामू जिला के अपने संगठनात्मक दौरे के दौरान मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर पांकी प्रखंड के ग्राम पंचायत पकड़िया और तरहसी प्रखंड के तरिया गाँव का सघन दौरा किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों और कांग्रेस कार्यकताओं के साथ एक विस्तृत और सार्थक चर्चा की। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश प्रभारी श्री के. राजू ने कांग्रेस के बूथ लेवल एजेंटों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि क्षेत्र के एक भी योग्य मतदाता का नाम वोटर लिस्ट से छूटना नहीं चाहिए। बीएलए हर घर तक पहुँचें और ग्रामीणों को फॉर्म भरने में उनका पूरा सहयोग करें, ताकि सभी के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा हो सके। चर्चा के दौरान श्री के. राजू ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर सरकार द्वारा चलाई जा रही महत्वाकांक्षी और विकास योजनाओं की जमीनी हकीकत जानी। उन्होंने प्रखंड एवं पंचायत अध्यक्षों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि सरकार की किसी भी जनकल्याणकारी योजना से क्षेत्र का कोई भी गरीब या योग्य व्यक्ति वंचित न रहे। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में मुख्य रूप से पलामू लोकसभा प्रभारी सह कांके विधायक सुरेश बैठा, पलामू जिला प्रभारी विनय सिंहा दीपू, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, पूर्व मंत्री के.एन. त्रिपाठी, पलामू जिला अध्यक्ष बिमला कुमारी सहित संबंधित प्रखंडों के अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष और भारी संख्या में स्थानीय ग्रामीण व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राधानगर थाना क्षेत्र के नुराई गांव की घटना, छानबीन में जुटी पुलिस

हत्या मामले में तीन आरोपित गिरफ्तार, जेल

बिभा संवाददाता

उधवा । राधानगर थाना क्षेत्र के मोहनपुर पंचायत अंतर्गत नुराई गांव में बीते बुधवार को एक 35 वर्षीय व्यक्ति ढाप सोरेन की मारपीट कर हत्या कर दी गई। इस मामले में मृतक के भतीजा प्रेम सोरेन के लिखित आवेदन के आधार पर राधानगर थाना में तीन लोगों पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने छापेमारी कर तीन नामजद आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपितों को पुलिस ने शनिवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार बीते बुधवार को एक 35 वर्षीय व्यक्ति ढाप सोरेन को मारपीट कर गंभीर रूप जख्मी कर दिया था। परिजनों के द्वारा उक्त व्यक्ति को इलाज हेतु भागलपुर ले गए। हालांकि इलाज के दौरान उक्त व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। इस मामले में मृतक के भतीजा प्रेम सोरेन के बयान पर थाना कांड संख्या 239/26 धारा 127(2)/115(2)/117(2)/103(1)/329(3)/3(5) बीएनएस के तहत नुराई निवासी मानवेल हेम्ब्रोम,पश्चिम बंगाल के मालदा निवासी सिमोन मुर्मू तथा नुराई निवासी सबिता हेम्ब्रोम के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीनों नामजद आरोपितों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। फिलहाल राधानगर पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

10 जुलाई से शुरू होगा केमिस्ट संगठन का सदस्यता अभियान, जिलेभर में बनेगी दो टीमें

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। साहेबगंज जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट संगठन की कार्यकारिणी बैठक शनिवार को जिला परिषद परिसर स्थित संगठन के जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष अनूप कुमार सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन को अधिक मजबूत और व्यापक बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि 10 जुलाई से पूरे जिले में वार्षिक सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए संगठन ने दो अलग-अलग टीमों का गठन किया है। पहली टीम बरहरवा, कोटालपोखर, उधवा और राजमहल क्षेत्र में सदस्यता अभियान संचालित करेगी, जबकि दूसरी टीम साहेबगंज, मिजाचौकी, मंडरो, तालझारी, महाराजपुर, सकरीगली और तीनपहाड़ समेत अन्य इलाकों में दवा व्यवसायियों से संपर्क कर उन्हें संगठन से जोड़ेगी। वहीं जिला अध्यक्ष अनूप कुमार सिंह ने कहा कि संगठन का उद्देश्य जिले के प्रत्येक दवा व्यवसायी को एक मंच पर लाना है, ताकि उनकी समस्याओं का सामूहिक समाधान हो सके और व्यवसाय से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जा सके।

जिला सचिव कृष्ण प्रसाद भगत ने सभी दवा व्यवसायियों से सदस्यता अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि सभी व्यवसायी संगठन के दिशा-निदेर्शों का पालन करें तथा सरकार के नियमों और औषधि व्यवसाय से संबंधित प्रावधानों का अनुपालन करते हुए निर्भीक होकर अपना कारोबार संचालित करें। मौके पर उपाध्यक्ष नवल किशोर मंडल, सह सचिव महेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रंजीत कुमार, कार्यकारिणी सदस्य चंदन योगी, दीप नारायण कुशवाहा, सुनील महतो, गौरव रामेश्वरम, वसीम अंसारी सहित संगठन के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

उपायुक्त ने तोपचांची से एमएनसीयू आए परिजनों से लिया फीडबैक

धनबाद(बिभा) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री आदित्य रंजन ने आज एमटीसी सभागार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम से पहले एमएनसीयू वार्ड में भर्ती बच्चों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं और चिकित्सा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उपायुक्त ने विशेष रूप से तोपचांची प्रखंड से इलाज के लिए आए एक नवजात शिशु के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने परिजनों से सीधे बातचीत कर अस्पताल द्वारा दिए जा रहे इलाज, दवाओं की उपलब्धता और चिकित्सा कर्मियों के व्यवहार के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। परिजनों ने उपायुक्त को बताया कि बच्चे को समय पर चिकित्सा सुविधा मिल रही है और डॉक्टर लगातार उसकी निगरानी कर रहे हैं। उपायुक्त ने कहा कि एमएनसीयू में आने वाले हर बच्चे को उच्च स्तरीय चिकित्सा देने का निर्देश दिया गया है। साफ-सफाई, जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता और अन्य व्यवस्था में कोई कमी नहीं होने देने का भी निर्देश दिया है।

राजमहल में सांप काटने की दो अलग-अलग घटनाओं में दो महिलाएं घायल

बिभा संवाददाता

राजमहल। राजमहल थाना क्षेत्र में शनिवार को सांप के काटने की दो अलग-अलग घटनाएं सामने आईं, जिसमें दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों महिलाओं को परिजनों ने तत्परता दिखाते हुए राजमहल अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने समय पर इलाज शुरू कर दोनों की जान बचाने में अहम भूमिका निभाई। वही पहली घटना मंगलहाट प्रखंड के मेंहदीपुर गांव में हुई। यहां 45 वर्षीय शकुंतला देवी अपने घर के बाहर पोखर में स्नान कर रही थीं। तभी अचानक एक जहरीले सांप ने उनके पैर में काट लिया। उनकी चीख सुनकर परिजन मौके पर दौड़े और बिना कोई समय गंवाए उन्हें राजमहल अनुमंडल अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में उपस्थित चिकित्सक ने उन्हें तुरंत भर्ती कर उचित इलाज शुरू किया। साथ ही वही दूसरी घटना राजमहल थाना क्षेत्र के हाफुटोला इलाके में हुई। मुजम्मिल शेख की 26 वर्षीय पत्नी हेना बीबी घर में ही दैनिक कार्य कर रही थीं। इसी दौरान एक सांप ने उन्हें काट लिया, जिससे वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ीं। परिजनों ने सूझबूझ दिखाते हुए उन्हें तुरंत अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। वही अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद डॉ. सादिक अंसारी ने बताया कि दोनों महिलाओं को समय पर अस्पताल पहुंचाने के कारण उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर है। उन्होंने कहा कि दोनों मरीजों को आवश्यक दवाएं और सीरम दिए जा रहे हैं। डॉ. अंसारी ने लोगों से अपील की कि सांप काटने पर घबराएं नहीं, बल्कि जल्द से जल्द नजदीकी अस्पताल पहुंचें, क्योंकि समय पर इलाज से जान बचाई जा सकती है। वही गौरतलब है कि बरसात के मौसम में सांप निकलने की घटनाएं बढ़ जाती हैं, ऐसे में सावधानी बरतना अत्यंत जरूरी है। फिलहाल दोनों महिलाओं को अस्पताल में निगरानी में रखा गया है और उनके स्वास्थ्य में सुधार होने की खबर है। परिजनों ने डॉक्टरों के प्रति आभार जताया और क्षेत्र में सांपों से बचाव के उपायों की मांग भी उठाई।

आवास निर्माण में लापरवाही पर बीडीओ सख्त, 15 जुलाई तक काम शुरू नहीं होने पर होगी कानूनी कार्रवाई

बिभा संवाददाता

तालझारी। तालझारी प्रखंड कार्यालय स्थित सीओ कार्यालय प्रकोष्ठ में शनिवार को सीओ सह बीडीओ राम सुमन प्रसाद की अध्यक्षता में अबुआ आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मनरेगा योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड क्षेत्र में संचालित आवास एवं मनरेगा योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। वहीं बैठक के दौरान अबुआ आवास योजना में लापरवाही बरतने वाले लाभुकों के मामले पर विशेष चर्चा हुई। बीते दिनों 66 लाभुकों के विरुद्ध थाना में सन्हा दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया गया था, जिनमें तालझारी थाना क्षेत्र के 36 तथा तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के 30 लाभुक शामिल हैं। इन सभी लाभुकों को 4 जुलाई को प्रखंड कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया गया था। वहीं निर्धारित तिथि पर करीब 30 लाभुक प्रखंड कार्यालय पहुंचे और अपना पक्ष रखा। इस दौरान सीओ सह बीडीओ राम सुमन प्रसाद ने लाभुकों को कड़ी फटकार लगाते हुए 15 जुलाई तक हर हाल में आवास निर्माण कार्य शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि निर्धारित समय सीमा तक कार्य प्रारंभ नहीं हुआ तो संबंधित लाभुकों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं समीक्षा बैठक में मनरेगा के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों की गति और गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। बीडीओ ने निर्देश दिया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम पांच योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तथा अधिक से अधिक मानव दिवस का सृजन किया जाए। मौके पर बीपीओ रजनीश पराशर, मो. इमतियाज सहित प्रखंड के रोजगार सेवक एवं अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

राजमहल व तीनपहाड़ में जहरीला पदार्थ खाने की दो अलग-अलग घटनाएं, एक की हालत नाजुक

बिभा संवाददाता

राजमहल। शनिवार का दिन राजमहल अनुमंडल के लिए बेहद दर्दनाक रहा, जब अलग-अलग थाना क्षेत्रों में भूलवश जहरीला पदार्थ खाने की दो घटनाओं ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। दोनों मामलों में पीड़ितों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिससे परिजनों में अफरा-तफरी का माहौल है। हालांकि, समय रहते परिजनों की सतर्कता ने दोनों की जान बचाने में अहम भूमिका निभाई।

पहली घटना: राजमहल थाना क्षेत्र के मंगलहाट में महिला ने खाया जहर

पहली घटना राजमहल थाना क्षेत्र के मंगलहाट गांव की है, जहां आशीष महलदार की 20 वर्षीय पत्नी पंचमी देवी ने अनजाने में घर में रखे गए जहरीले पदार्थ को खा लिया। बताया जा रहा है कि घर में किसी काम के लिए रखा यह पदार्थ खाने के कुछ ही मिनटों बाद उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। उल्टी और चक्कर आने के बाद परिजनों ने तत्परता दिखाते हुए बिना देरी किए उन्हें राजमहल अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल, डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार जारी है और हालत अब कुछ स्थिर बताई जा रही है।

दूसरी घटना: तीनपहाड़ के युवक ने कीड़ामार गोली खाई, रेफर

वहीं, दूसरी घटना तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के छोटा खुटहरी गांव में हुई। यहां 26 वर्षीय लालचन मल्लिक ने गेहूं में कीड़े की रोकथाम के लिए इस्तेमाल होने वाली सल्फास की गोली को भूलवश निगल लिया। जहरीले प्रभाव से उनकी हालत गंभीर हो गई, जिसके बाद परिजन उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद मौजूद चिकित्सक डॉ. सादिक अंसारी ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया, जहां उनका इलाज जारी है।

पुलिस को दी गई सूचना, मामले की जांच जारी

दोनों घटनाओं की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है और घरों में रखे जहरीले पदार्थों की उपलब्धता के कारणों की पड़ताल कर रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ऐसे पदार्थों को घरों में सुरक्षित रखने के प्रति जागरूकता अभियान चलाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी कोई दुर्घटना न हो।

डॉक्टरों की सलाह: जहरीले पदार्थ को बच्चों और नासमझ लोगों की पहुंच से दूर रखें

चिकित्सकों ने आम लोगों को सचेत करते हुए कहा है कि कीटनाशक, सल्फास व अन्य जहरीले रसायनों को हमेशा सुरक्षित स्थान पर रखें और उन्हें खाने-पीने की चीजों से अलग रखें। घर में छोटे बच्चे या बुजुर्ग हैं, तो विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और समय गंवाए बिना पीड़ित को अस्पताल पहुंचाएं।

अभिभावक-शिक्षक संवाद से शिक्षा को नई दिशा, छात्राओं के शत-प्रतिशत ठहराव पर जोर

बिभा संवाददाता

तालझारी । तालझारी प्रखंड क्षेत्र के सभी सरकारी विद्यालयों एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में शनिवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य छात्र-छात्राओं की शत-प्रतिशत उपस्थिति एवं ठहराव सुनिश्चित करने के साथ अभिभावकों को शिक्षा के प्रति जागरूक बनाना रहा। वहीं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में आयोजित बैठक का शुभारंभ मुख्य अतिथि बीपीओ सुनील टुडू, विद्यालय की शिक्षिकाओं एवं वार्डन ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान अभिभावकों से बच्चों की नियमित पढ़ाई, विद्यालय से जुड़ाव और शिक्षा के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। वहीं बीपीओ सुनील टुडू ने कहा कि सरकार के निदेर्शानुसार प्रत्येक विद्यालय में नियमित रूप से अभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित की जा रही है, ताकि विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो सके। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता तभी बेहतर होगी, जब अभिभावक भी बच्चों की पढ़ाई में सक्रिय भागीदारी निभाएंगे। साथ ही उन्होंने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि यहां छात्राओं को शिक्षा के साथ खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम और नाट्य गतिविधियों के माध्यम से भी व्यक्तित्व विकास के अवसर दिए जा रहे हैं। यह पहल छात्राओं में आत्मविश्वास और सीखने की रुचि बढ़ाने में सहायक है। साथ ही उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि अधिकांश छात्राएं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आती हैं, इसलिए उन्हें अपने बच्चों की तरह स्नेह और जिम्मेदारी के साथ शिक्षा दें। उन्होंने विश्वास जताया कि शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यालय के सामूहिक प्रयास से प्रखंड शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित करेगा।

आखिरी दिन प्रज्ञानंद ने मारी बाजी, लगातार तीन जीत के दम पर संयुक्त नंबर-1 बने भारतीय स्टार

जैग्रेब (क्रोएशिया)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशियाई चरण के रैपिड सेक्शन के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने आखिरी दिन लगातार तीन मैच जीतकर कुल 12 अंकों के साथ फ्रांस के फिरौज्जा अलीरेजा के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल कर लिया है। दूसरे दिन के खेल के बाद प्रज्ञानंद थोड़ा पिछड़ गए थे, लेकिन उन्होंने आखिरी तीन दौर के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ खेल बचाकर रखा था। उन्होंने क्रोएशिया के इवान सारिक, रोमानिया के डीक बोग्डन-डेनियल और नीदरलैंड के अनीश गिरी को शिकस्त देकर अलीरेजा की बराबरी की।

इस प्रतियोगिता के रैपिड सेक्शन में फ्रांस के मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने भी बेहतरीन अंत किया। ये दोनों खिलाड़ी 11 अंकों के साथ शीर्ष पर मौजूद दोनों लीडर्स के बेहद करीब बने हुए हैं। वहीं, भारत के विश्व चैंपियन डी गुकेश और जर्मनी के विंसेंट कीमर भी 10-10 अंकों के साथ उनके ठीक पीछे मजबूती से डटे हुए हैं।ब्लिट्ज सेक्शन में अभी 18 दौर के मुकाबले खेले जाने बाकी हैं। फिलहाल, अनीश गिरी आठ अंकों पर हैं और वह डीक बोग्डन-डेनियल तथा नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरेस्ट से एक पूरा अंक आगे हैं। इसके विपरीत, इवान सारिक के खाते में केवल दो अंक हैं और वह अंक तालिका में सबसे आखिरी स्थान पर हैं।

प्रज्ञानंद ने आखिरी तीन राउंड में विपक्षी दिग्गजों को कैसे मात दी

प्रज्ञानंद के लिए दिन की शुरुआत बेहद सकारात्मक रही। टूर्नामेंट में संघर्ष कर रहे इवान सारिक के खिलाफ शुरुआती चालों के बाद ही भारतीय खिलाड़ी मजबूत स्थिति में आ गए थे। कारो-कैन डिफेंस की वजह से प्रज्ञानंद को शुरुआत से ही सक्रिय स्थिति मिल गई थी। हालांकि इसे जीत में बदलने में लंबा समय लगा, लेकिन प्रज्ञानंद का खेल पर पूरा नियंत्रण बना रहा। दूसरे मुकाबले में प्रज्ञानंद ने पेट्रोफ डिफेंस का सामना करते हुए डीक बोग्डन-डेनियल की रक्षापंक्ति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। खेल की 15वीं चाल तक ही परिणाम की तस्वीर साफ होने लगी थी। रोमानियाई खिलाड़ी ने जल्द ही अपना एक मोहरा गंवा दिया और वह मुकाबले में दोबारा वापसी नहीं कर सके।दिन के आखिरी मैच में प्रज्ञानंद ने आम तौर पर मजबूत माने जाने वाले अनीश गिरी के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने कैटलन ओपनिंग के जरिए एक प्यादा जीता और फिर बेहतरीन टैक्टिकल सूझबूझ दिखाते हुए मैच को कुशलता से समाप्त किया। यह मुकाबला महज 34 चालों में ही खत्म हो गया।

विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए यह दिन कुछ अलग साबित हुआ

प्रज्ञानंद के विपरीत, सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए यह दिन थोड़ा अलग और मिलाजुला रहा। वह अपने तीनों मुकाबले ड्रॉ ही खेल सके, जिसके कारण वह शीर्ष रेस में थोड़े पीछे रह गए। अब्दुसत्तोरोव, कीमर और अलीरेजा इन तीनों ही खिलाड़ियों ने गुकेश के साथ अंक बांटे।

रैपिड सेक्शन के 9 दौर के बाद क्या है अंक तालिका की स्थिति

पहला-दूसरा स्थानः फिरौज्जा अलीरेजा (फ्रांस), आर प्रज्ञानंद (भारत)- 12 अंक प्रत्येक

तीसरा-चौथा स्थानः मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव (फ्रांस), नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव (उज्बेकिस्तान)- 11 अंक प्रत्येक

पांचवां-छठा स्थानः डी गुकेश (भारत), विंसेंट कीमर (जर्मनी)- 10 अंक प्रत्येक

सातवां स्थानः अनीश गिरी (नीदरलैंड)- 8 अंक

आठवां-नौवां स्थानः डीक बोग्डन-डेनियल (रोमानिया), जॉर्डन वैन फोरेस्ट (नीदरलैंड)- 7 अंक प्रत्येक

दसवां स्थानः इवान सारिक (क्रोएशिया)- 2 अंक

मेसी के विश्वकप में 20 गोल

एम्बाप्पे पर बनाई बढ़त गोल्डन बूट की दौड़ में आगे

मियामी, एजेंसी। अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी ने फिर गोल किया और केप वर्डे के खिलाफ फीफा विश्व कप का लगातार आठवां मैच था जिसमें अर्जेंटीना के कप्तान ने कम से कम एक गोल दागा है। मेसी ने केप वर्डे के खिलाफ 29वें मिनट में विश्व कप के अपने करियर का 20वां गोल किया। वह विश्व कप के इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि, फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे उनसे दो गोल पीछे हैं।

मेसी ने दागा मौजूदा विश्व कप का सातवां गोल

इस साल टूर्नामेंट में मेसी का यह सातवां गोल था और गोल्डन बूट की दौड़ में एम्बाप्पे उनसे एक गोल पीछे हैं। पिछले आठ विश्व कप मैचों में मेसी 12 गोल कर चुके हैं। मेसी के साथ अर्जेंटीना और इंटर मियामी के लिए खेलने वाले रॉड्रिगो डि पॉल ने कहा, मेरे लिए मेसी की दोस्ती सबसे अहम चीज है और मैं खुशकिस्मत हूं कि इन पलों में उसके साथ मैदान पर हूं।मेसी ने मार्टिनेज के पास पर केप वर्डे के स्टार गोलकीपर वोजिन्हा को छकाते हुए यह गोल दागा। मेसी और एम्बाप्पे के अलावा नॉर्वे के एर्लिंग हालंद और इंग्लैंड के हैरी केन भी पांच-पांच गोल करके विश्व कप में सबसे ज्यादा गोल करने के गोल्डन बूट पुरस्कार की दौड़ में हैं। फ्रांस के उस्मान डेम्बेले, स्पेन के मिकेल ओयारजाबाल, ब्राजील के विनिशियस जूनियर और सेनेगल के इस्माइला सार ने चार-चार गोल किए हैं। सार दौड़ से बाहर हैं क्योंकि सेनेगल बाहर हो चुकी है।

कभी गोल्डन बूट नहीं जीत सके हैं मेसी

नॉर्वे, इंग्लैंड और फ्रांस अंतिम 16 में हैं। केप वर्डे को हराकर अर्जेंटीना भी अगले दौर में पहुंच चुका है। मेसी ने कभी गोल्डन बूट नहीं जीता। विश्व कप 2022 में सात गोल करके वह एम्बाप्पे से एक गोल पीछे रह गए थे, जबकि 2014 में चार गोल करके संयुक्त तीसरे स्थान पर थे। अगर टूर्नामेंट के बाद शीर्ष पर टाई रहता है तो फीफा पहले टाइब्रेकर के रूप में यह देखेगा कि कितने गोल में मदद की है और दूसरा टाइब्रेकर यह होगा कि मैदान पर किसने कम समय बिताया है। एमेबाप्पे गोल में सहायता के मामले में मेस्सी से 2-0 से आगे हैं।

पेनल्टी शूटआउट में मिस्र का कमाल ऑस्ट्रेलिया को हरा राउंड ऑफ-16 में

डलास, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में मिस्र ने इतिहास रचते हुए ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर पहली बार विश्व कप के नॉकआउट मुकाबले में जीत दर्ज की। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। मिस्र ने अपनी चारों पेनल्टी सफलतापूर्वक गोल में बदली, जबकि ऑस्ट्रेलिया के हैरी साउटर और लुकास हेरिंगटन अपने प्रयासों में चूक गए।

मुकाबले की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक रुख अपनाया और क्रिस्टियन वोल्पाटो का लंबी दूरी का शॉट क्रॉसबार से टकराया। इसके कुछ ही मिनट बाद मिस्र ने 13वें मिनट में बढ़त बना ली। सेट पीस से बने मौके पर करीम हाफेज के क्रॉस को इमाम अशूर ने शानदार हेडर के जरिए गोल में बदल दिया। विश्व कप में अशूर का यह लगातार दूसरा गोल रहा।दूसरे हाफ में ऑस्ट्रेलिया ने बराबरी हासिल कर ली। 55वें मिनट में एडेन ओ'नील की फ्री-किक पर मिस्र के डिफेंडर मोहामेद हानी ने गेंद को क्लियर करने की कोशिश में अपनी ही टीम के गोल में पहुंचा दिया। इस आत्मघाती गोल के साथ स्कोर 1-1 हो गया और मुकाबला बेहद रोमांचक बन गया।

दोनों टीमों को मिले मौके

अतिरिक्त समय में मिस्र के पास मैच खत्म करने का सुनहरा अवसर था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के गोलकीपर पैट्रिक बीच ने रामी राबिया के दमदार हेडर पर शानदार एक हाथ से बचाव किया। इसके बाद मोहम्मद सलाह ने हैसम हसन के लिए मौका बनाया, लेकिन हैरी साउटर ने बेहतरीन ब्लॉक लगाकर ऑस्ट्रेलिया को बचा लिया।निर्धारित समय और अतिरिक्त समय में फैसला नहीं होने के बाद मैच पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा। मिस्र ने अपनी सभी चार पेनल्टी सफलतापूर्वक गोल में बदली। स्टार खिलाड़ी मोहम्मद सलाह ने भी शानदार 'पानेन्का' शैली में पेनल्टी को गोल में बदल दिया। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया के हैरी साउटर और लुकास हेरिंगटन पेनल्टी चूक गए, जिससे मिस्र ने 4-2 से जीत दर्ज कर ली।

अल-नासर को मिला नया कोच, एंजे को मिली कमान

सऊदी अरब के दिग्गज क्लब अल-नासर ने ऑस्ट्रेलियाई कोच एंजे पोस्टेकोग्लू को अपनी पहली फुटबॉल टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। क्लब ने शनिवार को इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि पोस्टेकोग्लू के साथ दो साल का अनुबंध किया गया है।एंजे पोस्टेकोग्लू पुर्तगाली कोच जॉर्ज जीसस की जगह लेंगे। क्लब ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, 'एक नए अध्याय की शुरुआत। एंजे पोस्टेकोग्लू को अल-नासर की पहली फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। उनका अनुबंध दो सीजन के लिए है। हम उन्हें और उनके सहयोगी स्टाफ को क्लब के साथ सफल सफर की शुभकामनाएं देते हैं।'पोस्टेकोग्लू के सामने सबसे बड़ी चुनौती पांच बार के बैलन डी'ऑर विजेता क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की होगी। इसके अलावा वह सादियो माने, किंग्सले कोमन और जोआओ फेलिक्स जैसे स्टार खिलाड़ियों को भी कोचिंग देंगे। इस समय 41 वर्षीय क्रिस्टियानो रोनाल्डो पुर्तगाल की ओर से फीफा विश्व कप 2026 में खेल रहे हैं। उन्होंने क्रोएशिया के खिलाफ राउंड ऑफ 32 मुकाबले में पेनल्टी के जरिए बराबरी का गोल दागा था। हालांकि बाद में उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया गया और गोंकालो रामोस ने विजयी गोल कर टीम को बढ़त दिलाई।

विश्व कप से पहले भारत ने दिया बड़ा संदेश

फुल्टन बोले- गेम प्लान पर टिके रहे तो जीत हमारी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। एफआईएच प्रो लीग में कुल मिलाकर निराशाजनक अभियान के बावजूद आखिरी चरण में भारतीय टीम ने दमदार प्रदर्शन कर अपने इरादे साफ कर दिए। जर्मनी और नीदरलैंड जैसी मजबूत टीमों को हराने के बाद मुख्य कोच क्रेग फुल्टन का मानना है कि अगर टीम अपने गेम प्लान पर कायम रही तो दुनिया की किसी भी टीम को मात दे सकती है।

जर्मनी और नीदरलैंड पर जीत से बढ़ा टीम का आत्मविश्वास?

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि प्रो लीग के दौरान टीम का आत्मविश्वास लगातार बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जर्मनी और नीदरलैंड जैसी शीर्ष टीमों पर जीत और इंग्लैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले ने साबित कर दिया कि भारतीय टीम अपने गेम प्लान पर अमल करे तो किसी भी टीम को चुनौती देने और हराने की क्षमता रखती है। उन्होंने इसे विश्व कप और एशियाई खेलों से पहले अच्छा संकेत बताया, हालांकि प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने की जरूरत भी बताई।

टीम दबाव में पहले से ज्यादा मजबूत हुई

फुल्टन ने कहा कि टीम ने दबाव की परिस्थितियों में संयम बनाए रखा, अलग-अलग टीमों की खेल शैली के अनुसार खुद को ढाला और करीबी मुकाबलों में जीत हासिल की। उनके अनुसार यही अनुभव विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट में टीम के काम आएगा और टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है।

प्रो लीग भारत के लिए मुश्किल रही थी

राउरकेला में खेले गए घरेलू चरण में भारत को बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद होबार्ट चरण में टीम ने सुधार के संकेत दिए। स्पेन से शुरुआती हार के बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-2 और स्पेन के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला, हालांकि दोनों मुकाबलों के शूटआउट में हार मिली। अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-1 की बराबरी के बाद भारत ने शूटआउट 3-1 से जीत लिया।यूरोप चरण में भारतीय टीम का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा। रॉटरडैम में भारत ने जर्मनी को 3-1 और नीदरलैंड को 3-2 से हराया। दुनिया की दो मजबूत रक्षात्मक टीमों के खिलाफ भारत ने चार मैचों में नौ गोल किए, जिनमें पांच फील्ड गोल और चार पेनल्टी कॉर्नर से आए। इसके बाद लंदन में पाकिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ चारों मुकाबलों में भारत निर्धारित समय तक अपराजित रहा।

हरमनप्रीत सिंह ने भी जताया भरोसा

होबार्ट चरण से बाहर रहने के बाद टीम की कप्तानी संभालने लौटे हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि शीर्ष रैंकिंग वाली टीमों को हराना हमेशा खास होता है और इससे पता चलता है कि टीम की मेहनत रंग ला रही है। उन्होंने कहा कि विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी में टीम इन सकारात्मक पहलुओं को साथ लेकर आगे बढ़ेगी।

नोवाक जोकोविच ने रचा इतिहास

जोकोविच ने विंबलडन पुरुष एकल में रोजर फेडरर के 105 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी की

नई दिल्ली, एजेंसी। सात बार के विंबलडन चैंपियन नोवाक जोकोविच ने तीसरे दौर में फ्रांस के आर्थर रिंदरकनेच को कड़े मुकाबले में 7-5, 6-4, 1-6, 7-6(4) से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल (चौथे दौर) में जगह बना ली। इस जीत के साथ जोकोविच ने विंबलडन पुरुष एकल में रोजर फेडरर के 105 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

फेडरर की बराबरी, अब सिर्फ एक खिलाड़ी आगे

39 वर्षीय सर्बियाई दिग्गज अब विंबलडन में पुरुष एकल के इतिहास में सबसे ज्यादा 105 मैच जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में रोजर फेडरर के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। पूरे इतिहास में उनसे आगे सिर्फ महिला टेनिस की दिग्गज मार्टिना नवरातिलोवा हैं, जिन्होंने विंबलडन में 120 एकल मुकाबले जीते हैं।

जोकोविच बोले- इतिहास बनाना मेरे लिए सम्मान की बात

जीत के बाद जोकोविच ने कहा कि इस खेल में इतिहास रचना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, 'इस खेल में इतिहास बनाना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान और सौभाग्य है। खासकर विंबलडन में, क्योंकि बचपन से यही मेरा सपना रहा है। मैं 105 या 106 जीत के बारे में नहीं सोच रहा, मेरा पूरा ध्यान हर मैच जीतने पर है।'उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'आज मैं सामान्य से ज्यादा दबाव में था। मुझे पता था कि मुकाबला आसान नहीं होगा। मैं खुश हूं कि इसे जीत पाया। अब मैं चाहता हूं कि 106वीं जीत के लिए मेरा मुकाबला रोजर फेडरर से ही हो जाए।'

रिंदरकनेच ने दी कड़ी टक्कर

दूसरे दौर में स्टेफानोस सित्सिपास को सीधे सेटों में हराने वाले जोकोविच इस बार अपनी सर्वश्रेष्ठ लय में नजर नहीं आए। फ्रांस के आर्थर रिंदरकनेच ने पहले दो सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए तीसरा सेट 6-1 से अपने नाम किया। चौथे सेट में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच लंबी और रोमांचक रैलियां देखने को मिलीं। रिंदरकनेच ने कई शानदार सर्विस और वॉली से दर्शकों को प्रभावित किया, लेकिन टाई-ब्रेक में जोकोविच के अनुभव ने बाजी पलट दी।

अब चौथे दौर में रोमन सफियुलिन से मुकाबला

अब जोकोविच का सामना चौथे दौर में क्वालिफायर रोमन सफियुलिन से होगा। सफियुलिन ने तीसरे दौर में ब्राजील के जोआओ फोन्सेका को 6-3, 6-3, 6-3 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। चोटों से जूझने वाले सफियुलिन ने इस साल विंबलडन से पहले टूर स्तर पर एक भी मैच नहीं जीता था।

विंबलडन में सबसे ज्यादा एकल मैच जीत

मार्टिना नवरातिलोवा	120 जीत
रोजर फेडरर	105 जीत
नोवाक जोकोविच	105 जीत

उपायुक्त भूमि विवाद को लेकर जिला स्तरीय विधि व्यवस्था पर की समीक्षा बैठक

भू-माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई करें अधिकारी : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

खूंटी । समाहरणालय स्थित सभागार में जिले में विधि व्यवस्था संधारण को लेकर उपायुक्त मो० जावेद हुसैन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उपायुक्त ने कहा कि जिले में विधि व्यवस्था संधारण सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने भूमि से संबंधित मामलों में पूर्ण पारदर्शिता एवं नियमों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जमीन की रजिस्ट्री एवं दाखिल-खारिज की प्रक्रिया सभी निर्धारित मानकों, एसओपी एवं विधिक प्रावधानों के अनुरूप ही पूरी की जाए। ग्राम सभा, स्थानीय जनप्रतिनिधियों से आवश्यक सत्यापन एवं अन्य सभी निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करने के उपरांत ही रजिस्ट्री एवं दाखिल-खारिज की कार्रवाई की जाए, ताकि किसी प्रकार की त्रुटिपूर्ण प्रविष्टि या विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भूमि विवादों के कारण जिले में कानून-व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए सभी संबंधित पदाधिकारी एवं थाना प्रभारी समन्वय बनाकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि किसी भी संभावित विवाद को प्रारंभिक स्तर पर ही चिन्हित कर उसका त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में भू-माफियाओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि ऐसे तत्वों को चिन्हित कर आवश्यकता के अनुसार विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की जाए। साथ ही आवश्यकता पड़ने पर अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा धारा 163 के अंतर्गत निषेधाज्ञा लागू करने की कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए।

वन भूमि व सरकारी भूमि पर से कब्जा हटाना आवश्यक

उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि सरकारी भूमि एवं वन भूमि पर किसी भी परिस्थिति में अवैध अतिक्रमण अथवा कब्जा नहीं होने दिया जाए। ऐसे मामलों की सूचना प्राप्त होते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

उपायुक्त ने प्रत्येक माह सभी अंचल क्षेत्रों में अंचल/थाना दिवस का नियमित आयोजन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इन आयोजनों के माध्यम से भूमि विवाद एवं अन्य स्थानीय समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए, जिससे आमजन को त्वरित राहत मिल सके तथा विवादों की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

बैठक में जिले के शॉपिंग मॉल, पेट्रोल पंप, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता एवं कार्यशील स्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए गए। संबंधित विभागों को नियमित जांच अभियान चलाकर सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा गया।

उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जिले में शांति, सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा प्रत्येक मामले में संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक में मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग, अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी, अपर समाहर्ता सुषमा लकड़ा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, जिला अवर निबंधक, कार्यपालक दंडाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी, सभी थाना प्रभारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जंगली हाथी ने एक व्यक्ति पर हमलाकर कर किया घायल

बिभा संवाददाता

खूँटी । ज़िले के कुल्डा जंगल में हाथियों पर गुलेल व डंडे से पीटकर तंग करने के बाद शांतप्रिय हाथी हमलावर हो गया है। जहाँ एक हाथी ने कुल्डा गाँव के बगल में कटहल लाने गया व्यक्ति पर हमला कर दिया। जिससे कुलडा निवासी 60 वर्षीय क्रिस्टोफर तोपनो घायल हो गया है। हाथी के हमले के बाद घायल क्रिस्टोफर तोपनो किसी तरह जान बचाकर भागा लेकिन तबतक उसे बहुत कष्ट नहीं था । जो धीरे-धीरे कष्ट बढ़ने पर घटना की जानकारी परिजनों को दिया। इसके बाद परिजनों के द्वारा उपचार के लिए रेफरल अस्पताल तोरपा लाया गया है। उसके पड़ोसी भतीजा प्रफुल्ल भेंगरा ने बताया कि क्रिस्टोफर शुक्रवार को सुबह 7 बजे के आसपास कटहल लाने जंगल के निकट गया था। इसी दौरान जंगली हाथी से उसका सामना हो गया। क्रिस्टोफर को जंगली हाथी के हमले के बाद गर्दन और पीठ पर चोट लगी है। मामले की जानकारी पर प्रभारी वनपाल अविनाश लुगुन घायल से रेफरल अस्पताल तोरपा में मिलकर घटना की जानकारी लिया। पीड़ित क्रिस्टोफर ने बताया कि हाथी पीछे से आया और लात मार दिया जिससे उसके सीने में और पीठ में चोट लगी है। वहीं सदर अस्पताल खूँटी में क्रिस्टोफर तोपनो का ईलाज चल रहा है।

बता दें कि पिछले 20 दिनों से पाँच जंगली हाथियों का झुंड कुल्डा जंगल में डेरा जमाए हुए हैं। जंगली हाथी जंगल से निकलकर लगातार मुख्य सड़क पर घंटो विचरण कर रहे हैं।जंगली हाथियों के झुंड के ऊपर। युवकों के द्वारा गुलेल और लाठी डंडे से प्रहार करने की तस्वीर भी दो दिन पहले सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हुआ था। लगातार लोगों के द्वारा हाथियों के साथ शरारती व्यवहार करने से जंगली हाथियों में आक्रोश देखा जा रहा है।

उपायुक्त ने जंगली हाथी से दूरी बनाने के लिए की अपील

कुल्डा जंगल में जंगली हाथी के साथ उपद्रवी तत्वों द्वारा गुलेल से मारने और डंडा से पीटने की करतूत के बाद शान्तिप्रिय स्वभाव का हाथी का हमलावर भावना हो गया है। जो कि पथिकों के लिए भी चिंता का विषय बन सकता है। इन हाथियों से सुरक्षा के लिए उपायुक्त ने हाथियों से छेड़खानी न करने की अपील की है। उन्होंने आम जनों व ग्रामीणों से अपिल किया है कि हाथी से दूरी बनाकर रखें। हाथी जहाँ पर है वहाँ न जाएँ। इससे हाथी और भी भड़क जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

आज भाजपा कार्यालय में श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125वी जयंती पर अर्जुन मुंडा होंगे शामिल

खूँटी(बिभा) । भाजपा जिला कार्यालय में आज जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125वीं जन्म जयंती मनाया जाएगा। इस अवसर पर खूँटी के पूर्व सांसद और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। जहाँ भाजपा समाज के बीच सेवा भाव के साथ आगे बढ़कर कार्य किया। उन संस्थापक समूह को भी याद किया जाएगा। वहीं डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के त्याग तपस्या और बलिदान को भाजपा कार्यकताओं के बीच बतलाया जाएगा। जिन्होंने विपरीत परिस्थिति में समाज के अधिकार और समाज के उत्थान के लिए संगठन को खड़ा किया था। जिनका निधन भी आज तक संशय बना हुआ है। जिनका बलिदान देश के लिए विश्वगुरु बनाने की दिशा में संगठनात्मक बीज बोकर देश को प्रदान किया। जिन्होंने निश्वार्थ भाव से कार्य करके संगठन का पहिया दौड़ाया। जिनकी गाथा को स्मरण ही नहीं बल्कि उनके कृत्य को नमन करने व श्रद्धांजलि अर्पित करने भाजपा के लोग उपस्थित रहेंगे।

संत माईकल +2 स्कूल, मुरी में प्रतियोगिता के विजेताओं को किया गया सम्मानित

सिल्ली (बिभा): संत माईकल + 2 स्कूल, मुरी में निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरूपयोग के विरूद्ध चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत कविता, निबंध लेखन, चित्रकला एवं ड्राइंग प्रतियोगिता के विजेताओ को प्रमाण पत्र देकर विद्यालय प्रांगण में सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा छठवीं से बारहवीं तक के छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।छात्रों ने रंगों के माध्यम से नशे से दूर रहने का संदेश दिया और यह दिखाया कि कैसे नशा शरीर और परिवार को बर्बाद करता है। इस मौके पर विद्यालय के निर्देशक डॉ. राकेश कुमार ने बच्चों की कलाकृतियों की बहुत सराहना किए और कहा कि चित्रकला एवं निबंध लेखन के इस प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चे नशीली दवाओं से दूर रहेंगे और खेल कूद जैसे अच्छी आदतों को अपनाएंगे। मौके पर विद्यालय के प्राचार्य सी. एल. प्रजापति एवं शिक्षक शिक्षकाएं उत्पल कुमार, प्रीति नंदा, वंदना कुमारी, संजुक्ता सिंह देव, डोली महतो, एन. सी. साहू, प्रीति लता मुंडू, नीता कुमारी, शिमा झा, शंकर महतो, किशोर कुमार इत्यादि उपस्थित थे।

कुरमी/कुड़मी समन्वय समिति के संयोजक लालचन महतो चंदनकियारी कार्यक्रम में होंगे शामिल

सिल्ली(बिभा): कुरमी/कुड़मी (महतो) समन्वय समिति झारखंड-बंगाल एवं उड़ीसा के संयोजक लालचन महतो समिति के कार्यों को लेकर दो दिवसीय कार्यक्रम में भाग लेने के लिए रवाना हुए। समिति के घटक संगठन पूर्वांचल आदिवासी कुड़मी समाज की राज्यस्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए वे 04 जुलाई दिन शनिवार को पश्चिम बंगाल के पुरुलिया के लिए प्रस्थान किए। इस बैठक में कुड़मी समाज की सामाजिक, राजनीतिक और आरक्षण संबंधी विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होगी। इसके बाद 05 जुलाई दिन रविवार को झारखंड के चंदनकियारी में आयोजित भाषा एवं सांस्कृतिक समारोह में वे शामिल होंगे। इस समारोह में कुड़माली भाषा, साहित्य और संस्कृति को बढ़ावा देने पर विशेष फोकस रहेगा। लालचन महतो ने कहा कि समाज को संगठित कर भाषा और संस्कृति को बचाने के लिए इस तरह के कार्यक्रम जरूरी हैं।

जिला स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल कप प्रतियोगिता का रोमांचक समापन

गुमला(बिभा) : झारखंड शिक्षा परियोजना, गुमला के तत्वावधान में संत इग्नेशियुस उच्च विद्यालय, गुमला के जुबली स्टेडियम में आयोजित त्रिदिवसीय जिला स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल कप प्रतियोगिताझ2026 का शनिवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रतियोगिता के दौरान जिले के विभिन्न प्रखंडों से आई टीमों ने अनुशासित, संघर्षपूर्ण एवं खेल भावना से परिपूर्ण प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। अंतिम दिन अंडर-17 बालक वर्ग का फाइनल मुकाबला संत इग्नेशियुस उच्च विद्यालय, गुमला एवं उच्च विद्यालय, छारदा (सिसई) के बीच खेला गया। मैच की शुरूआत से ही दोनों टीमों ने तेज आक्रमण और सशक्त रक्षा का शानदार प्रदर्शन किया। पहले हाफ में दोनों टीमों ने कई बेहतरीन अवसर बनाए, लेकिन गोल करने में सफल नहीं हो सकीं। दूसरे हाफ में मुकाबला और अधिक रोमांचक हो गया। दर्शकों के लगातार उत्साहवर्धन के बीच संत इग्नेशियुस उच्च विद्यालय की टीम ने बेहतरीन तालमेल और आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए लगातार दबाव बनाया तथा दो शानदार गोल दागकर मुकाबले को 4-0 से अपने नाम कर लिया। अंतिम सीटी बजते ही खिलाड़ियों और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई।

खूंटी में 65वीं प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले में 65वीं प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को विभिन्न खेल मैदानों में आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के तहत अंडर-15 बालक वर्ग के मुकाबले रोमन कैथोलिक बालक मध्य विद्यालय, खूँटी, अंडर-17 बालक वर्ग का प्रतियोगिता लोयोला महाविद्यालय छात्रावास मैदान तथा अंडर-17 बालिका वर्ग के मुकाबले लोयोला उच्च विद्यालय, खूँटी में आयोजित किए गए।

अंडर-15 बालक वर्ग में उत्क्रमित उच्च विद्यालय, घाघरा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया, जबकि उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बेलवादाग उपविजेता रहा। अंडर-17 बालक वर्ग में मॉडल स्कूल, खूँटी ने विजेता बनने का गौरव हासिल किया और एजेएसएम +2 हाई स्कूल, डुमरदगा उपविजेता रहा। वहीं अंडर-17 बालिका वर्ग में उत्क्रमित उच्च विद्यालय, अनिगड़ा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि जयपाल सिंह +2 उच्च विद्यालय, अलौंदी उपविजेता बना।

प्रतियोगिता के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष रानी टूटी, नगर पंचायत उपाध्यक्ष शशांक शेखर, खूंटी प्रखंड प्रमुख छोटेराय मुंडा, उपप्रमुख शांति देवी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी अजय कुमार एवं अनीता लकड़ा मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों के माध्यम से अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने का संदेश दिया।

प्रतियोगिता के सफल आयोजन में शारीरिक शिक्षा शिक्षक रियाज आलम, नीरज साहू, सिकंदर पूरन, राजेन्द्र प्रसाद, जोलेन तोपनो एवं अमृता कुमार मेहता की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसके अलावा सभी सीआरपी एवं बीआरपी ने भी आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया।

मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय बालिका, खूंटी में आयोजित हुआ मेगा करियर काउंसिलिंग कैंप

बिभा संवाददाता

खूँटी । उपायुक्त मो० जावेद हुसैन के निदेशानुसार मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय बालिका, खूंटी में मेगा करियर काउंसिलिंग कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कक्षा 10 से 12 तक अध्ययनरत एवं शैक्षणिक सत्र 2025-26 में उत्तीर्ण छात्राओं को उच्च शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार एवं विभिन्न करियर विकल्पों के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करना था।

कार्यक्रम की शुरूआत छात्राओं के पंजीकरण से हुई। इसके उपरांत चित्रकला, निबंध एवं क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके बाद करियर काउंसिलिंग सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी तथा भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से जानकारी दी गई।

इस अवसर पर कौशल विकास से संबंधित विशेष सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण, कौशल उन्नयन एवं स्वरोजगार के अवसरों के संबंध में जानकारी दी गई। वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित सत्र में छात्राओं को महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा, पोषण, स्वास्थ्य तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम के दौरान जिला नियोजन पदाधिकारी श्री आनंद कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती अनिशा कुजूर, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों द्वारा छात्राओं को अपने-अपने विभाग से संबंधित योजनाओं, सेवाओं एवं करियर से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई तथा उनके प्रश्नों का समाधान भी किया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

केरल में मिलीं धनबाद की कबली देवी परिजनों को सुपुर्द

धनबाद : जिला समाज कल्याण विभाग और वन स्टॉप सेंटर के संयुक्त प्रयास से 20 वर्षों से लापता श्रीमती कबली देवी को आज पूर्वी टुंडी प्रखंड के अंतर्गत ग्राम दलदली (पंचायत चुरुरिया) में उनके परिजनों को सुपुर्द किया गया। मौके पर कबली देवी के पति, बेटा-बेटी, पोता-पोती के साथ गांव के अनेक लोग मौजूद थे। दरअसल, 65 वर्षीय कबली देवी लगभग 20 साल पहले अचानक अपने गांव से कहीं चली गई थीं। लंबे समय तक खोजबीन के बाद भी जब उनका कोई सुराग नहीं मिला, तो परिजनों ने उन्हें मृत मान लिया था और उनके पति ने दूसरी शादी भी कर ली थी। वहीं उनके 20 साल बाद वापस गांव लौटने से परिवार सहित पूरे गांव में खुशी की लहर दौड़ गई।

श्री श्याम मंदिर ट्रस्ट चुनाव में विष्णु पौद्दार के रुप के निर्विरोध निर्वाचित की संभावना

बिहान भारत ने कल ही बता दिया था चुनाव सरगर्मी ठंडी हुई

बिभा संवाददाता

रामगढ़ : श्री श्याम मंदिर निर्माण में कार्यरत प्रमुख सदस्यों विष्णु पौद्दार के नेतृत्व में 03 जुलाई को नामांकन किया गया था। वहीं श्री श्याम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कमेटी द्वारा लिए गए छः नामांकन पत्र आज भी दाखिल नहीं होने से अध्यक्ष पद के उम्मीदवार श्री पोद्दार सहित सभी 11 सदस्यों के निर्विरोध निर्वाचित होने कि संभावना है।

श्री श्याम सेवा समिति ट्रस्ट का द्वार्षिक चुनाव की प्रक्रिया में 11 कार्यकारिणी समिति के लिए चुनाव प्रक्रिया जारी है। चुनाव को लेकर नामांकन पत्रों की बिक्री का आज अंतिम दिन था तथा नामांकन जमा करने का 05 जुलाई रात्रि 07 से 08 बजे तक निर्धारित है।

चुनाव पदाधिकारी सुरेश बगड़िया और राजेश अग्रवाल ने बताया कि श्री श्याम सेवा समिति ट्रस्ट के 11 सदस्य कार्यकारिणी समिति के लिए हो रहे चुनाव के लिए 11 लोगों ने नामांकन पत्र जमा किया है। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए विष्णु कुमार पोद्दार,उपाध्यक्ष पद के लिए राजेश कुमार अग्रवाल (पथरवा), सचिव के लिए तुलसी कुमार अग्रवाल (पिंटू) , सह सचिव के लिए रोहित कुमार पंसारी, कोषाध्यक्ष पद के लिए संजय कुमार अग्रवाल (मथुरावाला), कार्यकारिणी के लिए दिनेश पोद्दार, ऋषभ अग्रवाल, रोहित कुमार शर्मा, सुनील कुमार अग्रवाल, शंभू कुमार अग्रवाल पटवारी, विकास कुमार अग्रवाल (विकी) शामिल है ' श्री बगड़िया ने बताया कि कार्यकारिणी सदस्य के लिए संजय शर्मा, विजय पोद्दार, शंकर लाल अग्रवाल,अनिल कुमार गोयल, सचिव के पद हेतु सुशील कुमार गर्ग व कोषाध्यक्ष के लिए संजय कुमार चौधरी ने परचे खरीदे हैं।

विष्णु पौद्दार के नेतृत्व में 11 सदस्यीय कार्यकारणी का नामांक होने व दो जुलाई को लिए गए नामांकन पत्रों के जमा नहीं होने से चुनाव सरगर्मी ठंडी हुई है बिहान भारत में यह समाचार पहले ही प्रकाशित हो गया था। जो आज एक भी नामांकन पत्र खरीद व जमा नहीं होने से पुख्ता हो गया है। अब केवल इंतजार है कि लिए गए छः नामांकन पत्र 05 जुलाई को जमा होने का जिसका श्याम प्रेमी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

आज चुनाव कार्यालय में चुनाव पदाधिकारियों के अलावा शिव कुमार अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल व कमल बगड़िया आदि उपस्थित थे।

कटहल ग्रामीणों के लिए बना स्वादिष्ट आहार, जिसे स्वाद के लिए कहा जाता है गच्छखस्सी

मवेशियों के चारे तक निभाती है महत्वपूर्ण भूमिका

ब्रजेश कुमार, खूँटी

खूँटी । झारखंड के खूँटी जिले के ग्रामीण एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों में कटहल केवल एक फल नहीं, बल्कि लोगों की आजीविका और भोजन का महत्वपूर्ण आधार बन गया है। ग्रामीण परिवार कटहल का उपयोग बड़े चाव से करते हैं। कटहल का स्वाद के कारण इसे गच्छखस्सी के नाम से भी जानते हैं।

वहीं छोटे कच्चे कटहल की बाजार में अच्छी कीमत मिलती है, जबकि कटहल बड़ा हो जाता है तो कटहल अनेक ग्रामीण पेटभर भी खा जाते हैं । इसके साथ-साथ कच्चा व पका कटहल मवेशियों के चारे के रूप में भी उपयोग किए जाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में घास की कमी होने पर बड़े कटहल को काटकर मवेशियों को खिलाया जाता है, जिससे पशुओं के लिए यह एक उपयोगी आहार साबित होता है। वहीं कच्चे कटहल की सब्जी ग्रामीण परिवारों के भोजन का प्रमुख हिस्सा है। सीमित संसाधनों के बीच कटहल गरीब परिवारों के लिए पोषण और आजीविका का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरा है।

कटहल के बढ़ते महत्व को देखते हुए खूँटी जिला प्रशासन ने इसके व्यावसायिक उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में पहल की है। इसके तहत खूँटी शहर में कटहल प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) इकाई स्थापित की गई है, जहां कटहल से विभिन्न प्रकार के खाद्य उत्पाद तैयार किए जाते हैं। हालांकि, इन उत्पादों का उत्पादन और विपणन अभी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच सका है। स्थानीय बाजारों में कटहल से बने उत्पाद आसानी से उपलब्ध नहीं होने के कारण लोगों तक उनका लाभ नहीं पहुंच पा रहा है।

दूसरी ओर, खूँटी के कच्चे कटहल की मांग बिहार, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों में बनी हुई है। व्यापारी बड़ी मात्रा में कच्चे कटहल की खरीद कर दूसरे राज्यों में भेजते हैं, जिससे स्थानीय किसानों को भी आय का अवसर मिलता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि प्रोसेसिंग यूनिट में तैयार कटहल उत्पादों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए और उन्हें खूँटी सहित राज्य के अन्य जिलों के बाजारों में उपलब्ध कराया जाए, तो इस उद्योग को नई गति मिल सकती है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, किसानों को बेहतर मूल्य मिलेगा और उपभोक्ताओं को भी कम कीमत पर पौष्टिक एवं स्वादिष्ट कटहल उत्पाद उपलब्ध हो सकेंगे।

स्वामी विवेकानंद युवाओं को आत्मविश्वासी, कर्मठ और राष्ट्र के प्रति समर्पित बनने की देते थे प्रेरणा: संजय सर्राफ

बिहान भारत

रांची : हिंदी साहित्य भारती के उपाध्यक्ष सह झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि भारत के महान आध्यात्मिक चिंतक, युवा प्रेरणास्त्रोत एवं विश्वविख्यात संन्यासी स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि प्रत्येक वर्ष 4 जुलाई को श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई जाती है। इसी दिन वर्ष 1902 में मात्र 39 वर्ष की आयु में उन्होंने बेलूर मठ में महासमाधि ग्रहण की थी।उनकी पुण्यतिथि केवल श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर नहीं है, बल्कि उनके विचारों, आदर्शों और राष्ट्रनिर्माण के संदेश को आत्मसात करने का भी प्रेरक दिवस है। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में नरेंद्रनाथ दत्त के रूप में हुआ था। वे रामकृष्ण परमहंस के परम शिष्य थे। उन्होंने भारतीय संस्कृति, वेदांत और सनातन दर्शन को विश्व मंच पर नई पहचान दिलाई। वर्ष 1893 में शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में दिए गए उनके ऐतिहासिक संबोधन अमेरिका की बहनों और भाइयों ने पूरी दुनिया को भारतीय आध्यात्मिकता की शक्ति से परिचित कराया। स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि का उद्देश्य उनके जीवन मूल्यों, राष्ट्रप्रेम, आत्मविश्वास, सेवा, शिक्षा और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना है। उनका मानना था कि शिक्षा केवल जानकारी प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति के भीतर निहित शक्ति और चरित्र का विकास करने का साधन है। वे युवाओं को आत्मविश्वासी, कर्मठ और राष्ट्र के प्रति समर्पित बनने की प्रेरणा देते थे। उनका प्रसिद्ध संदेश- उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको आज भी करोड़ों युवाओं के लिए सफलता का मंत्र बना हुआ है।इस अवसर पर देशभर के विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं में संगोष्ठियों, विचार गोष्ठियों, व्याख्यानों, योग शिविरों, सेवा कार्यों तथा उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए जाते हैं। अनेक स्थानों पर उनके साहित्य का अध्ययन, युवाओं के लिए प्रेरक कार्यक्रम तथा समाजसेवा से जुड़े आयोजन भी किए जाते हैं। स्वामी विवेकानंद का संपूर्ण जीवन त्याग, सेवा, आध्यात्मिक चेतना और राष्ट्रभक्ति का अनुपम उदाहरण है। उनकी शिक्षाएँ आज भी भारत को आत्मनिर्भर, सशक्त और नैतिक मूल्यों से युक्त राष्ट्र बनाने की प्रेरणा देती हैं। उनकी पुण्यतिथि हमें यह संकल्प लेने का अवसर प्रदान करती है कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाकर समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान दें। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

श्रावणी मेला : संथाल परगना आयुक्त की अध्यक्षता में हुई बिहार-झारखंड इंटर स्टेट समन्वय बैठक, वीआईपी दर्शन पर पूर्ण रोक

आपसी समन्वय स्थापित कर दोनों राज्यों के अधिकारी करें कार्य

बिभा संवाददाता

देवघर: राजकीय श्रावणी मेला, 2026 के सफल संचालन के लिए सुल्तानगंज से देवघर तक श्रद्धालुओं को बेहतर से बेहतर सुविधा व सुरक्षा के पुख्ता व्यवस्था मिले तथा दोनों राज्यों के बीच कैसे को-ओर्डिनेशन मजबूत हो, इसके लिए झारखण्ड एवं बिहार इंटर स्टेट को-ओर्डिनेशन की बैठक का आयोजन संथाल परगना आयुक्त संजय कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को देवघर परिसदन के सभागार में की गई। इस दौरान उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया द्वारा मौके पर उपस्थित संथाल परगना प्रमंडल, भागलपुर व मुंगेर प्रमंडल के कमिशनर के अलावा बिहार व झारखण्ड के उपायुक्त, पुलिस अधिक्षक एवं आलाधिकारियों का स्वागत किया।
बैठक के दौरान संथाल परगना आयुक्त द्वारा बतलाया गया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य श्रावणी मेला, 2026 के सफल संचालन को लेकर विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा करना है, ताकि सुल्तानगंज से जल भरने के पश्चात श्रद्धालुओं द्वारा जिन-जिन स्थानों से होकर पैदल यात्रा की जाय, वहां श्रद्धालुओं को हर संभव सुविधा उपलब्ध करायी जा सके। इसके लिए कांवरिया मार्ग में पड़ने वाले सभी जिलों द्वारा आपसी समन्वय स्थापित कर व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जाय, ताकि श्रद्धालु सुगमतापूर्वक जलार्पण कर पायें और उन्हें किसी प्रकार की कठिनाईयों का सामना न करना पड़े। बैठक में संथाल परगना आयुक्त द्वारा आगे जानकारी दी गई कि श्रावणी मेला के दौरान काफी संख्या में श्रद्धालु देवघर व दुमका आते हैं। ऐसे मे श्रद्धालुओं को व्यवस्थित व सुगमतापूर्वक से जलार्पण कराना प्रशासन के लिए एक चुनौतिपूर्ण कार्य है। यहां आगन्तुक सभी श्रद्धालुओं के भीड़ को नियंत्रित करने हेतु पूरे मेला क्षेत्र में कई होल्डिंग प्वाइंट बनाये गये हैं, जहां सभी मूलभूत सुविधाएँ यथा- बिजली, पंखा, शौचालय, मोबाईल चार्जिंग, स्वास्थ्य सुविधा, स्नानागार व पेयजल सुविधा आदि होंगी। संथाल परगना आयुक्त द्वारा

आगे बतलाया गया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार सूचना तकनीकी को और भी सुद्दढ़ किया जायेगा। आधुनिक सूचना तकनीकी व्हाट्स एप्प के साथ साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से अधिक से अधिक दोनों राज्यो के अधिकारियों को जोड़ा जायेगा, ताकि सूचना मिलते हीं त्वरित कार्रवाई की जा सके। साथ हीं संथाल परगना आयुक्त द्वारा बतलाया गया कि सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिकोण से एवं सूचनाओं के आदान-प्रदान व भीड़ नियंत्रण हेतु भागलपुर, बांका, जमुई व मुंगेर के साथ आपसी समन्वय बनाकर कार्य किया जायेगा, ताकि उसके माध्यम से कांवरिया मार्ग के पल-पल की जानकारी का आदान-प्रदान होता रहे। आगे बैठक के दौरान बाहर से आने वाले छोटे बच्चें व बुर्जूग श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु उनके साथ फोन नम्बर या उनका पता उनके साथ हो यह सुनिश्चित करने हेतु व्यापक रूप से अपने-अपने क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार करने की बात कही गयी, ताकि प्रशासन को ऐसे खोये हुए श्रद्धालुओं को उनके परिजनों से मिलाने में सुविधा हो।
इसके अलावा बैठक के दौरान भागलपुर प्रमंडल के आयुक्त द्वारा सभी को संबोधित करते हुए कहा गया कि सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिकोण से एवं सुचनाओं के आदान-प्रदान व भीड़ नियंत्रण हेतु भागलपुर, बांका एवं मुंगेर के साथ आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य किया जाये, ताकि उसके माध्यम से कावंरियां मार्ग के पल-पल की जानकारी का आदान-प्रदान लिया जा सके। साथ हीं अतर्राज्यीय सीमा के थानों से समन्वय किये जाने की बात बताते हुए श्रावणी मेला के दौरान सघन गस्ती एवं चेकनाका के माध्यम से सभी गतिविधियों पर नजर रखने की बात कही गयी। आगे उन्होंने दोनों राज्यों के अधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा हेतु कार्य करने की बात कही गयी।
बैठक की शुरूआत अनुमंडल पदाधिकारी देवघर सदर श्री रवि कुमार द्वारा देवघर जिला का पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) के माध्यम से बताया की श्रावणी मेला 2026 के सुरक्षित व सुगम सम्पन्न कराने हेतु किन किन बिंदुओं पर कार्य किया जा रहा है। इसी दौरान उपायुक्त देवघर श्री सौरभ कुमार भुवानिया ने बताया कि रविवार व सोमवार को श्रद्धालुओं की संख्या अधिक होने पर कुमैठा तक जाने की संभावना बनी रहती है। ऐसे में कतारबद्ध सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षित व सुगमतापूर्वक जलार्पण कराने हेतु विभिन्न जगहों को चिन्हित करते हूए मजिस्ट्रेट, पुलिस पदाधिकारी व कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। साथ ही सभी को निदेशित किया गया है कि सभी श्रद्धालुओं को सुगमतापूर्वक जलार्पण कराए। साथ ही श्रद्धालुओं के विश्राम हेतु एवं उनके भीड़ को व्यवस्थित करने हेतु टेंट सिटी व होल्डिंग पॉइंट्स का निर्माण कराया गया है। जहाँ उनके विश्राम के साथ-साथ शौचालय, स्नानागर, पीने का पानी, स्वास्थ्य केंद्र व साफ-सफाई आदि की समुचित व्यवस्था किया गया है। बैठक के दौरान उपायुक्त दुमका द्वारा बासुकीनाथ मेला से जुड़े विस्तृत जानकारी सभी को दी गयी। साथ हीं श्रावणी मेला के दौरान होने वाले विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा करते हुए आपसी समन्वय से मेला के सफल संचालन में योगदान करने की बात कही गयी। वहीं पूरे मेला के दौरान बिहार एवं झारखण्ड के आलाधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर शांति व्यवस्था कायम रखी जायेगी। समीक्षा के क्रम में गोड्डा, भागलपुर, बांका, मुंगेर, जमुई के उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक द्वारा अपने-अपने जिलों में चल रही तैयारियों के अलावा इंटरस्टेट बॉर्डर को-ओर्डिनेशन, विधि व्यवस्था व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की गयी।
इंटर स्टेट को-ओर्डिनेशन की बैठक के दौरान उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया के आग्रह पर बिहार से आने वाले सभी छोटे-बड़े वाहनों के छतों पर किसी भी सूरत में श्रद्धालुओं को न बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही गयी। डबल डेकर वाहनों का प्रवेश पर पूर्णतः रोक रहेगी। इस संबंध में सीमावर्ती जिलों से अपील किया गया की वे भी जिला प्रशासन देवघर का सहयोग करें। साथ ही उपायुक्त ने कहा कि देवघर में मेले में जो जलार्पण की व्यवस्था, रूटलाईनिंग मैनेजमेंट, स्वास्थ्य व्यवस्था, आवासन, पेयजल, शौचालय आदि सुविधाओं से सभी को अवगत कराया। आगे उन्होंने कहा कि मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा के दृष्टिकोण से राज्य सरकार के निदेशानुसार वीआईपी पूजा की सुविधा नहीं रहेगी, ताकि आम श्रद्धालुओं को मेला के दौरान किसी प्रकार की समस्याओं का सामना न करना पड़े। साथ हीं उपायुक्त द्वारा राजकीय श्रावणी मेला के दौरान आगन्तुक श्रद्धालुओं को दी जाने वाली सुख-सुविधाओं व सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी विस्तृत जानकारी सभी को दी गयी। बैठक के दौरान विभिन्न बिन्दुओं के साथ-साथ सुरक्षा व्यवस्था पर भी विस्तृत चर्चा की गयी। साथ हीं दोनों राज्यों में सुल्तानगंज से देवघर और सभी कांवरिया पथ पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये जायेंगें। इसके अलावे दोनो राज्यों के संबंधित अधिकारी चौबिसों घंटे सम्पर्क में रहेंगें।

संक्षिप्त खबरें

सीएम एक्सीलेंस गर्ल्स स्कूल, बरियातू में रांची नगर निगम ने 100 फलदार पौधों का किया वितरण

रांची(बिभा): पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज रांची के बरियातू स्थित सीएम एक्सीलेंस गर्ल्स स्कूल में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में रांची नगर निगम के उप नगर आयुक्त एवं सहायक नगर आयुक्त का विशेष सहयोग रहा। नगर निगम और 'प्रिज्मोलॉइन' के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस कार्यक्रम के तहत स्कूल की सैकड़ों छात्राओं के बीच 100 फलदार पौधों का वितरण किया गया। इस दौरान वहां मौजूद 100 से अधिक बच्चियों को फलदार वृक्ष दिए गए और उन्हें पर्यावरण की रक्षा के लिए विशेष रूप से प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी बच्चियों को एक सुर में यह संकल्प दिलाते हुए शपथ दिलाई गई कि वे इन पौधों को अपने-अपने घरों में सुरक्षित तरीके से लगाएं और पूरी देखभाल करें ताकि ये बड़े होकर फल दे सकें। इसके बाद स्कूल परिसर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के दौरान सभी अतिथियों ने मंच से अपनी बातें रखीं और बच्चियों का हौसला बढ़ाया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि आज के समय में प्रकृति का संरक्षण करना सबसे जरूरी हो गया है। हमारी सबसे बड़ी ज़िम्मेदारी यह है कि हम अपनी रांची को हमेशा हरा-भरा और सुंदर बनाए रखें। उन्होंने भावुक अपील करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को 'एक पेड़ मां के नाम' जरूर लगाना चाहिए और उसकी सेवा करनी चाहिए, तभी हम अपनी इस धरा को स्वच्छ और सुंदर रख पाएंगे। यह पूरा कार्यक्रम बेहद सफल और शानदार तरीके से चला, जहां रांची को पूरी तरह से हरा-भरा और प्रदूषण मुक्त रखने के लिए सभी ने एक काफी सकारात्मक और मजबूत संकल्प लिया। मुख्य अतिथि के तौर पर सीएम एक्सीलेंस स्कूल की मैनेजर नीता पांडे, प्राचार्य दीपक कुमार, शिवेंद्र कुमार सिंह, प्रिज्मोलॉइन के मैनेजिंग डायरेक्टर ऋषभ सिंघानिया, डायरेक्टर स्नेहा सिंघानिया, उदय साहू, रूपम झा , दुर्गा पासवान और पारस कुमार सिंह उपस्थित थे। साथ ही कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से रीता कुमारी, अशरफ अली, शिवली अख्तर, सुधाकर यादव और रंजीत गुप्ता समेत कई अन्य लोग भी उपस्थित थे।

हिमांशु हत्याकांड में पुलिस की भूमिका की हो सीबीआई जांच : आदित्य साहू

बिभा संवाददता

जमशेदपुर। करणी सेना के युवा नेता हिमांशु सिंह की हत्या के मामले में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने झारखंड सरकार और पुलिस प्रशासन पर तीखा हमला बोलते हुए पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच की मांग की है। शनिवार को आदित्यपुर पहुंचकर उन्होंने मृतक के पिता अरविंद सिंह और परिजनों से मुलाकात की और उन्हें न्याय दिलाने का भरोसा दिया। इसके बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि हिमांशु सिंह की हत्या राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है और इस मामले में पुलिस की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।
आदित्य साहू ने आरोप लगाया कि घटना के समय पुलिस मौके पर मौजूद थी, लेकिन अपराधियों को रोकने के लिए

प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि हमलावर पुलिस वाहन तक पहुंच गए और घायल युवकों पर हमला जारी रखा, जबकि पुलिस मूकदर्शक बनी रही। उनका कहना था कि यदि पुलिस समय पर हस्तक्षेप करती या आवश्यक बल प्रयोग करती तो घटना की गंभीरता कम हो सकती थी। उन्होंने मांग की कि ड्यूटी पर मौजूद पुलिस अधिकारियों और जवानों की भूमिका की जांच कर दोषी पाए जाने पर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।
भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन घटना के मूल मुद्दे से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की कानूनी टीम ने संबंधित बार के दस्तावेजों की जांच की है और उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार उसके लाइसेंस संबंधी कागजात अवैध हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि बार अवैध रूप से संचालित हो रहा था तो प्रशासन ने पहले कार्रवाई क्यों नहीं की। उनके अनुसार अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करना ही प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।
उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हुई और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो भाजपा जमशेदपुर के बाद पूरे झारखंड में आंदोलन तेज करेगी। इस अवसर पर पूर्व मंत्री भानु प्रताप शाही, पूर्व मंत्री अमर कुमार बावरी सहित भाजपा के जमशेदपुर महानगर और सरायकेला-खरसावां जिले के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। भानु प्रताप शाही ने इसे सुनियोजित हत्या बताते हुए स्वतंत्र जांच की मांग की, जबकि अमर कुमार बावरी ने घटना में कथित लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग दोहराई।

पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन ने पाटलिपुत्र रेल परिसर के आरेख उद्यान में वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन

हाजीपुर(बिभा): पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन, हाजीपुर की अध्यक्षा श्रीमती सुनीता सिंह के नेतृत्व में शनिवार को पाटलिपुत्र रेल परिसर के आरेख उद्यान में वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में छोटे बच्चों के द्वारा पौधारोपण कराया गया ।इस अवसर पर बच्चों को पौधों के महत्व के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी संगठन की अध्यक्षा के द्वारा प्रदान की गई एवं प्रत्येक बच्चों को उपहार स्वरूप पॉटेड प्लांट दिया गया । इस अवसर पर संगठन की उपाध्यक्षा श्रीमती रंजना कुमार, सचिव श्रीमती मनीषा सिन्हा, संयुक्त सचिव श्रीमती प्रियंका सिंह तथा कार्यकारिणी की सभी सदस्याएं तथा महिला कल्याण संगठन, दानापुर की कार्यकारिणी की सभी सदस्याएं उपस्थित थीं ।

धनबाद मंडल में चलाया गया मेगा टिकट चेकिंग अभियान

धनबाद(बिभा): धनबाद मंडल में बड़े पैमाना पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है` इसी क्रम में शनिवार को धनबाद मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया` यह टिकट चेकिंग अभियान सुनियोजित कार्यक्रम के तहत दिन-रात चलाया गया` इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप 796 यात्रियों को पकड़ा गया जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे` इस दौरान उनसे 07,50,810 रूपए जुमार्ने के रूप में राशि प्राप्त की गई तथा पकड़ें गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई` चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया` धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच किया जा रहा है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगा` टिकट जांच अभियान के दौरान स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटर पर यात्रियों की काफी भीड़ देखी गई ` धनबाद मंडल, पूर्व मध्य रेल यात्रियों को उचित टिकट के साथ प्लेटफार्म में प्रवेश करने की सलाह देता है तथा यात्रियों के पास जिस श्रेणी का टिकट है उसी श्रेणी में यात्रा करने का अनुरोध करता है`

चोपन से उत्तर मध्य रेलवे के लिए 100वें माल रैक को मंडल रेल प्रबंधक ने दिखाई हरी झंडी

धनबाद(बिभा): मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र द्वारा चोपन स्टेशन, चोपन कंट्रोल कार्यालय, एसीसी सीमेंट सलाईबनवा साइडिंग तथा

चोपन पिट लाइन का विस्तृत निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान उन्होंने यात्री एवं माल परिचालन व्यवस्था, संरक्षा मानकों, उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं तथा रखरखाव कार्यों का गहन जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को परिचालन में सुरक्षा, समयबद्धता एवं गुणवत्ता बनाए रखने के साथ-साथ उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के उपरांत मंडल रेल प्रबंधक ने चोपन से चुनार मार्ग होते हुए उत्तर मध्य रेलवे के लिए प्रेषित 100वें लॉन्ग हॉल माल रैक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह उपलब्धि धनबाद मंडल की उत्कृष्ट परिचालन क्षमता, विभागों के समन्वित प्रयास तथा माल परिवहन को गति प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इससे न केवल माल ढुलाई क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि औद्योगिक इकाइयों को भी समयबद्ध एवं विश्वसनीय रेल परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर मंडल के अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे ।

अलीगढ़झ्रदादरी खंड में उत्तर मध्य रेलवे का इंट्रा रेलवे सेफ्टी ऑडिट सफलतापूर्वक हुआ पूरा

बिहान भारत

प्रयागराज। रेल परिचालन में संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय की टीम ने शनिवार को प्रयागराज मंडल के अलीगढ़झ्रदादरी खंड का इंट्रा रेलवे सेफ्टी ऑडिट सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह निरीक्षण प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी यतेंद्र कुमार के नेतृत्व में संपन्न हुआ। यह जानकारी शनिवार को उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसमपर्क अधिकारी अमित मालवीय ने दी।
निरीक्षण की शुरूआत अलीगढ़ स्टेशन से हुई, जहाँ निरीक्षण स्पेशल ह्यपरखह्ल के माध्यम से अलीगढ़झ्रदादरी खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण कर रेलपथ, सिग्नलिंग एवं परिचालन व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। टीम ने संरक्षा से जुड़े सभी प्रमुख पहलुओं का सूक्ष्म अवलोकन किया।
अलीगढ़ स्टेशन पर स्टेशन मास्टर कार्यालय, क्रू लॉबी, रनिंग रूम,

यार्ड, पॉइंट एवं क्रॉसिंग तथा सिग्नल विभाग के रिले रूम का विस्तार से निरीक्षण किया गया। सभी व्यवस्थाओं की कार्यप्रणाली को निर्धारित संरक्षा मानकों के अनुरूप पाया गया और परिचालन व्यवस्था की सराहना की गई।
इसके पश्चात अलीगढ़झ्रमेहरावल खंड स्थित समपार फाटक संख्या 110 का निरीक्षण किया गया, जहाँ संरक्षा उपकरणों और परिचालन प्रक्रियाओं की समीक्षा की गई। आगे डावरझ्रखुर्जा खंड पर स्थित रेल पुल संख्या 171 का भी निरीक्षण किया गया, जिसमें पुल की संरचनात्मक स्थिति एवं अनुरक्षण व्यवस्था संतोषजनक पाई गई।
खुर्जा स्टेशन एवं दादरी यार्ड में भी व्यापक निरीक्षण किया गया। इस दौरान ट्रैक, यार्ड व्यवस्था तथा कर्व संख्या 19 सहित विभिन्न तकनीकी पहलुओं की समीक्षा कर संरक्षा मानकों की पुष्टि की गई।
निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि सभी संबंधित विभाग रेल संरक्षा मानकों के अनुपालन, तकनीकी दक्षता और सतर्क परिचालन के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं। साथ ही कर्मचारियों के विश्राम, प्रशिक्षण एवं नवीन तकनीकों के उपयोग पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।
निरीक्षण के दौरान मुख्य पर्यावरण एवं ग्रह सज्जा प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता, उप मुख्य परिचालन प्रबंधक एन. पी. सिंह, मुख्य दूरसंचार इंजीनियर ए. के. राय, मुख्य विद्युत इंजीनियर एस. के. तिवारी, अपर मंडल रेल प्रबंधक एम. एम. वारिस तथा वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी यू. सी. शुक्ला सहित मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।
संरक्षा ऑडिट में प्राप्त निष्कर्षों की विस्तृत समीक्षा के लिए 06 जुलाई 2026 को अपराह्ण 3:00 बजे मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के संकल्प सभागार में फीडबैक एवं समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी, जिससे भविष्य में संरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुद्दढ़ किया जा सके।

पूर्व रेलवे ने ईस्टर्न रेलवे इज वॉचिंग यू अभियान का भव्य किया शुभारंभ स्टेशनों पर गंदगी फैलाने और थूकने के विरुद्ध शून्य सहिष्णुता नीति

बिहान भारत

हावड़ा: स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूर्व रेलवे ने आज हावड़ा रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक भव्य समारोह में अपने व्यापक स्वच्छता जागरूकता अभियान के दूसरे चरण ह्लईस्टर्न रेलवे इज वॉचिंग यूह्व का औपचारिक शुभारंभ किया। यह अभियान इस वर्ष अप्रैल में प्रारंभ किया गया था और आज का यह कार्यक्रम पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देऊस्कर के गतिशील नेतृत्व में अभियान के नए चरण की शुरूआत का प्रतीक है। इस चरण में रेलवे परिसरों में गंदगी फैलाने और थूकने के विरुद्ध जीरो शून्य सहिष्णुता नीति अपनाई गई है।
इस अभियान का मूल संदेश है कि रेलवे परिसर की स्वच्छता बनाए रखने के लिए पूर्व रेलवे हर समय सतर्क है और परिसर की निरंतर निगरानी की जा रही है। क्लोज्ड सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) कैमरों के व्यापक नेटवर्क तथा रेलवे कर्मचारियों की सक्रिय निगरानी के माध्यम से यात्रियों की गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। यदि कोई व्यक्ति गंदगी फैलाते या थूकते हुए पाया जाता है, तो उस पर तत्काल

मौके पर ही जुमार्ना लगाया जाएगा।जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पूर्व रेलवे ने एक अभिनव पहल भी शुरू की है। यदि कोई रेल यात्री किसी व्यक्ति को गंदगी फैलाते या थूकते हुए देखता है, तो वह उसकी तस्वीर लेकर स्थान का विवरण सहित व्हाट्सऐप नंबर 9002022780 पर भेज सकता है। इसके आधार पर पूर्व रेलवे संबंधित व्यक्ति की पहचान कर उस पर मौके पर ही जुमार्ना लगाएगा। साथ ही, सूचना देने वाले यात्री को ₹कैप्टन क्लीनर₹ की उपाधि प्रदान करते हुए पूर्व रेलवे की ओर से प्रशंसा-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।
कार्यक्रम की शुरूआत पूर्व रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा प्रस्तुत प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक से हुई, जिसने स्वच्छता का संदेश प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुँचाया। इसके पश्चात महाप्रबंधक मिलिंद देऊस्कर ने स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया तथा यात्रियों से सीधे संवाद कर उन्हें अभियान की जानकारी दी और स्वच्छता बनाए रखने में उनके सहयोग का आह्वान किया। इसके बाद उन्होंने अभियान के शुभारंभ के प्रतीक स्वरूप प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर कर उसका अनावरण किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक मिलिंद देऊस्कर, हावड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विशाल कपूर, पूर्व रेलवे के उप महाप्रबंधक (सामान्य), मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझि, मुख्यालय के प्रधान विभागाध्यक्ष (पीएचओडी) तथा विभिन्न मंडलों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। समारोह के दौरान स्वच्छता अभियान के दूसरे चरण के अंतर्गत आयोजित ₹30 मिनट चैलेंजर₹ में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मंडलों को सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में सियालदह मंडल को विजेता तथा हावड़ा मंडल को उपविजेता ट्रॉफी महाप्रबंधक के कर-कमलों से प्रदान की गई।
अपने संबोधन में महाप्रबंधक मिलिंद देऊस्कर ने कहा कि पूर्व रेलवे स्वच्छ एवं बेहतर स्टेशन वातावरण के माध्यम से यात्रियों के यात्रा अनुभव को और उत्कृष्ट बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि इस डिजिटल रिपोर्टिंग प्रणाली के माध्यम से यात्रियों को स्वच्छता अभियान का सक्रिय भागीदार बनाया जा रहा है तथा सभी मंडलों में जवाबदेही की संस्कृति विकसित की जा रही है, ताकि स्वच्छता केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि दैनिक आदत बन सके।
कार्यक्रम के समापन पर मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझि ने कहा कि यह अभियान केवल नियमों के पालन तक सीमित नहीं है, बल्कि सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि पूर्व रेलवे हमेशा जन-जागरूकता के क्षेत्र में अग्रणी रहा है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाष: 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली ।**
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com